NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

लखनऊ से प्रकाशित

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

वर्ष: 14 अंक: 80 लखनऊ, मंगलवार 05 नवंबर 2024 मूल्य: 02 रूपये पृष्ठ- 08

झारखंड से चुनावी दौरे का आगाज करेंगे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

संवाददाता।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहली जनसभा मंगलवार को कोडरमा विधानसभा क्षेत्र में होगी। यहां से भाजपा उम्मीदवार डॉ. नीरा यादव के पक्ष में सीएम योगी चंद्रावती स्कूल ग्राउंड, डोमचांच में वोट मांगेंगे। सीएम योगी की दूसरी जनसभा बरकागांव विधानसभा क्षेत्र के भाजपा उम्मीदवार के लिए होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उत्तर प्रदेश विधानसभा उपचुनाव के साथ ही झारखंड व महाराष्ट्र में भी काफी डिमांड है। सीएम योगी मंगलवार से चुनावी दौरे पर उतरेंगे। पहले दिन वे झारखंड के चुनावी दौरे पर रहेंगे। सीएम योगी की पहली जनसभा कोडरमा विधानसभा क्षेत्र की प्रत्याशी के लिए होगी। वे यहां तीन जनसभाओं को संबोधित करेंगे। तीसरी जनसभा में सीएम योगी चार प्रत्याशियों के लिए एक साथ वोट मांगेंगे। सीएम योगी की कोडरमा में होगी पहली जनसभामुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहली जनसभा मंगलवार को कोडरमा विधानसभा क्षेत्र में होगी। यहां से भाजपा उम्मीदवार डॉ. नीरा यादव के पक्ष में सीएम योगी चंद्रावती स्कूल ग्राउंड, डोमचांच में वोट मांगेंगे। सीएम योगी की दूसरी जनसभा बरकागांव विधानसभा क्षेत्र के भाजपा उम्मीदवार के लिए होगी। भाजपा ने यहां से रोशन लाल चौधरी को टिकट दिया है। सीएम योगी की तीसरी जनसभा आमबागान ग्राउंड जमशेदपुर में होगी। यहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जमशेदपुर पूर्वी से भाजपा प्रत्याशी पूर्णिमा दास साहू, जमेशदपुर पश्चिमी से प्रत्याशी सरयू रॉय, पोटका से उम्मीदवार मीरा मुंडा और जुगसलाई से उम्मीदवार रामचंद्र सहिस के पक्ष में वोट मांगकर कमल पर बटन दबाने की अपील करेंगे।

उत्तराखंड में सड़क दुर्घटना में लोगों की मृत्यु हृदय विदारक– राष्ट्रपति मुर्मू

एजेंसी।

नई दिल्ली महिलाओं और बच्चों सहित कई लोगों की मृत्यु का समाचार हृदय विदारक है। मैं शोकसंतप्त परिवारों के प्रति गहन संवेदनाएं व्यक्त करती हूं तथा घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उत्तराखंड में सड़क दुर्घटना में लोगों की मौत पर दुख व्यक्त करते हुए सोमवार को कहा कि यह खबर हृदय विदारक है। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले में आज एक निजी बस गहरी खाई में गिर गई जिससे इसमें सवार कम से कम 36 लोगों की मौत हो गई और 24 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों के मुताबिक, 43 सीट वाली बस अल्मोड़ा के मारचूला इलाके में 200 मीटर गहरी खाई में गिर गई जिसमें लगभग 60 लोग सवार थे। राष्ट्रपति ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''अल्मोड़ा, उत्तराखंड में एक सड़क दुर्घटना में महिलाओं और बच्चों सहित कई लोगों की मृत्यु का समाचार हृदय विदारक है। मैं शोकसंतप्त परिवारों के प्रति गहन संवेदनाएं व्यक्त करती हूं तथा घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।

ना पंडित, ना कोई मंत्र, बस सच्ची आस्था और समर्पण...पूरी तरह प्रकृति को समर्पित है छठ महापर्व

छठी माई और भगवान भास्कर के लिए जो कुछ भी प्रसाद में मिलता है या बनता है, वह सभी प्रकृति से उपजे हुए हैं। अगर हम नहाए खाए से शुरू करें तो कहीं ना कहीं इस दिन कद्दू भात खाने का चलन है। यानी कि कद्दू की सब्जी जो कहीं से बनावटी नहीं है। मंगलवार से छठ महापर्व की शुरुआत होने वाली है। यह पूरी तरीके से प्राकृतिक को समर्पित महापर्व है जहां लोगों की आस्था सूर्य को समर्पित है। उगते सूर्य की तो हर कोई पूजा करता है, लेकिन छठ महापर्व में डूबते सूर्य की पूजा की जाती है। इस महापर्व में स्वच्छता और शांति का भी विशेष ध्यान रखा जाता है। साथ ही साथ प्रसाद के रूप में जो कुछ भी होता है, वह पूरी तरीके से प्रकृति पर आधारित है। इसमें बाजार का सामान शामिल नहीं होता है। यह वैसा पर्व है जहां किसी पंडित की जरूरत नहीं, कोई मंत्र की जरूरत नहीं, जरूरत सिर्फ है तो सच्ची आस्था और समर्पण की। यहां हर भेदभाव मिट जाता है। एक ही घाट पर हर समाज और वर्ग से आने वाले लोग अर्घ्य देते हैं। अर्घ्य भी जल में खड़े होकर दिया जाता है। सम्मान सबका बराबर है, सबकी आस्था बराबर है, सबका प्रसाद भी बराबर है। अर्घ्य के लिए जब पूरा गांव एक कतार छठ घाट के लिए निकलता हैं तो उसकी रौनक अलग ही होती है। यहां सभी एक सा लगते हैं। किसी में कोई बनावटी नहीं होता है। सब भगवान सूर्य और छठी माई की आस्था में शराबोर होते हैं। यहां पूजा करने का तरीका एक है। आप कितने भी बड़े आदमी क्यों ना हो, आपके टोकरी में भी वही ठेकुआ और फल होंगे जो किसी गरीब की टोकरी में होंगे। यही कारण है कि यह महापर्व अपने आप में सबसे अलग, सबसे अनूठा है। छठी माई और भगवान भास्कर के लिए जो कुछ भी प्रसाद में मिलता है या बनता है, वह सभी प्रकृति से उपजे हुए हैं। अगर हम नहाए खाए से शुरू करें तो कहीं ना कहीं इस दिन कद्दू भात खाने का चलन है। यानी कि कद्दू की सब्जी जो कहीं से बनावटी नहीं है। यह सीधे खेतों से में उगता है और घर तक पहुंच जाता है। चावल जिसे भात भी बोलते हैं, यह भी पूरी तरीके से प्रकृति पर आधारित है। यहां कोई बनावटी या मिलावटी नहीं है। इसी तरह खरना के दिन शुद्ध गेहूं के आटे की रोटी, गाय का घी और गुड़ तथा चावल में तैयार किया गया खीर कई सालों से हमारी परंपरा के हिस्सा रहे हैं। इसे मिट्टी के चूल्हे पर बनाया जाता है। साथ ही साथ जलावन के रूप में गाय के गोबर के उपले और आम की लकड़ी का प्रयोग होता है। यह पूरी तरीके से हमारी प्रकृतिक प्रेम को दर्शाता है यहां भी कुछ भी बाजारी सामान नहीं है। तीसरे दिन जब अर्घ्य की तैयारी होती है तो उस दिन भी हमें पूरी तरीके से प्राकृतिक पर ही निर्भर रहना पड़ता है। छठी माई या सूर्य देवता के लिए जो अर्घ्य में सामान रखे जाते हैं, वह फल–फलहरी होता है।

आगरा में वायुसेना का विमान क्रैश, पायलट समेत 2 लोगों ने खेत में कूदकर बचाई जान, जांच के आदेश

एएनआई के मुताबिक विमान ने पंजाब के आदमपुर से उड़ान भरी थी और अभ्यास के लिए आगरा जा रहा था, तभी यह घटना घटी। अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है। कोर्ट ऑफ इंक्वायरी का आदेश दिया जाए।उत्तर प्रदेश के आगरा के पास सोमवार को एक मिग–29 लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। पायलट सुरक्षित रूप से जेट से बाहर निकल गया। विमान ने पंजाब के आदमपुर से उड़ान भरी थी और अभ्यास के लिए आगरा जा रहा था जब यह घटना घटी। समाचार एजेंसी एएनआई ने रक्षा अधिकारियों के हवाले से बताया कि कोर्ट ऑफ इंक्वायरी का आदेश दिया जाएगा। एएनआई ने रक्षा अधिकारियों के हवाले से कहा कि उत्तर प्रदेश के आगरा के पास एक मिग–29 लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। पायलट विमान से बाहर निकल गया है। एएनआई के मुताबिक विमान ने पंजाब के आदमपुर से उड़ान भरी थी और अभ्यास के लिए आगरा जा रहा था, तभी यह घटना घटी। अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है। कोर्ट ऑफ इंक्वायरी का आदेश दिया जाए। फाइट जेट के जमीन पर क्रैश होते ही आग की भीषण लपटें देखी गईं। पायलट समेत दो लोगों ने जेट से कूदकर अपनी जान बचाई। दोनों पायलटों ने दुर्घटनास्थल से दो किलोमीटर दूर खुद को इजेक्ट कर लिया। कागारौल के सोनिगा गांव के पास एक खाली मैदान में जेट क्रैश हो गया।

भाजपा पर हेमंत सोरेन का पलटवार, झारखंड में लागू नहीं होने देंगे एनआरसी और समान नागरिक सहिता

एजेंसी।

झारखंड हेमंत सोरेन ने कहा कि यहां न तो यूसीसी और न ही एनआरसी लागू होगा। झारखंड पूरी तरह छोटानागपुर टेनेंसी और संथाल परगना टेनेंसी एक्ट पर निर्भर रहेगा। उन्होंने कहा कि ये लोग (भाजपा) जहर उगल रहे हैं और इन्हें आदिवासियों, मूलवासियों, दलितों या पिछड़े समुदायों की कोई परवाह नहीं है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा झारखंड में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू किए जाने की घोषणा के बाद भाजपा पर पलटवार करते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि न तो यूसीसी और न ही राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) को अनुमति दी जाएगी। झारखंड के मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि राज्य आदिवासी संस्कृति, भूमि और अधिकारों की रक्षा के लिए केवल छोटानागपुर टेनेंसी (सीएनटी) और संथाल परगना टेनेंसी (एसपीटी) अधिनियम का पालन करेगा। हेमंत सोरेन ने कहा कि यहां न तो यूसीसी और न ही एनआरसी लागू होगा। झारखंड पूरी तरह छोटानागपुर टेनेंसी और संथाल परगना टेनेंसी एक्ट पर निर्भर रहेगा। उन्होंने कहा कि ये लोग (भाजपा) जहर उगल रहे हैं और इन्हें आदिवासियों, मूलवासियों, दलितों या पिछड़े समुदायों की कोई परवाह नहीं है। इससे पहले रविवार को, अमित शाह ने कहा कि हालांकि यूसीसी लागू किया जाएगा, लेकिन यह सुनिश्चित किया जाएगा कि आदिवासी अधिकार प्रभावित न हों। असम के सीएम और झारखंड के बीजेपी सह–प्रभारी हिमंत बिस्वा सरमा ने राज्य को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि अगर एनआरसी और यूसीसी लागू नहीं होगा तो घुसपैठिए पूरे झारखंड पर कब्जा कर लेंगे। अपने बयान में हिमंता ने कहा कि हमें झारखंड में घुसपैठियों की पहचान के लिए

एनआरसी और ऐसे सर्वे करने होंगे। कल केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि हम यूसीसी लाएंगे लेकिन आदिवासियों को इससे दूर रखेंगे। अगर एनआरसी और यूसीसी लागू नहीं होगा तो घुसपैठिए पूरे झारखंड पर कब्जा कर लेंगे। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हेमंत सोरेन चाहते हैं कि घुसपैठिए आएं क्योंकि वे उनके वोट बैंक हैं। बीजेपी प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि महाराष्ट्र और झारखंड में चुनाव होने वाला है। एक तरफ भारतीय जनता पार्टी अपने मूल मंत्र पर चलते हुए विकास की बात कर रही है, देश और प्रेदश के निवासियों को जोड़ने की बात कर रही है, वहीं दूसरी तरफ विपक्ष का एक ही मकसद है– पहले बांटो, उसके बाद जो घुसपैठिये घुस जाएं, वो काटें। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने साफ कहा है कि घुसपैठियों को चुन–चुन कर बाहर करेंगे। दूसरी ओर, जेएमएम और कांग्रेस का मूल मंत्र है– घुसपैठियों का चुन–चुन कर ब्याह करेंगे।

भाजपा सरकार ने पूरी व्यवस्था को बर्बाद कर दिया है– अखिलेश यादव

लखनऊ (आरएनएस) समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार ने पूरी व्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण, कानून व्यवस्था के हर मोर्चे पर सरकार फेल है। शासन–प्रशासन अकर्मण्यता का शिकार है। डेंगू, मलेरिया जैसी संक्रामक बीमारियों से राजधानी लखनऊ समेत प्रदेश के तमाम शहरी इलाके बेहाल हैं। लखनऊ के अस्पतालों में डेढ़ हजार से ज्यादा बुखार के मरीज भर्ती हैं। लखनऊ में अब तक बड़ी संख्या में लोग डेंगू और मलेरिया की चपेट में आ चुके हैं। साफ–सफाई के अभाव में मच्छर जनित बीमारियां बढ़ती जा रही है। 03 नवम्बर 2024 तक मिले डेंगू के मरीजों का आंकड़ा 2111 तक पहुंच गया है। लखनऊ में ही प्लेटलेट को लेकर मारामारी है तो अन्य जिलों की स्थिति क्या होगी इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। भाजपा सरकार में स्वास्थ्य व्यवस्था ध्वस्त है।

टीबी जैसे रोग के 86 प्रतिशत मरीज उत्तर प्रदेश में हैं। प्रदेश में 31 अक्टूबर तक 5 लाख 59 हजार टीबी मरीजों की पहचान की जा चुकी है। मलेरिया के जनवरी से अब तक 475 मरीज मिल चुके हैं। सरकारी अस्पतालों के इंतजाम नाकाफी है। लोग मजबूरी में निजी अस्पतालों में जाने के लिए विवश है। मरीजों से निजी ब्लड बैंक मनमानी वसूली कर रहे हैं। हरों की आबोहवा जहरीली हो रही है। हवा की खराब गुणवत्ता की वजह से सांस और अन्य बीमारियों से पीड़ित लोगों की हालत बिगड़ती जा रही है। लाखों–करोड़ों वृक्षारोपण का दावा करने वाली भाजपा सरकार में झूठ और लूट के अलावा कुछ नहीं दिखाई देता है। इसी तरह भाजपा सरकार में शिक्षा व्यवस्था भी चौपट है। भाजपा सरकार ने शिक्षा व्यवस्था को रसातल में पहुंचा दिया है। सरकारी स्कूलों में लोग अपने बच्चों को नहीं भेजना चाहतें। भाजपा सरकार स्कूलों की व्यवस्था सुधारने के बजाय 27,764 परिषदीय प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों को बंद करने का षडयंत्र कर रही है। इससे गरीब परिवार के बच्चों की पढ़ाई रूक जाएगी। इसके पीछे भी भाजपा सरकार की साजिश दिखाई देती है। सरकारी स्कूल बंद हो जाएंगे तो अभिभावकों के पास अपने बच्चों को महंगे निजी स्कूलों में भेजने के अलावा कोई रास्ता नहीं होगा।

विधानसभा सीट पर बीजेपी के टिकट पर डीमेंी ठंसकप पेश करेंगे अपना दावा, पिछली बार बतौर निर्दलीय बने थे विधायक

एजेंसी।

महाराष्ट्र में होने वाले विधानसभा चुनाव का ऐलान हो चुका है। जिसके तहत 20 नवंबर को पूरे प्रदेश में एक ही चरण में मतदान होगा। तो वहीं, 23 नवंबर को चुनाव के नतीजे भी आ जाएंगे। ऐसे में प्रदेश के सभी सक्रिय राजनीतिक दल चुनावी तैयारी में जुट गए हैं और जोर–आजमाइश करने लगे हैं। इसी महीने में महाराष्ट्र में होने वाले विधानसभा चुनाव का ऐलान हो चुका है। जिसके तहत 20 नवंबर को पूरे प्रदेश में एक ही चरण में मतदान होगा। तो वहीं, 23 नवंबर को चुनाव के नतीजे भी आ जाएंगे। ऐसे में प्रदेश के सभी सक्रिय राजनीतिक दल चुनावी तैयारी में जुट गए हैं और जोर–आजमाइश करने लगे हैं। इस विधानसभा चुनाव में उरण सीट से भारतीय जनता पार्टी ने महेश बाल्दी को अपना उम्मीदवार घोषित किया है। 23 नवंबर को यह स्पष्ट हो जाएगा की उरण विधानसभा की जनता ने इतिहास दोहराया है या फिर इतिहास बनाया है। यह विधानसभा सीट रायगढ़ के अंतर्गत आती है और वर्तमान में यहां से निर्दलीय उम्मीदवार महेश बाल्दी विधायक है, यानि पिछले चुनाव में यहां की जनता ने सभी सियासी दलों को नकारते हुए निर्दलीय उम्मीदवार पर भरोसा किया था। पिछले छह चुनावों की यदि बात करें तो, यहां पर महेश बाल्दी (स्वतंत्र) 1 बार आगे रहे थे, पीडब्ल्यूपीआई 2 बार आगे रहे थे और एसएचएस 3 बार आगे रहे थे। इस बार के विधानसभा चुनाव का परिदृश्य कुछ अलग माना जा रहा है।पिछले चुनाव की बात करें तो उरण विधानसभा क्षेत्र में तीन दलों का समीकरण ज्यादा दिखाई दे रहा था, इसके बावजूद निर्दलीय उम्मीदवार बाजी मारने में कामयाब हुए। लेकिन इस बार वोटिंग का पैटर्न क्या होगा यह देखने लायक होगा। उरण विधानसभा चुनाव में इस बार राजनीतिक समीकरण कुछ अलग ही बनते दिखाई दे रहे है। शिवसेना न्ठज और शिंदे गुट बनने के बाद यहां का सियासी समीकरण बड़ा रोचक हो गया है, ।

उ0प्र0 विधानसभा उपनिर्वाचन-2024 की 09 सीटों पर होने वाले उपनिर्वाचन की मतदान तिथि संशोधित

लखनऊ (आरएनएस)। भारत निर्वाचन आयोग ने उ0प्र0 विधानसभा उपनिर्वाचन–2024 की 09 सीटों पर होने वाले उपनिर्वाचन की मतदान तिथि संशोधित कर दी है। संशोधित तिथि के अनुसार 13 नवम्बर, 2024 (बुधवार) के स्थान पर 20 नवम्बर, 2024 (बुधवार) को अब मतदान सम्पन्न होगा। मतगणना एवं निर्वाचन प्रक्रिया पूर्ण करने की तिथि यथावत् रहेगी अर्थात् मतगणना 23 नवम्बर, 2024 एवं निर्वाचन प्रक्रिया पूर्ण करने की तिथि 25 नवम्बर, 2024 रहेगी।

अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी चन्द्रशेखर ने बताया कि विभिन्न राजनैतिक दलों (जिसमें भारतीय जनता पार्टी, इण्डियन नेशनल कांग्रेस, बहुजन समाज पार्टी एवं राष्ट्रीय लोक दल सम्मिलित हैं) तथा कतिपय सामाजिक संगठनों से 13 नवम्बर, 2024 को बड़े पैमाने पर सामाजिक, सांस्कृतिक तथा धार्मिक व्यस्तताओं के कारण बड़ी संख्या में लोगों की असुविधा एवं मतदाताओं की भागीदारी कम होने संबंधी प्राप्त प्रत्यावेदनों में किये गये अनुरोध के क्रम में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा उप निर्वाचन हेतु मतदान तिथि में संशोधन किया गया है। भारत निर्वाचन आयोग के जारी कार्यक्रम के अनुसार 16–मीरापुर (जनपद–मुजफ्फरनगर), 29–कुन्दरकी (जनपद–मुरादाबाद), 56–गाजियाबाद (जनपद–गाजियाबाद), 71–खैर (अ०जा०) (जनपद अलीगढ़), 110–करहल (जनपद–मैनपुरी), 213–सीसामऊ (जनपद–कानपुर नगर), 256–फूलपुर (जनपद–प्रयागराज), 277–कटेहरी (जनपद–अम्बेडकर नगर) एवं 397–मझवां (जनपद–मिर्जापुर) विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों में अब 20 नवम्बर, 2024 को उप निर्वाचन कराया जायेगा।

15 डिपो में मेंटिनेंस का कार्य करेंगी निजी कंपनियां

– दयाशंकर सिंह

लखनऊ (आरएनएस)। परिवहन निगम की कार्यशालाओं की दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से 19 डिपो के वर्कशॉप को आउटसोर्सिंग के माध्यम से निविदा पर दिए जाने हेतु टेंडर किया गया था। 19 डिपो में से 15 डिपो की निविदा का अनुमोदन प्रदान कर दिया गया है। यह जानकारी परिवहन राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार दयाशंकर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि 15 डिपो में कुल 1255 बसों के लिए दरें तीन रुपए 57 पैसे प्रति किलोमीटर से लेकर 5 रुपए 48 पैसे तक प्राप्त हुई हैस इस निविदा के माध्यम से 15 डिपो वर्कशॉप में बस के मेंटीनेंस का कार्य निजी कंपनियों को दे दिया जाएगास जिसमें मुख्य रूप से श्याम इंटरप्राइजेज, एसडीएल एंटरप्राइजेज, आर.के. ऑटोमोबाइल है।

परिवहन मंत्री ने बताया कि प्रारंभिक तौर पर इस निविदा कार्रवाई के सफलतापूर्वक कराए जाने के उपरांत अन्य 100 डिपो का भी मेंटीनेंस का कार्य निजी कंपनियों को सौप जाएगास उन्होंने कहा कि कार्यशालाओं में तकनीकी कर्मचारियों एवं अधिकारियों की कमी के कारण परिवहन निगम में बसों के मेंटीनेंस की समस्या का सामना करना पड़ रहा है स इस निविदा प्रक्रिया से निजी कंपनियों को मेंटीनेंस करने का अवसर प्रदान किया जाएगा, जिससे कि अच्छी गुणवत्ता की बसों की मेंटीनेंस हो सकेगी। उन्होंने कहा कि नई तकनीक की बसों के मेंटीनेंस के लिए दक्ष एवं क्वालिफाइड मैकेनिक होने चाहिएस इस संविदा प्रक्रिया के पश्चात दक्ष मैकेनिक उपलब्ध हो सकेंगे।

छुट्टा गोवंश के भरण–पोषण हेतु 02 अरब 50 करोड़ 02 लाख रूपये स्वीकृत

लखनऊ (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रदेश के छुट्टा गोवंश के भरण–पोषण हेतु 02 अरब 50 करोड़ 02 लाख रूपये की धनराशि वर्तमान वित्तीय वर्ष में स्वीकृत की है। पंचम किश्त के रूप में स्वीकृत धनराशि का व्यय अस्थाई गोवंश आश्रय की स्थापना, संचालन व संरक्षित गोवंश के भरण–पोषण हेतु किया जायेगा। आवंटित धनराशि का उपयोग अधिकतम 50ध–रूपये प्रतिदिन प्रति गोवंश की दर से किया जायेगा। इस संबंध में पशुधन विभाग द्वारा शासनादेश जारी करते हुए निदेशक, प्रशासन विकास पशुपालन विभाग को अस्थाई गोवंश आश्रय के सुचारू संचालन के संबंध में आवश्यक दिशा–निर्देश दे दिए गए हैं। उल्लेखानीय है कि राज्य सरकार द्वारा निराश्रित–बेसहारा गोवंश के संरक्षण एवं संवर्द्धन के लिये उत्तर प्रदेश के समस्त ग्रामीण व शहरी स्थानीय निकायों यथा ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत, जिला पंचायत, नगर पंचायत, नगर पालिका, नगर निकायों में अस्थायी गोवंश आश्रय स्थल की स्थापना व संचालन नीति प्रख्यापित की गयी है, जिसके तहत संरक्षित छुट्टा गोवंश की देखभाल का निरन्तर कार्य किया जा रहा है।

नगर विकास मंत्री ए.के. शर्मा और महापौर मती सुषमा खर्कवाल ने छठ पूजा घाटों में की जा रही व्यवस्थाओं, सुंदरीकरण, घाटों की मरम्मत, साफ–सफाई व प्रकाश व्यवस्था आदि कार्यों का निरीक्षण किया

ए.के. शर्मा ने छठ घाटों की चाक चौबंद व्यवस्था कराने का दिया निर्देश

लखनऊ(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा और लखनऊ की महापौर मती सुषमा खर्कवाल जी रविवार को शाम 5:30 बजे लक्ष्मण मेला मैदान, झूलेलाल घाट, हनुमान सेतु पुराना मंदिर पहुंचकर दीपोत्सव के बाद आने वाली छठ पूजा को लेकर छठ घाटों व मार्गों में की जा रही व्यवस्थाओं, सुंदरीकरण, घाटों की मरम्मत, साफ–सफाई, स्वच्छता व प्रकाश व्यवस्था आदि कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को छठ घाटों की चाक चौबंद व्यवस्था करने के जरूरी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 05 नवंबर से शुरू हो रहे और 08 नवंबर तक चलने वाले छठ पूजा महापर्व पर विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी श्रद्धालुओं को कोई परेशानी नहीं होगी। छठ पूजा आस्था का महापर्व है, लाखों श्रद्धालु अपनी मुरादें पूरी करने के लिए सूर्य भगवान को अर्घ्य देकर पूर्ण श्रद्धा और विश्वास के साथ मानते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी और मुख्यमंत्री योगी जी के नेतृत्व व मार्गदर्शन में सनातन संस्कृति मजबूत हो रहीं। लोग अब पूर्ण श्रद्धा,आस्था व विश्वास के साथ सनातन पर्वों व त्योहारों को मना रहे हैं। इस वर्ष लखनऊ नगर निगम अपनी सीमा क्षेत्र में 88 स्थानों पर छठ पूजा स्थलों में सभी व्यवस्था कर रहा है। मंत्री शर्मा और महापौर ने छठ पूजा के लिए घाटों में आने वाले सभी श्रद्धालुओं को हार्दिक शुभकामनाएं दी है और सभी श्रद्धालुओं से स्वच्छ, सुरक्षित, जीरो वेस्ट, प्लास्टिक मुक्त छठ पर्व मनाने के साथ गोमती नदी की स्वच्छता बनी रहे इसकी अपील की है। नगर विकास मंत्री ने छठ घाटों व मार्गों में श्रद्धालुओं को बेहतर व्यवस्था मिले, उन्हें कोई परेशानी न हो, इसके लिए जरूरी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी पूजा घाटों में साफ सफाई की बेहतर व्यवस्था हो। सिंगल प्लास्टिक का प्रयोग न हो, घाटों में इसके लिए लोगों को जागरूक किया जाए। कूड़ा कचरा इधर–उधर न फैले घाटों में डस्टबिन रखवाए जाय। पूजा सामग्री जल में प्रवाहित न हो, इसके लिए घाटों में अर्पण कलश बनाए जाएं। लोग छठ पर्व को दिव्य और भव्य रूप से मनाए, इसके लिए घाटों का सुंदरीकरण कराए, जिससे श्रद्धालुओं को पूर्ण शांति व खुशी का एहसास हो। छठ पूजा स्थलों व मार्गों पर मच्छरों, डेंगू से बचाव के लिए साफ सफाई के साथ फागिंग कराए, चूने का छिड़काव करें। पूजा सामग्री और कूड़े के निपटान के लिए उचित प्रबंध भी किया जाए। ए.के. शर्मा ने निर्देशित किया कि छठ घाटों में नदी में जलकुंभी न दिखे। गहरे पानी में जाने से बचने के लिए नदी में बैरिकेटिंग की जाए। साथ ही किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए जल पुलिस और गोताखोर भी तैनात किए जाएं। सभी घाटों में जीरो वेस्ट पर्व मनाने के लिए उचित व्यवस्था की जाए। श्रद्धालुओ के लिए घाटों में शुद्ध पेयजल की आपूर्ति हेतु टैंकरों की व्यवस्था रहें। घाटों में गंदगी न हो, मोबाइल टॉयलेट की पर्याप्त व्यवस्था रहे। महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाए, इसके लिए घाटों में सीसीटीवी कैमरा लगाए जाएं, मॉनिटरिंग के लिए पब्लिक एड्रेस सिस्टम बनाया जाए। घाटों और मार्गों में स्थानीय पुलिस की भी पर्याप्त व्यवस्था रहे। वाहनों के लिए पार्किंग की भी पर्याप्त व्यवस्था की जाए। निर्धारित स्थानों पर जाने वह व्यवस्थाओं के उपयोग संबंधी साइनेज भी लगाए जाएं। शर्मा ने कहा कि छठ पूजा घाटों और मार्गों पर पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था रहे। पूजा घाटों को जाने वाले मार्गों को व्यवस्थित कराए। मार्गो में साफ सफाई की उचित व्यवस्था रहे। छठ घाटों और मार्गो में एलईडी लाइट, हाईमास्ट और झालर का प्रयोग कर लाइटिंग भी कराए। सभी छठ

सफाई कर्मी, मशीनों, कार्मिकों व अधिकारियों की तैनाती रहे, सभी अपनी जिम्मेदारी को मुस्तैदी के साथ करें। ऐसे नगरीय निकाय जहां पर छठ पूजा पर्व का आयोजन किया जा रहा है, खघसतौर से पूर्वांचल के क्षेत्र में वहां पर श्रद्धालुओं के लिए बेहतर व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए हैं। निरीक्षण के दौरान भोजपुरी समाज के प्रभुनाथ राय

, वेद प्रकाश राय, मनोज सिंह, अपर नगर आयुक्त ललित कुमार, मुख्य अभियंता महेश वर्मा के साथ एलडीए और नगर निगम के अधिकारी मौजूद रहे।

निकायों में स्वच्छ घाट प्रतियोगिता 05 नवम्बर से

लखनऊ (आरएनएस)। भगवान भास्कर के उपासना के महापर्व छठ पर शुद्धता और स्वच्छता का विशेष ध्यान दिया जाता है। सूर्योपासना के इस पर्व पर प्रदेश की सभी नगरीय निकायों में श्स्वच्छ घाट प्रतियोगिताश् का आयोजन किया जा रहा है। नगर विकास मंत्री ए.के. शर्मा ने बताया कि घाट से लेकर गलियों तक की सफाई व्यवस्था और सुंदरीकरण उत्कृष्ट श्रेणी का बनाने का कार्य निरंतर किया जा रहा है। घाटों पर श्रद्धालुओं के लिए शुद्ध पेयजल, स्नान घर, मोबाइल टॉयलेटध्पोर्टेबल टॉयलेट, चेजिंग रूम आदि की व्यवस्था की जा रही है। स्वच्छ घाट प्रतियोगिता के तहत घाट को श्नो प्लास्टिक जोनश् व जीरो वेस्ट इंवेट में बदला जाए।

मंत्री शर्मा ने बताया कि प्रदेश की निकायों में 05 नवम्बर से 09 नवम्बर तक श्स्वच्छ घाट प्रतियोगिताश् का आयोजन किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत छठ पूजा के लिये घाटों व सभी संपर्क मार्गो पर साफ–सफाई व सौंदर्यीकरण का कार्य कराया जा रहा है। इस दौराम घाटों के क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत का कार्य तथा पूजा स्थलों पर एल.ई.डी. वॉल आदि के माध्यम से स्वच्छता संबंधी संदेशों को दर्शाया जायेगा। निकायों द्वारा दिन में न्यूनतम दो बार घाटों की समुचित साफ–सफाई करायी जाएगी। सफाई के समय एकत्र किये गये कूड़े को उसी समय सेनेट्री लैण्ड फिल साईट पर अथवा उचित स्थान पर भिजवाया जाये। उन्होंने निकायों को निर्देशित करते हुए कहा कि किसी भी दशा में एकत्र किये गये कूड़े अथवा सिल्ट को घाटध्सड़क पर नहीं छोड़ा जाये। छठ पूजा के घाटों व धार्मिक स्थलों के आस–पास कोई खुला डम्पिंग स्थल, जी.वी.पी. व सी.टी.यू. न हो व ठोस अपशिष्ट का प्रवाह नदियों में न किया जाए। श्रद्धालुओं के लिए घाट के पास स्नान घर, मोबाइल टॉयलेटध्पोर्टेबल टॉयलेट, समुचित पेयजल व चेजिंग रूम की व्यवस्था की जाएगी एवं इससे सम्बंधित संदेश के बोर्ड भी स्थल पर स्थापित कराये जाएंगे। उपयोग के उचित संदेश सहित हरे और नीले रंग के कूड़ेदान को घाटों के आस–पास रखा जाएगा। घाट स्थलों के आस–पास स्वच्छता एवं साफ–सफाई के संबंध में जागरूकता सम्बंधी निर्देशों को बोर्ड पर भी लगाया जाएगा। पूजा स्थलों की साफ–सफाई, अपशिष्ट संग्रहण हेतु जिलाधिकारी से समन्वय करते हुए उनके निर्देशों के अनुसार अलग–अलग शिफ्ट में कर्मचारियों व वाहनों को निकायों द्वारा लगाया जाएगा। घाट के आस–पास कचरा संवेदनशील स्थलों की पहचान करते हुए उनकी सुन्दरता हेतु पौधरोपण आदि के माध्यम से सौन्दर्यीकरण कराया जायेगा। उन्होंने कहा कि घाटों के आस–पास रेड एवं यैलो स्पॉट को चिन्हित करते हुए चेतावनी संदेश स्थापित कराया जाए एवं नजदीकी टॉयलेट की दूरी भी दर्शायी जाए। निकायों द्वारा घाट व पूजा स्थलों के आस–पास स्टॉल की स्थापना की जायेगी, जिससे जिंगल व छोटे वीडियो आदि तथा संबंधित वार्ड की स्वच्छ वातावरण प्रोत्साहन समिति व अन्य चयनित ब्रांड एम्बेसडर्स द्वारा वार्ता के माध्यम से हरे कचरे और नीले कचरे के पृथक्करण, सिंगल यूज प्लास्टिक, स्वच्छ सर्वेक्षण फीडबैक व अन्य स्वच्छता सम्बंधी नागरिक दायित्वों हेतु जागरूक किया जाये।

उन्होंने कहा कि छठ पर्व पर साफ–सफाई कूड़े के उठान व प्रबन्धन तथा मार्ग प्रकाश की व्यवस्था भी कराई जाये। मुख्य कार्यक्रम स्थल, तालाबों, घाटों एवं उनके संपर्क मार्गों, रेलवे व बस स्टेशनों आदि के आस–पास साफ–सफाई व प्रकाश की व्यवस्था सुनिश्चित करते हुए ड्रोन माध्यम से निगरानी की जाये। निकाय के संबंधित यांत्रिकी विभाग के अधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि सभी स्ट्रीट लाइट्स समुचित रूप से कार्य करें, इनकी मरम्मत ध् अनुरक्षण ध् खराब पड़े लाइट्स को बदलने की कार्यवाही शीघ्र पूर्ण कर ली जाये। छठ पूजा स्थलों एवं संपर्क मार्गों पर प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक कार्यवाही की जाये। उन्होंने कहा कि स्वच्छता के प्रति नवाचार गतिविधियों एवं विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम नागरिकों के जुड़ाव हेतु स्थानीय जनप्रतिनिधियों, स्वयं सेवी संस्थाओं की स्वच्छता में भागीदारी से श्रमदान के लिए किया जाये। स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों के छात्रों से श्रमदान कराते हुए अभियान के अन्तर्गत घाटों के आस–पास साफ–सफाई व्यवस्था के साथ–साथ स्वच्छता के प्रति जागरुकता हेतु रंगोली प्रतियोगिता, वाद–विवाद प्रतियोगिता, कला प्रतियोगिता आदि करायी जाये। जल भराव वाले स्थानों को चिन्हित करते हुये सूक्ष्म कार्ययोजना बनाकर कार्यवाही व पब्लिक एनाउन्समेंट सिस्टम निकायों के घाटों पर जगह–जगह पर स्थापित किए जाए। मंत्री शर्मा ने कहा कि निकायों द्वारा घाट व धार्मिक एवं पूजा स्थलों पर समुचित अर्पण कलश की स्थापना की जाए। साथ ही घाटों पर आवश्यकतानुसार कुशल तैराकध् गोताखोर की भी व्यवस्था जन सहयोग (वॉलंटियरध् स्वैच्छिक संगठनध्व्यापार मण्डलध्उद्योग मण्डल) के माध्यम से करायी जाये। उन्होंने कहा कि समस्त कार्यों को पूर्ण कराने व कार्यों की निगरानी हेतु कर्मचारी एवं अधिकारियों की रोस्टरवार ड्यूटी लगायी जाए तथा सभी अपने निकायध्जिले पर उपस्थित रहें। घाटों पर कराये गए सुंदरीकरण के कार्यों का व्यापक प्रचार–प्रसार कराया जाये जिससे स्वच्छता के इस अभियान में ज्यादा से ज्यादा नागरिकों का जोड़ते हुए उन्हें जागरूक किया जा सके।

लखनऊ के नवनियुक्त सीएमओ से मिले चिकित्सा स्वास्थ्य महासंघ के पदाधिकारी'

'लखनऊ',आ (आरएनएस)ज दिनांक 04ध11ध24 को चिकित्सा स्वास्थ्य महासंघ उ प्र के पदाधिकारियो ने लखनऊ के नये सी एम ओ डॉ० एन बी सिंह से मुलाकात की और नये पद ग्रहण पर पुष्पगुछ देकर स्वागत किया। पदाधिकारियो में मुख्य रुप से लखनऊ जिला अध्यक्ष कपिल वर्मा,यू पी लैब टेक्नीशियन के महामंत्री कमल श्रीवास्तव,यू पी लैब टेक्नीशियन के लखनऊ जिला अध्यक्ष महेश कुमार,चिकित्सा स्वास्थ्य महासंघ के उपाध्यक्ष रजत यादव,प्रदेश प्रवक्ता सुनील कुमार,सदस्य सत्यप्रकाश,राजेश कुमार चौधरी,राजेश वरुण सहित कई सदस्य उपस्थित थे।पदाधिकारियो ने डॉ सिंह से जिले स्तर पर कर्मचारियों की तमाम समस्यों पर चर्चा की जिस पर डॉ० सिंह ने हर सम्भव मदद का आसवासन दिया।डॉ सिंह ने कर्मचारियों से मिल कर जिले व प्रदेश में फैले संक्रामक रोगों पर रोक लगाने तथा और इन रोगों को और न फैलने देने पर काम करने और सहयोग की इच्छा जाहिर की,जिस पर संघ के पदाधिकारियो ने एकमत होकर सहयोग का आसवासन दिया। डॉ० सिंह और पदाधिकारियो के बीच कर्मचारियों के बेहतर कार्यक्षमता को और अधिक बढ़ाने पर चर्चा हुई तथा माह में एक बैठक कर्मचारी और अधिकारियों की करने पर सहमति दी। संघ के पदाधिकारियो ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को हर समय कर्मचारियों से सहयोग की भुमिका में रहने का आसवासन दिया। डॉ० सिंह ने कहा की वो जल्द ही जिले के प्रत्येक ग्रामीण और शहरी चिकित्सालयों का भ्रमण कर उच्च कोटि की कार्य शैली की बढ़ाने पर कार्य करेगे और चिकित्सालयों पर होने वाली समस्यों को तत्काल खत्म करने पर काम करेगें।जिससे प्रदेश व जिले की जनता को सरकार की मंशा के अनुरुप बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सकें। उन्होंने कहा की मैं जिले के प्रत्येक जनता के अच्छी स्वास्थ्य सेवाओ के लिए कटिबंध हूँ । डॉ० सिंह इससे पहले मुख्य चिकित्सा अधीक्षक ,बलरामपुर चिकित्सालय, लखनऊ में कार्यरत थे।

गाजियाबाद प्रकरण पर राजस्व परिषद के अधिवक्ताओं ने जताई नाराजगी

प्रयागराज(आरएनएस)। गाजियाबाद में जनपद न्यायाधीश अनिल कुमार द्वारा पुलिस बुलाकर न्यायालय कक्ष में अधिवक्ताओ के ऊपर किये गये बर्बरता पूर्वक लाठी चार्ज के विरोध में आज उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी राजस्व की अदालत राजस्व परिषद उ०प्र० प्रयागराज के अधिवक्ताओ ने न्यायिक कार्य का बहिष्कार किया। आज सुबह बार एसोसिएश राजस्व परिषद उ०प्र० प्रयागराज के अध्यक्ष हर्ष नारायण शर्मा एवं महासचिव पंकज कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में सैकड़ो अधिवक्ताओ ने हाथ में तख्तियां लेकर जनपद न्यायाधीश गाजियाबाद के विरूद्ध हाय हाय के नारे लगाते हुए उन्हे बरखास्त करने की मांग की है। तदोपरान्त बार एसोसिएशन राजस्व परिषद उ०प्र० प्रयागराज के लाइब्रेरी हॉल में एक जनसभा का आयोजन एसोसिएशन अध्यक्ष श्री हर्ष नारायण शर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई बैठक की अध्यक्षता करते हुए एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री शर्मा ने विगत दिनो अधिवक्ताओ के ऊपर किये गये जानलेवा हमले का जिम्मेदार जनपद न्यायाधीश गाजियाबाद को ठहराया और कहा कि वर्तमान समय में समूचे उ०प्र० के अधिवक्ताओ के ऊपर जिस तरह से किसी न किसी बहाने पुलिसिया उत्पीड़न की कार्यवाही करायी जा रही है जिससे समूचा अधिवक्ता समाज आक्रोशित है।

जिला चिकित्सालय में सुविधाओं का होगा विस्तार

अयोध्या(आरएनएस)। प्रभु श्रीराम की नगरी में स्वास्थ्य सेवाओं में इजाफा करने की योगी सरकार की कवायद तेज गति से आगे बढ़ रही है। इस कड़ी में पहल जिला चिकित्सालय प्रशासन ने की है। यहां प्राइवेट वार्ड शुरू करने के साथ ही एनसीडी क्लीनिक और जिरियाट्रिक वार्ड बनाने की तैयारी चल रही है। इन सेवाओं के अस्पताल में शुरू होते ही जिला अस्पताल बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराने वाला अस्पताल बन जायेगा। अयोध्या में भव्य मंदिर निर्माण के पहले ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सर्वप्रथम यहां के अस्पतालों में सुविधाएं बढ़ाने व एक मल्टीस्पेशियलिटी अस्पताल खोलने का निर्देश दिया था, हालांकि अस्पताल के लिए जमीन तलाशे जाने का काम युद्ध स्तर पर चल रहा है। संभवतः जल्द ही इस कड़ी में प्रशासन को सफलता मिल सकती है। वहीं सुविधाएं बढ़ाने के लिए जिला अस्पताल प्रशासन ने मंथन करना शुरू कर दिया है। सबसे पहले अस्पताल में प्राइवेट वार्ड शुरू करने की तैयारी चल रही है।चिकित्सा अधीक्षक डॉ. विपिन वर्मा बताते हैं कि अस्पताल में न्यू बिल्डिंग के पीछे भवन में छह बेड वाला प्राइवेट वार्ड है। हर कमरे में शौचालय व स्नानघर अटैच है। इसके अलावा इसमें तीमारदार के रुकने व बैठने का इंतजाम रहेगा। प्राइवेट वार्ड लेने के लिए दो हजार रुपये सिक्योरिटी मनी के रूप में जमा करने होंगे। 34 रुपये रजिस्ट्रेशन फीस होगी। प्रत्येक दिन के हिसाब से 100 रुपये रूम का रेंट होगा। आईवी ड्रिप का चार्ज रोजाना 34 रुपये देय होगा। बड़े ऑपरेशन के लिए भर्ती होने पर 1065 रुपये फीस पड़ेगी। जल्द ही स्टाफ की ड्यूटी आवंटित कर इसका संचालन शुरू कर दिया जाएगा।जिला चिकित्सालय में गैर–संक्रामक रोगों के लिए एनसीडी क्लीनिक खोलने की तैयारी चल रही है। इस क्लीनिक के खुलने से संक्रामक रोगों के मरीजों के साथ गैर–संक्रामक रोगों के मरीज को मरीज को इलाज नहीं कराना पड़ेगा। दरअसल अभी होता यह है कि गैर–संक्रामक रोगी जैसे हृदय रोगी, मधुमेह व कैंसर जैसे पेशेंट भी संक्रामक रोगियों के साथ चिकित्सक के पास इलाज के लिए पहुंचते हैं। इस क्लीनिक के खुलने के पश्चात एक चिकित्सक की तैनाती की जाएगी, जहां सिर्फ गैर–संक्रामक मरीजों को देखने की सुविधा रहेगी। जिरियाट्रिक वार्ड में बुजुर्गों के इलाज की व्यवस्था होती है। ऐसे वार्ड को अस्पताल में बनाने की तैयारी चल रही है। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. उत्तम कुमार ने बताया कि अभी विचार है कि आठ बेड वाले रिजर्व वार्ड को ही जिरियाट्रिक वार्ड के रूप में इस्तेमाल किया जाए। एनसीडी क्लीनिक के लिए भी शासन से निर्देश मिला है। जल्द ही इसके संचालन की व्यवस्था कराई जाएगी।

विरासत संपत्तियों को पर्यटकों के लिए उपयोगी बनाएगा पर्यटन विभाग

होटल, रिजार्ट और म्यूजियम आदि के रूप में नजर आएंगे छतर मंजिल, चुनार किला और बरुआसागर

उत्तर प्रदेश सरकार की कैबिनेट बैठक में मिली मंजूरी

लखनऊ (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग राज्य की विरासत संपत्तियों को उपयोगी बनाएगा, ताकि इसकी सुरक्षा–संरक्षण के साथ–साथ राजस्व की भी प्राप्ति हो। इसी क्रम में छतर मंजिल लखनऊ, चुनार का किला मीरजापुर और बरुआसागर किला झांसी को पीपीपी मोड पर विकसित किया जाएगा। कैबिनेट ने सोमवार को इसकी मंजूरी दे दी। यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति जयवीर सिंह ने दी।पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि गौरवशाली ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक विरासतों तथा समृद्ध प्राकृतिक वन संपदा की दृष्टि से उत्तर प्रदेश में पर्यटन की असीम संभावनाएं हैं। अनुकूली पुनः उपयोग (।कंचजपअम त्म.न्ेम) के अंतर्गत निजी निवेश द्वारा प्रदेश सरकार के 01 ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी के लक्ष्य प्राप्ति की परिकल्पना में मददगार होगा। प्रदेश के प्राचीन तथा विरासत भवनों को एडाप्टिव री–यूज के अंतर्गत सार्वजनिक निजी सहभागिता पीपीपी मॉडल पर हेरिटेज होटल, रिजार्ट, म्यूजियम, माइस एवं टूरिज्म हॉस्पिटैलिटी आदि पर्यटन इकाई के रूप में विकसित की जाएगी। पहले से तीन परिसंपत्तियों बरसाना जल महल मथुरा, कोठी, रोशन–उद–दौला लखनऊ और शुक्ला तालाब के सन्निकट बारादरी कानपुर को पीपीपी के तहत विकसित किया जा रहा है। जयवीर सिंह ने बताया कि लखनऊ में 5.55 एकड़ में स्थित छतर मंजिल, मीरजापुर जिले में 21.94 एकड़ में स्थित चुनार किला और झांसी जिले में 7.39 एकड़ में स्थित बरुआ सागर किला को पीपीपी मोड पर दिया जा रहा है। इसकी निविदा पूरी हो चुकी है। इन्हें पहले 30 वर्षों, फिर 30–30 वर्षों के लिए दो बार नवीनीकरण किया जा सकेगा, जिसकी अधिकतम सीमा 90 वर्ष होगी। उन्होंने बताया कि चयनित निविदादाताओं द्वारा विरासत भवन में स्थलों को संरक्षित करते हुए पौराणिक, ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व को पर्यटकों एवं जन सामान्य के मध्य प्रसारित किया जाएगा। विरासत भवनों या किलों में स्थित धार्मिक स्थलों का विकास एवं जीर्णोद्धार और संपर्क मार्ग का निर्माण किया जाएगा। चयनित निविदादाताओं द्वारा स्थानीय विकास और रोजगार सृजन हेतु समीपवर्ती गांव को गोद लिया जाएगा तथा यहां के समुचित विकास हेतु कार्य किए जाएंगे। 25 प्रतिशत स्थानीय नागरिकों को रोजगार दिया जाएगा। पर्यटन मंत्री ने बताया कि ओडीओपी (वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट) प्रदर्शित करने के लिए मार्ट विकसित किया जाएगा। इसके विरासत सपंत्ति के ऐतिहासिक महत्व को प्रदर्शित करने के लिए डिस्प्ले एरिया भी विकसित की जाएगी, जो कि जन सामान्य के लिए खुला रहेगा। पर्यटकों को यहां स्थानीय व्यंजन भी उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि बागपत जिले में पीपीपी मोड पर योग और आरोग्य केंद्र की स्थापना कराई जाएगी। इसके निर्माण के लिए कैबिनेट ने 68.40 हेक्टेयर भूमि क्रय किए जाने तथा ग्राम सभा की 1.069 हेक्टेयर भूमि को पर्यटन विभाग को निःशुल्क हस्तांतरित करने की मंजूरी दी है।

उच्च शिक्षा क्षेत्र को नई दिशा देते हुए मंत्रिपरिषद ने दिए अहम निर्णय

योगी सरकार की नई स्थानांतरण नीति से अब शिक्षकों को तीन साल में मिलेगा स्थानांतरण का अवसर

लखनऊ (आरएनएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने शिक्षा क्षेत्र में सुधारों की दिशा में एक और बड़ा कदम बढ़ाते हुए सोमवार को मंत्रिपरिषद की बैठक में उच्च शिक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण निर्णयों को मंजूरी दी। इनमें सहायता प्राप्त महाविद्यालयों के शिक्षकों के लिए नई स्थानांतरण नियमावली का प्रख्यापन, अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विश्वविद्यालय के लखनऊ परिसर के लिए निःशुल्क भूमि का प्रावधान और उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय अधिनियम, 2019 में संशोधन का प्रस्ताव शामिल है।

सहायता प्राप्त महाविद्यालयों के शिक्षकों के लिए नई स्थानांतरण नियमावलीशिक्षकों के हितों को ध्यान में रखते हुए, योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश सहायता प्राप्त महाविद्यालय अध्यापक स्थानांतरण नियमावली, 2024 को मंजूरी दी। इससे प्रदेश के सहायता प्राप्त डिग्री कॉलेजों में कार्यरत शिक्षकों को अब अपने संपूर्ण सेवा काल में केवल एक बार स्थानांतरण का अवसर मिलेगा और वह भी तीन वर्षों की सेवा के उपरांत। इससे पूर्व, यह सीमा पांच वर्ष थी। यह निर्णय विशेष रूप से उन महिला और दिव्यांग शिक्षकों के लिए राहत लेकर आया है जो अपने परिवार से दूर विभिन्न जिलों में सेवाएं दे रहे थे और स्थानांतरण की कठिनाइयों का सामना कर रहे थे।

उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि इस नियमावली के तहत स्थानांतरण प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाने के लिए शिक्षकों को अपने महाविद्यालय के प्रबंधतंत्र और संबंधित विश्वविद्यालय से अनुमोदन लेना अनिवार्य होगा। अनुमोदित आवेदन को निदेशक, उच्च शिक्षा के पास प्रस्तुत करना होगा। यह प्रक्रिया सुनिश्चित करेगी कि शिक्षकों को बिना अनावश्यक देरी के पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से स्थानांतरण का लाभ मिल सके। नई स्थानांतरण नियमावली से महिला और दिव्यांग शिक्षकों को विशेष लाभ मिलेगा जो अपने परिवारों से दूर रहकर सेवा करने को विवश थे। इस निर्णय से उन्हें अपने परिवार के नजदीक कार्य करने का अवसर मिलेगा, जिससे उनके कार्यस्थल पर संतोष और शिक्षण में समर्पण बढ़ेगा। योगी सरकार का यह कदम महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर के लिए भूमि आवंटन योगी सरकार ने लखनऊ में अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विश्वविद्यालय (केन्द्रीय विश्वविद्यालय) के परिसर की स्थापना के लिए कुल 2.3239 हेक्टेयर भूमि को निःशुल्क प्रदान करने का प्रस्ताव पास किया। यह भूमि ग्राम चकौली, परगना बिजनौर, तहसील सरोजनी नगर, लखनऊ में स्थित है। जिलाधिकारी द्वारा इस भूमि का सर्किल रेट के आधार पर मूल्यांकन 9.29 करोड़ रुपये किया गया है। यह विश्वविद्यालय प्रतिवर्ष 2000 से 2500 छात्रों की शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा करेगा और उन्हें अंग्रेजी एवं अन्य विदेशी भाषाओं में दक्ष बनाएगा। उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि यह निर्णय राज्य के युवाओं को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने और विदेशों में नौकरी करने के अवसरों में वृद्धि करने में सहायक सिद्ध होगा। साथ ही सम्पूर्ण देश में जिन संस्थाओं में विदेशी भाषा ज्ञान की आवश्यकता होती है उनमें भी रोजगार के अवसर में सहायक होगा। राज्य सरकार का उद्देश्य है कि सीमित संसाधनों के बावजूद छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जाए। इस परिसर की स्थापना से राज्य के शैक्षणिक संस्थानों में पढ़ाई के स्तर में सुधार होगा और छात्रों को बेहतर अवसर प्राप्त होंगे। उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय अधिनियम, 2019 में संशोधन मंत्रिपरिषद ने उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय अधिनियम, 2019 में संशोधन को भी मंजूरी दी है। इस संशोधन का उद्देश्य अन्य राज्यों में पंजीकृत सोसाइटीध्न्यासध्कंपनियों को उत्तर प्रदेश में निजी विश्वविद्यालय स्थापित करने का अवसर प्रदान करना है। इसके अलावा, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी (भारत में विदेशी उच्चतर शिक्षा संस्थानों के परिसरों की स्थापना और संचालन) विनियम, 2023 के तहत विदेशी विश्वविद्यालयों को राज्य में अपने परिसर स्थापित करने की अनुमति देने का प्रावधान जोड़ा गया है। उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि यह कदम शिक्षकों और छात्रों के लिए नई संभावनाएं लेकर आएगा और राज्य की शिक्षा प्रणाली को अधिक समृद्ध बनाएगा। इस बदलाव से निजी विश्वविद्यालयों को अंतर्राष्ट्रीय मानकों पर खरा उतरने का अवसर मिलेगा, जो प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था में सुधार की दिशा में एक सकारात्मक कदम होगा।

जन समस्याओं के समाधान हेतु तय की जाय, जवाबदेही

लखनऊ (आरएनएस)। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अपने कैम्प कार्यालय 7– कालिदास मार्ग पर आयोजित जनता दर्शन में आये फरियादियों को विश्वास दिलाते हुए कहा कि हर व्यक्ति को हर समस्या का हर सम्भव निदान किया जायेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक फरियादी की समस्या का त्वरित व संतुष्टिपरक समाधान किया जाय। निर्देश दिए कि समस्याओं का सम्पूर्ण समाधान किया जाय और समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित की जवाबदेही तय होनी चाहिये। निर्देश दिए कि जन समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि उत्पीड़न, भूमि पर अवैध कब्जों के मामलों को बेहद गंभीरता व संवेदनशीलता के साथ हल किया जाय और जहां जरूरत हो, कठोर कार्यवाही की जाय।उन्होने जनसुनवाई के दौरान एक–एक व्यक्ति की समस्या को पूरी गम्भीरता से सुना तथा समस्याओं के निराकरण हेतु सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए हैं कि समस्याओं का निराकरण इस प्रकार किया जाय कि समस्याग्रस्त व्यक्ति पूरी तरह से संतुष्ट रहें और उन्हें दुबारा कहीं भटकना न पड़े और बार –बार चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने महिलाओं, दिव्यांग जनो, बुजुर्गों आदि की समस्याओं व शिकायतों को सुना और उन्हें प्राथमिकता के आधार पर संबंधित अधिकारियों को त्वरित गति से निदान करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए ।जनता दर्शन में भूमि विवाद ,दुर्घटनाओं से संबंधित, अवैध कब्जे, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास आवंटन, भूमि पर कब्जा दिलाने, अतिक्रमण हटाने, सड़क बनवाने, विद्युत, अभियुक्तों की गिरफ्तारी कराने, उत्पीड़न आदि से संबंधित विभिन्न समस्याएं प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए लोगों ने रखी। उप मुख्यमंत्री फरियादियों के पास खुद चलकर गये और एक–एक व्यक्ति की समस्या को उनसे सीधे संवाद करते हुए सुना ।

लखनऊ में आयोजित ऐतिहासिक पसमान्दा राईन एकता महासम्मेलन

दिनांक 04 नवम्बर 2024 को रवीन्द्रालय प्रेक्षागृह लखनऊ में आयोजित ऐतिहासिक पसमान्दा राईन एकता महासम्मेलन में बिहार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, झारखण्ड, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, महाराष्ट्र राजस्थान, सिक्किम, कर्नाटक से अथिति गणों ने शिरक्त की। अति विशेष अथिति मोहम्मद असलम राईन पूर्व विधायक, डा० गयासुध्दीन

वरिष्ठ सर्जन पटना, डा० कैयूम सर्जन बलरामपुर, विशेष अथिति मध्य प्रदेश से हाजी हमीद इरशाद भोपाल, शोकीन राईन भोपाल, हाजी अजीज राईन विदिशा, विशेष अथिति–बिहार से मो० शकील राईनी पटना, डा० राहत अली राईनी दरभंगा, आफाक आलम राईनी दरभंगा, डा० फरमान अली राईनी पटना, रियाज अहमद राईनी पटना, असगर राईनी सीतामढ़ी, अकबर राईनी सीतामढ़ी, मो० मोजीब राईनी मधुबनी, मो० मेराज मधुबनी, ईद मोहम्मद चांद राइनी मधुबनी, विशेष अथिति–चौधरी असलम परवेज राईन दिल्ली, मोहम्मद हनीफ राईन दिल्ली, अनवार उल हई राई दिल्ली, चौधरी फरमान राईन अलीगढ़, अब्दुल अजीज राईन राजस्थान, आमीन राईन अशरफी मुम्बई से अपना अमूल्य समय देकर सम्मेलन को कामयाब बनाया।आज राईन इत्तेहाद कान्फ्रेन्स की जरूरत इस लिए पड़ी कि 2: आबादी वाले लोग एकजुट हो कर सरकार में अपनी राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चत कर सामाजिक, आर्थिक, शिक्षा और चिकत्सा के क्षेत्र में अपने समाज का उत्थान कर रहे है, जबकि राईन समाज कसीर तादाद में हेते हुए भी आज तक किसी भी सरकार ने इस समाज की ओर ध्यान नहीं दिया है।आज इस महा सम्मेलन में राईन समाज को एकजुट करने के लिए आवान्ह किया गया है ताकि राईन समाज को भारतीय राजनीति में उचित भागीदारी मिल सके। राईन समाज का पुशतैनी कारोबार सब्जी मण्डी, फल मण्डी, गल्ला मण्डी, मछली मण्डी, काश्तकारी एवं बागवानी आदि से जुड़े हुए है परन्तु मौजूदा परिस्थित में हम से हमारा पुशतैनी कारोबार भी छीनने की कोशिश की जा रहा है। राईन समाज जो कि मण्डियों से सम्बन्धित कारेबार में व्यस्त रहती है परन्तु सरकार द्वारा मण्डी केव्यापारियों को किसी भी तरह का सहयोग न देना चिन्ता का विषय है। सरकार से हमारी मांग है कि मण्डी के समस्त व्यापारियों का सरकार द्वारा बीमा सुनिश्चित किया जाय। राईन समाज के उत्थान के लिए उच्च शिक्षा एव तकनीकी, मेडिकल में राईन समाज के बच्चों को

4: आरक्षण सुनिश्चित किया जाय। चूंकि मुसलिम समाज में राईन समाज की तादाद सर्वाधिक है, राईन समाज की आबादी के अनुसार ही इनको हिस्सेदारी दी जाय। राईन समाज के ज्यादातर लोग सब्जी, फल का ठेलाध्खुन्चा लगाकर अपना जीवन यापन बहुतकठिनाई से कर पा रहे है, इनके लिये सरकार द्वारा उचित व्यवस्था करते हुए विशेष अनुदान एवं सहयोग की नितान्त आवश्यकता है तथा फल एवं सब्जी मण्डियों में सरकार द्वारा जो दुकाने आवंटित की जाती है. उसमें राईन समाज को वरीयता दिया जाना सुनिश्चित किया जाये। भारत की वर्तमान परिस्थित में जिस तरह से सम्प्रादायिक शक्तियों द्वारा फल व सब्जी बेचने वालोंके साथ भेद भाव एवं दुव्योहार की घटना देखने को मिली है, इससे राईन समाज बहुत आहत् है, अतः सरकार द्वारा इनकी सुरक्षा का प्रबन्ध किया जाना अति आवश्यक है।भारतीय संविधान के अनुसार जिस प्रकार दलितों की सुरक्षा हेतु 1989 में तत्कालीन प्रधान मन्त्री श्री राजीव गांधी जी ने विशेष कानून बना कर धारा 341 के अन्तर्गत दलितों को विशेष सुरक्षा प्रदान की, उसी प्रकार राईन समाज के लोगों की सुरक्षा हेतु सब्जी ६ फल बेचने वाले वेन्डर आदि तथा समस्त खुदरा व्यापारियों के लिए विशेष कानून बनाकर उनकी संरक्षा को सुनिश्चित किया जाये। राईन समाज सरकार से मांग करता है कि धारा 341 में संशोधन कर दलित समाज के साथ साथ राईन समाज को भी जोड़ा जाना अति आवश्यक है। इस अवसर पर आल इन्डिया जमीयतुर राईन के राष्ट्रीय एडवाइजरी चेयर मैन श्री सईद अख्तर

राईन उर्फ राजू, उत्तर प्रदेश जमीयतुर राईन के प्रदेश अध्यक्ष श्री मोहम्मद वसीम राईनी, प्रदेश महासचिव श्री जीशान असलम, प्रदेश कोषाध्यक्ष मोहम्मद हसीन राईनी, प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री मोहम्मद रईस राईनी, प्रदेश उपाध्यक्ष श्री मोहम्मद सिराजुद्दीन राईनी, प्रदेश उपाध्यक्ष डा० अब्दुल कवी राईनी, प्रदेश उपाध्यक्ष हाजी मो० आरिफ पहलवान राईनी, प्रदेश संगठन सचिव श्री अल्ताफ हुसैन राईनी, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य–ताज बाबा राईन, हाजी कासिम राईनी, नदीम राईनी तथा आल इन्डिया जमीयतुर राईन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शमशाद आलम राईन, राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री कमरूलजमा राईन, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुश्री शम्स रविश राईन, राष्ट्रीय महासचिव श्री मोहम्मद शकील राईन, राष्ट्रीय संगठन सचिव डा० राहत अली राईन, राष्ट्रीय सचिव मो० तौसीफ अली अहसन राईन, राष्ट्रीय कोषाध्क्ष श्री मोहम्मद मुईन राईन, राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य श्री सऊद मुख्तार, मो० वसीउध्दीन राईन, श्री अल्ताफ हुसैन राईन, श्री मो० अनीस राईन, नासिर अहमद राईन शिवहर की मौजूदगी में उत्तर प्रदेश जमीयतुर राईन के समस्त मण्डल अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष व उनकी टीम तथा प्रदेश से आये समस्त गणमान्य उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय प्रतियोगिता में सी.एम.एस. छात्र सम्मानित

लखनऊ, 4 नवम्बर। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, राजाजीपुरम प्रथम कैम्पस के कक्षा–8 के प्रतिभाशाली छात्र अग्रिम मिश्रा ने अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित 'ब्रेनोब्रेन वण्डरकिड्स कम्पटीशन' में 8वीं ऑल इण्डिया रैंक अर्जित कर लखनऊ का गौरव बढ़ाया है। इस शानदार प्रदर्शन हेतु अग्रिम को

प्रशस्ति पत्र, मेडल, ट्राफी एवं पन्द्रह सौ रूपये के नगद पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। सी.एम.एस. प्रबन्धक प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने इस मेधावी छात्र के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए विद्यालय के शिक्षकों व प्रधानाचार्या का आभार व्यक्त किया। इस प्रतियोगिता में देश भर के कई प्रतिष्ठित विद्यालयों के छात्रों ने प्रतिभाग किया तथापि कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच सी.एम.एस. के इस प्रतिभाशाली छात्र ने मेन्टल मैथ्स, लॉजिकल एबिलिटी, जनरल नॉलेज एवं स्पीड टाइपिंग में अभूतपूर्व प्रदर्शन कर अपनी बहुमुखी प्रतिभा का परचम लहराया है।यह प्रतियागिता छात्रों को बौद्धिक क्षमता पर ध्यान केन्द्रित करने तथा त्वरित गति से समाधान ढूढ़ने एवं सीखने की क्षमता का विकास करने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। सी.एम.एस. अपने छात्रों को देश–विदेश में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग हेतु लगातार प्रोत्साहित करता रहता है। यही कारण है कि सी.एम.एस. छात्र सदैव ही विभिन्न रचनात्मक एवं सृजनात्मक प्रतियोगिताओं में अपनी बहुमुखी प्रतिभा की छाप छोड़कर विद्यालय का गौरव बढ़ा रहे हैं।

न्यायालय के माध्यम से भव्य श्री कृष्ण जन्मभूमि से अतिक्रमण अवश्य हटेगा – दुर्ग विजय सिंह शाक्य

मथुराभारतीय जनता पार्टी के ब्रज क्षेत्र अध्यक्ष दुर्ग विजय सिंह शाक्य आज मथुरा एवं गोवर्धन पूजा– अर्चना के लिए पहुंचे, सर्वप्रथम श्री कृष्ण जन्मभूमि संघर्ष न्यास के कार्यालय पर श्री कृष्ण जन्मभूमि

के पक्ष कार दिनेश शर्मा ने क्षेत्रीय अध्यक्ष का न्यास के पदाधिकारी के साथ स्वागत किया।न्यास के राष्ट्रीय सलाहाकार लक्ष्मीकांत शास्त्री ने पटुका पहनाया एवं 21 नवंबर को होने वाली धर्म संसद का निमंत्रण पत्र दिया।

हिंदूवादी दिनेश शर्मा ने न्यायालय में लड़ी जा रही कृष्ण जन्मभूमि की लड़ाई के विषय में अब तक हुए सभी पहलुओं पर विस्तार से बताया,भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष दुर्ग विजय सिंह शाक्य ने कहा

कि भगवान योगेश्वर श्री कृष्ण लीलाधारी है,वह जब चाहेंगे सत्य को उजागर कर अवैध अतिक्रमण के स्थान पर दिव्य मंदिर की परिकल्पना को साकार करेंगे।लोकतंत्र के इस देश में न्यायालय ही सर्वोच्च है। दिनेश शर्मा जैसे कृष्ण भक्त माध्यम बन संकल्पित होकर अन्न व पादुका त्याग धर्म की लड़ाई लड़ रहे हैं। ईश्वर हमेशा सत्य के साथ रहता है।जीत अवश्य मिलेगी।संत लक्ष्मीकांत शास्त्री एवं संघ के विभाग प्रचारक गोविंद ने कहा कि धर्म संसद के माध्यम से हिंदू जनमानस में जन चेतना का संचार होगा। संत महंतों के सानिध्य में होने वाले कार्यक्रम से हिंदू जनमानस एकता के सूत्र का वरण करेगा।ताकि विध्वंसक शक्तियों को समाप्त किया जा सके।दुर्जनों का जागना, सज्जनों का सोना किसी भी समाज के लिए अच्छा नहीं होता।भाजपा जिला अध्यक्ष निर्भय पांडे ने कहा किहिंदू एकता के लिए जाति ,पंथ संप्रदाय में बाँटना हमेशा घातक सिद्ध हुआ है।

अब हमें संयुक्त स्वाभिमान के साथ सजग एवं संकल्पित होना होगा ताकि राष्ट्र निर्माण में हमारी भूमिका मजबूत रहे।कार्यक्रम को संबोधित करने के बाद क्षेत्रीय अध्यक्ष एवं विभाग प्रचारक ने गिर्राज जी के दर्शन किये।इस अवसर पर प्रमुख रूप से मंडल अध्यक्ष ओमप्रकाश उपाध्याय , युवा मोर्चा के अमन कौशिक,राजेश पुरोहित ,राष्ट्रीय महामंत्री अश्विनी शर्मा, राष्ट्रीय प्रवक्ता राजेश पाठक,जिला अध्यक्ष सुखराम सिंह, जयराम शर्मा, नरेश सिंह, राहुल गौतम, मोहनदास बाबा, रामदेव यादव आदि उपस्थित थे।

प्राथमिक विद्यालय बघौना प्रथम में बड़ा भ्रष्टाचार

छह महीने से ज्यादा समय से गायब है स्कूल के प्रधानाचार्य

बल्दीरायध्सुल्तानपुर(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था को बेहतर करने के लिए राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करोड़ों रुपए की योजनाओं को धरातल पर उतार रहे हैं। विद्यालयों का कायाकल्प कर रहे हैं जिससे गांवों में पढ़ने वाले गरीब बच्चों को अच्छी शिक्षा मिल सके उनका भविष्य उज्जवल हो सके लेकिन जनपद सुल्तानपुर में बल्दीराय ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले प्राथमिक विद्यालय बघौना प्रथम में प्रधानाचार्य शुभम तिवारी सरकार की मंशा की धज्जियां उड़ा रहे हैं। अभिभावकों का आरोप है कि 6 महीने से ज्यादा हो गए लेकिन प्रधानाचार्य स्कूल नहीं आए और अपने साथी अध्यापकों के सहयोग से फर्जी दस्तखत करवाकर तनख्वाह उठा रहे हैं। बल्दीराय शिक्षा अधिकारी के नाक के नीचे सालों से इतना बड़ा खेल चल रहा है लेकिन उन्हें खबर ही नहीं। गांवों के नन्हें नौनिहालों को बेहतर शिक्षा मिले इसके लिए सरकार लगातार कोशिश कर रही है। कई सारी योजनाओं के जरिए बच्चों को स्कूल तक लाने के लिए दिन रात प्रयास चल रहे हैं लेकिन प्रधानाचार्य शुभम तिवारी अपनी मनमर्जी से स्कूल को चला रहे हैं। पूर्व प्रधानाचार्य ने जब इसका विरोध किया था तो शुभम तिवारी ने उन्हें मारने पीटने की धमकी दी थी। 'मतलब चोरी ऊपर से सीनाजोरी' प्रधानाचार्य के इन्हीं दबंग रवैए की वजह से साथी अध्यापक उनका विरोध नहीं करते। अध्यापकों का कहना है कि जब ऊपर वाले बड़े जिम्मेदारों को कोई फर्क नहीं पड़ता बड़े जिम्मेदारों का उनके ऊपर हाथ है तो हम क्या कर सकते हैं। वही जब इस मामले की शिकायत बेसिक शिक्षा अधिकारी से की गई तो ठै। ने जांचकर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

इस्कश्वन मंदिर,लखनऊ में गोवर्धन पूजा एवं अन्नकूट महोत्सव का भव्य आयोजन

लखनऊ रूप्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री श्री राधारमण बिहारी (इस्कॉन) मंदिर

लखनऊ में 02 नवंबर 2024 दिन शनिवार को मन्दिर अध्यक्ष श्रीमान अपरिमेय श्याम प्रभुजी जी के कुशल निर्देशन मे गोवर्धन पूजा एवं अन्नकूट महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया ।

कार्यक्रम का शुभारंभ इस्कॉन मंदिर अध्यक्ष श्रीमान अपरिमेय श्याम प्रभुजी जी के द्वारा गोवर्धन शिला के अभिषेक एवं पूजन अर्चन करके किया गया, जिसके बाद आये हुए सभी भक्तों ने गोवर्धन एवं भगवान को 56 प्रकार का भोग लगाया एवं क्रमानुसार अन्य सभी कार्यक्रम सम्पन्न हुए,गोवर्धन कथा के साथ ही भजन कीर्तन तथा नृत्य आदि हुआ, कार्यक्रम का समापन भोजन प्रसाद (अन्नकूट भण्डारा) के साथ हुआ,मंदिर आए हुए भक्तों एवं विशिष्ट अतिथियों ने गोवर्धन पूजा व अन्नकूट महोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया।

गोवर्धन कथा में श्रीमान अपरिमेय श्याम प्रभुजी ने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण ने 7 कोस के गोवर्धन को 7 वर्ष की उम्र में 7 दिन के लिए अपनी उंगली पर उठाया था और भगवान ने यह संदेश दिया कि इंद्र एवं सभी देवताओं की उपासना न करके भगवान श्रीकृष्ण की उपासना करनी चाहिए, क्योंकि भगवान हमको हमारे पूर्व में किये गए दुष्कर्मों एवं पाप कर्मों से मुक्ति दिला सकते हैं और कोई देवी देवता हमेँ इससे मुक्ति नहीं दिला सकते स यशोदा मइया एवं नन्द बाबा ने कहा था कि अगर पूजा करनी है तो गाय, ब्राम्हणों एवं गिरिराज गोवर्धन की पूजा करो।

अंत में मन्दिर अध्यक्ष श्रीमान अपरिमेय श्याम प्रभुजी जी सभी लोगों से अधिक से अधिक हरे कृष्ण महामंत्र एवं गीता के पाठ का स्वाध्याय करने के लिए कहा, जिससे जनमानस का कल्याण होगा। साथ ही साथ उपस्थित पत्रकारों (प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया) को उनके सतत सहयोग के लिए धन्यवाद एवं आभार प्रकट किया ।

1st रन फॉर राजन हॉफ मैराथनध्क्र स कंट्री का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न

लखनऊरूअमित यादव एडवोकेट हाई कोर्ट द्वारा आज सेवा ग्राम रेलवे कॉलोनी ग्राउंड, लखनऊ में एक हॉफ मैराथनध्क्रॉस कंट्री का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 300 धावकों से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता मा0 महापौर लखनऊ सुषमा खड्गवाल, सांसद मोहनलालगंज आर0के0 चौधरी, विशिष्ट अतिथि जे0एस0 भाटिया (द्रोणाचार्य

विजेता), सचिव जिला एथलेटिक एसोसिएशन सत्येंद्र सिंह, दौड़ के आयोजक बी0एस0 रावत, अजय नरेश यादव एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा कार्यक्रम में प्रतिभाग किया गया।1ज रन फॉर राजन हॉफ मैराथनध्क्रॉस कंट्री का उद्देश्य लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना और सामुदायिक खेल भावना को प्रोत्साहित करना था। इस आयोजन में ख्पुरुषध्महिला, और खकिशोरधकिशोरी,

सहित विभिन्न आयु वर्ग के धावकों ने पूरे उत्साह और जोश के साथ हिस्सा लिया। मैराथन की शुरुआत प्रातः 07रू00 बजे हुई, और प्रतिभागियों ने विभिन्न श्रेणियां में भाग लेते हुए 15 किलोमीटर एवं 10 किलोमीटर की दूरी को निर्धारित समय में पूरा करने का संकल्प लिया। इस दौरान पूरे मार्ग पर धावकों को जलपान और प्राथमिक चिकित्सा की सुविधाएँ भी उपलब्ध करा गईं। इस अवसर पर कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मा0 महापौर सुषमा खड्गवाल ने अपने उद्बोधन में प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया और फिटनेस तथा स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, ष्इस तरह के आयोजन न केवल समाज को स्वस्थ बनाते हैं बल्कि सभी को एकजुट करते हैं। हॉफ मैराथन में भाग लेने वाले सभी धावकों को मैं बधाई देती हूँ और उनके साहस की सराहना करती हूँ।ष प्रतियोगिता के अंत में विजेताओं को मा0 महापौर सुषमा खड्गवाल द्वारा सम्मानित करते हुए समस्त कैटेगरी में प्रथम 03 विजेताओं को साइकिल वितरण एवं अन्य श्रेणियों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले धावकों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।कार्यक्रम के आयोजक अमित यादव एडवोकेट हाई कोर्ट ने इस सफल आयोजन के लिए सभी प्रतिभागियों, स्वयंसेवकों एवं सहयोगियों को धन्यवाद दिया और भविष्य में भी प्रतिवर्ष ऐसे स्वास्थ्यवर्धक कार्यक्रमों के आयोजन का आश्वासन दिया।

भव्य कलश यात्रा के साथ भागवत कथा का हुआ शुभारम्भ

मिल्कीपुर–अयोध्या(आरएनएस)। मिल्कीपुर क्षेत्र स्थित अंजरौली गांव से सैकड़ों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में भव्य कलश यात्रा निकाली गई। जिसमें महिलाएं हाथ में कलश व पुरुष भगवा ध्वज लिए नजर आए जहां। गाजे बाजे के साथ भक्ति गीतों के बीच श्रद्धालु नाचते झूमते प्राचीन सिद्धनाथन मंदिर पहुंचे। जहां से कलश में जल भरने के उपरांत शोभायात्रा मिल्कीपुर बाजार पहुंची। बता दें कि अंजरौली गांव स्थित भूपेंद्र सिंह उदल के आवास पर सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया गया है। जिसमें प्रथम दिवस कथा शुभारंभ होने से पूर्व कलश यात्रा निकाली गई। भागवत कथा अयोध्या धाम के कथावाचक परम पूज्य पं. अजय शुक्ला के मुखारविंदु से होना सुनिश्चित है। संगीतमयी भागवत कथा की कलश यात्रा में सैकड़ो क्षेत्रवासी ग्रामीण श्रद्धालु एवं भक्तजन शामिल हुए। कथा व्यास पं. अजय शुक्ला के नेतृत्व में निकली कलश यात्रा में दर्जनों वाहनों पर सवार श्रद्धालु भक्ति गीतों के बीच थिरकते नजर आए। भागवत कथा की मुख्य यजमान कांति सिंह पत्नी स्व. राम विनय सिंह हैं। उनके पुत्रों भूपेंद्र सिंह और अखंड प्रताप सिंह द्वारा विशाल एवं विराट संगीत में भागवत कथा का आयोजन किया गया है जो आगामी 9 नवंबर तक चलेगी आगामी 10 नवंबर को पूर्णाहुति एवं विशाल ब्राह्मण भोज का भी आयोजन है। इसके अलावा आगामी 11 नवंबर को महाप्रसाद भंडारे का भी आयोजन किया गया है। कलश यात्रा में मुख्य रूप से सुरेश सिंह, रामकरन सिंह, वीरेंद्र सिंह, दीपू सिंह, प्रशांत, शिवकुमार सिंह, अखंड प्रताप सिंह, राम यश सिंह, विवेक कुमार सिंह, रमेश सिंह, अंकित सिंह, गिरीश सिंह, विजय कुमार सिंह, सुनील कुमार सिंह, शिवम, वीरेंद्र सिंह सहित सैकड़ो क्षेत्रवासी भक्तजन तथा महिलाएं मौजूद रही।

युवती से छेड़छाड़ मामले में पुलिस नहीं दर्ज कर रही मुकदमा

मिल्कीपुर–अयोध्या(आरएनएस)। पुलिस चौकी खण्डासा क्षेत्र के एक गांव की युवती ने गांव के ही व्यक्ति पर घर में घुसकर छेड़छाड़ और कपड़े फाड़ने का आरोप लगाया है। पीड़िता का कहना है कि पुलिस चौकी से लेकर सीओ कार्यलय तक शिकायती पत्र दिया। लेकिन दस दिन बाद भी आरोपियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हो सकी। मिली जानकारी के मुताबिक पुलिस चौकी खण्डासा क्षेत्र के एक गांव की युवती ने आरोप लगाया है कि बीते 24 अक्टूबर की रात 9:00 बजे मेरे पिता खेत की ओर गए थे और मां बर्तन मांज रही थी तभी गांव का एक व्यक्ति घर घुसकर छेड़छाड़ करने लगा जब मैंने इसका विरोध करते हुए चिल्लाई तो आरोपी के घर के अन्य लोग भी पहुंच कर मारते–पीटते हुए कपड़े को फाड़ दिया। घटना की सूचना पर पहुंची 112 पुलिस ने सुबह चौकी पर बुलाकर था जहां पहुंच कर तहरीर लिया गया था। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की। पीड़िता का कहना है कि तहरीर लेकर थाने और सीओ साहब के पास भी गई थी। वहां पर कोई सुनवाई नहीं हुई यही कहां गया था कि जांच कर कार्रवाई की जाएगी। खण्डासा चौकी पुलिस आरोपियों के घर आती है और चली जाती है किसी को पकड़ नहीं रही ही। उल्टा मुझे कहती है कि जब वह लोग घर पर रहे तो बताओ हम पकड़ ले बताने पर भी नहीं आते हैं। पीड़िता युवती का कहना है कि पूरे मामले की शिकायत मुख्यमंत्री जनसुनवाई पर भी की है। लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

समाजसेवी राजन पांडे ने गरीबों महिलाओं के साथ मनाई दीपावली

अयोध्या(आरएनएस)। जिले के प्रसिद्ध समाजसेवी हमेशा से कुछ अलग करने के लिए जाने जाते रहे उन्होंने इस बार दीपावली पर भी विशेष कार्य कर समाज के लिए एक नजीर पेश की। समाजसेवी राजन पांडेय ने इस बार दीपावली के अवसर पर अपने शिवनाथपुर स्थित आवास पर लगभग डेढ़ सौ से अधिक गरीब महिलाओं को साड़ी का पूरा सेट मिठाई और सभी को नगद राशि देकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।समाजसेवी राजन ने कहा की मजबूत तबके के साथ हर कोई खुशियों का त्योहार मनाना चाहता है लेकिन गरीबों के साथ खुशियों का त्योहार मनाए तभी हमारा देश मजबूत होगा। उन्होंने आगे कहा कि समाज के हर सक्षम व्यक्ति को गरीबों के साथ त्योहारों को मनाना चाहिए ताकि उनके माध्यम से गरीब लोगों के चेहरे पर मुस्कान आ सके। वहां उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए राजन ने कहा कि उनके द्वारा मरते दम तक गरीबों की सेवा भगवान मानकर की जाती रहेगी इसलिए उनके घर का दरवाजा गरीबों के लिए हमेशा खुला रहता है। वहीं उपस्थित आम जनमानस के मध्य ये चर्चा हो रही थी कि राजन पांडेय पहले भी अनेक त्योहारों के अवसर पर ऐसी अनोखी पहल के माध्यम से चर्चा का विषय रहे है। समाजसेवी राजन पांडे के आवास पर आयोजित कार्यक्रम में उनकी पत्नी डॉ तृप्ति पांडेय, छोटे भाई बम बहादुर पांडे, त्रिलोकी नाथ पांडे, हरि नाथ पांडे, विंध्या पांडेय, पुत्री अर्चिता पांडेय, पुत्र अमित पांडेय, जिला पंचायत सदस्य अंकित पांडेय, अर्पित पांडेय आदर्श पंडेय अमन पांडेय रोहित, संतराम विश्वकर्मा गयादीन रैदास, देवा खान , शुभम गुप्ता आदर्श यादव, रोहित पांडेय आदि लोग उपस्थित रहे।

प्राथमिक विद्यालयों को बंद करने के बजाय हाईटेक किया जाए रू घनश्याम वर्मा

अयोध्या(आरएनएस)। प्राथमिक विद्यालयों को बंद करने के बजाय हाईटेक करके गुणवत्ता पूर्वक, इंग्लिश मीडियम, कंप्यूटर शिक्षा प्रदान करें उत्तर प्रदेश सरकार। उक्त मांग भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय महासचिव घनश्याम वर्मा ने उत्तर प्रदेश सरकार से करते हुए कहा कि यदि प्राथमिक विद्यालयों को उच्च स्तरीय सुविधाओं से लैस करके, पर्याप्त मात्रा में शिक्षक की तैनाती करके, इंग्लिश मीडियम व कंप्यूटर शिक्षा प्राथमिक विद्यालय में प्रदान किया जाय तो सभी इंग्लिश मीडियम व कान्वेंट स्कूल बंद हो जाएंगे और प्राथमिक विद्यालय बहुत अच्छी तरह से संचालित होंगे घनश्याम वर्मा ने कहा कि सरकार की साजिश है कि प्राथमिक विद्यालय को बंद करके गरीब, किसानों, मजदूरों के बच्चों को शिक्षा से दूर रखा जाए और शिक्षा माफियाओं द्वारा संचालित विद्यालयों को मजबूत किया जाए जो निंदनीय है किसी भी दशा में उचित नहीं है शिक्षा ग्रहण करना देश की प्रत्येक जनता का अधिकार है और सरकार का कर्तव्य है, ऐसी स्थिति में सस्ती और अच्छी शिक्षा दिया जाना आवश्यक है।

ग्रामीण क्षेत्र की बदहाल सड़कों के पुनर्निर्माण की मांग

अयोध्या(आरएनएस)। धान क्रय केंद्रों पर तत्काल धान खरीद कराए जाने, चीनी मिल तुरन्त चालू कराने तथा ग्रामीण क्षेत्र की बदहाल सड़कों का पुनर्निर्माण कराए जाने आदि मांगों को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा का प्रतिनिधि मण्डल 06 नवम्बर को जिलाधिकारी से मिलकर ज्ञापन सौंपेगा। उक्त निर्णय सोमवार को मसोधा स्थित राणी सती मंदिर में हुई संयुक्त किसान मोर्चा की बैठक में लिया गया। बैठक में मोर्चा के राष्ट्रीय आवाहन पर 07 नवम्बर से 25 नवम्बर तक किसान जागरण अभियान चलाकर 26 नवम्बर को जिला मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन आयोजित कर किसानों के मुद्दों को उठाया जाएगा।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, मंगलवार 05 नवंबर 2024
sheelshukla100@gmail.com

संपादकीय

टीबी की वापसी क्यों?

टीबी के मामले तेजी से बढ़े हैं। चौंकाने वाली बात है कि जब हमारे पास टीबी को रोकने, पहचानने और इलाज करने के साधन मौजूद हैं, तो भी इसके कारण इतनी ज्यादा मौतें हो रही हैं और लोग इसके शिकार बन रहे हैं। परिस्थितियां अनुकूल हैं, लेकिन नतीजा उलटा हो रहा है। यह कहानी कभी घातक बीमारी रह चुके ट्यूबरक्लोसिस (टीबी) की है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) की– ग्लोबल ट्यूबरकुलोसिस रिपोर्ट 2024– के मुताबिक 2023 में 82 लाख लोग टीबी से संक्रमित हुए, जो 1995 में निगरानी शुरू होने के बाद की सबसे बड़ी संख्या है। यह आंकड़ा 2022 में सामने आए 75 लाख नए मामलों से काफी अधिक है। इनके अलावा बड़ी संख्या की ऐसे लोगों के मौजूद होने का अनुमान है, जिनमें इस रोग का निदान नहीं हो पाया। अब डब्लूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस अधानोम गेब्रियासुस की इस टिप्पणी पर गौर कीजिए– चौंकाने वाली बात है कि जब हमारे पास टीबी को रोकने, पहचानने और इलाज करने के साधन मौजूद हैं, तो भी इसके कारण इतनी ज्यादा मौतें हो रही हैं और लोग इसके शिकार बन रहे हैं। डब्लूएचओ ने अपनी रिपोर्ट जिक्र किया है कि दवा–प्रतिरोधी टीबी (एमडीआरआरआर–टीबी) के मामलों में भी सुधार हुआ है। टीबी के सामान्य मामलों में इलाज की सफलता दर 88 फीसदी है, जबकि एमडीआरआरआर–टीबी के मामलों में यह 68 फीसदी तक पहुंच गई है। फिर भी टीबी के मामले बढ़ रहे हैं। टीबी की वापसी से सबसे ज्यादा प्रभावित देशों में भारत प्रमुख है। भारत सहित मध्यम आय वाले ज्यादातर देशों में यह स्थिति स्वास्थ्य के निरोधक (प्रीवेंटिव) पहलू पर जोर घटने के कारण पैदा हुई है। हर सेवा के निजीकरण के दौर में सार्वजनिक स्वास्थ्य प्राथमिकता नहीं रह गया है। डब्लूएचओ के मुताबिक लगभग 50 फीसदी मरीजों को इलाज के दौरान विनाशकारी खर्च का सामना करना पड़ता है। इसका अर्थ है कि उनका इलाज खर्च उनकी आय का 20 फीसदी से ज्यादा होता है। स्वाभाविक है कि रिपोर्ट में टीबी संबंधी सेवाओं के लिए फंडिंग की कमी का खास उल्लेख किया गया है। 2023 में संयुक्त राष्ट्र की उच्चस्तरीय बैठक में कहा गया था कि 2027 तक टीबी सेवाओं के लिए हर साल 22 बिलियन डॉलर जुटाए जाने चाहिए। 2023 में केवल 5.7 बिलियन डॉलर की फंडिंग उपलब्ध थी– यानी कुल जरूरत का सिर्फ 26 फीसदी। ऐसे में टीबी की वापसी कोई हैरत की बात नहीं है।

परिसीमन का क्या पैमाना होगा?

केंद्र सरकार ने जनगणना की अधिसूचना जारी नहीं की है, लेकिन एक, जनवरी 2025 से प्रशासनिक सीमाएं सील हो जाएंगी और उससे पहले भारत के महापंजीयक और जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण का कार्यकाल अगस्त 2026 तक बढ़ा दिया गया है, जिससे यह संकेत मिल रहा है कि अगले साल जनगणना होगी। उसके अगले साल यानी 2026 में लोकसभा सीटों का परिसीमन होगा और फिर इसी आधार पर 2029 में साथ होने वाले चुनाव में एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित की जाएंगी। इस बीच तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने एक बड़ा सवाल उठाया है। उन्होंने एक सामाजिक कार्यक्रम में, जहां 16 नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया जाना था, वहां कहा कि क्जब हम ऐसी स्थिति का सामना कर रहे हैं, जहां संसद में सीटों की संख्या कम होने वाली है तो हमें छोटा परिवार क्यों रखना चाहिए?

इसके आगे उन्होंने नवविवाहित जोड़ों से ज्यादा बच्चे पैदा करने और उन्हें सुंदर तमिल नाम देने का आग्रह किया। हालांकि उन्होंने संसद में सीटों की संख्या कम होने के बारे में विस्तार से कुछ नहीं कहा लेकिन उनका इशारा परिसीमन के बाद की स्थितियों की ओर था। उनसे पहले आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने भी लोगों से ज्यादा बच्चे पैदा करने का आग्रह किया था। हालांकि उनका घोषित सरोकार यह था कि दक्षिण के राज्यों में आबादी बूढ़ी हो रही है और कामकाजी युवाओं की संख्या कम हो रही है। परंतु कहीं न कहीं वे भी इस बात से चिंतित हैं कि अगर आबादी के आधार पर लोकसभा सीटों का परिसीमन हुआ तो दक्षिण के राज्यों की राजनीतिक हैसियत घटेगी।

तभी यह बड़ा सवाल है कि लोकसभा सीटों के परिसीमन का आधार क्या होगा? क्या सीधे तौर पर जनसंख्या के हिसाब से सीटों की संख्या में बढ़ोतरी कर दी जाएगी? अगर ऐसा हुआ तो उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र जैसे बड़ी आबादी वाले राज्यों को फायदा होगा और दक्षिण भारत के राज्य घाटे में रहेंगे। तभी चंद्रबाबू नायडू और एमके स्टालिन की चिंता सामाजिक या आर्थिक नहीं, बल्कि राजनीतिक दिखती है। यह चिंता क्षेत्रीय वर्चस्व और फिर अस्मिता की राजनीति में भी बदल सकती है, जिससे एक बड़ा खतरा पैदा हो सकता है।

इसलिए सरकार को परिसीमन के फॉर्मूले के बारे में तर्कसंगत तरीके से विचार करना होगा और उस पर सभी दलों व राज्यों की सहमति अनिवार्य रूप से लेनी होगी। ध्यान रहे लोकसभा सीटों का परिसीमन जम्मू कश्मीर की तरह नहीं होगा, जहां मनमाने तरीके से भौगोलिक सीमाओं का ध्यान रखे बगैर इस तरह से विधानसभा सीटों का सीमांकन हुआ कि जम्मू क्षेत्र में छह सीट बढ़ गई और कश्मीर घाटी में सिर्फ एक सीट बढ़ी।

आजादी के बाद से मोटे तौर पर आबादी के आधार पर ही लोकसभा और विधानसभा सीटों की संख्या तय होती रही है। तभी उत्तर प्रदेश में 80 सीटें हैं और तमिलनाडु में 39 हैं। लेकिन आजादी के बाद राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण के उपायों को अलग अलग तरीके से लागू किया। आर्थिक रूप से विकसित राज्यों ने बेहतर ढंग से जनसंख्या नियंत्रण का किया तो उनके यहां जनसंख्या वृद्धि की दर राष्ट्रीय औसत से काफी नीचे आ गई। दक्षिण के राज्यों में तो जनसंख्या बढने की दर रिप्लेसमेंट रेट से भी कम है। रिप्लेसमेंट रेट 2.1 है। इसका मतलब होता है कि अगर दो लोग मिल कर 2.1 बच्चे पैदा करते हैं तो जनसंख्या नहीं बढ़ेगी वह स्थिर हो जाएगी। दक्षिण के राज्यों में जनसंख्या बढने की दर 1.6 फीसदी है, जो रिप्लेसमेंट रेट से काफी कम है, जबकि उत्तर के राज्यों खास कर बिहार और उत्तर प्रदेश में वृद्धि दर रिप्लेसमेंट रेट से ज्यादा है।

ऐतिहासिक रूप से यह स्थिति रही है तभी दक्षिण के राज्यों में आबादी नियंत्रित हो गई और उत्तर भारत के राज्यों में बढ़ती चली गई। हालांकि अब वहां भी रफ्तार धीमी हो रही है लेकिन उन राज्यों की जनसंख्या बहुत ज्यादा है। अगर इस आधार पर उनकी लोकसभा सीटें बढ़ती हैं तो यह उन राज्यों के साथ अन्याय होगा, जिन्होंने अपने यहां आबादी का बढना रोका। उन्होंने अच्छा काम किया इसके लिए उनको सजा नहीं दी जानी चाहिए।

अगर सरकार पारंपरिक रूप से आबादी को आधार बनाती है और औसतन 20 लाख की आबादी पर एक सीट का फॉर्मूला तय होता है तो दक्षिण के ज्यादातर राज्यों में सीटों में कोई बदलाव नहीं होगा, जबकि उत्तर प्रदेश में सीटों की संख्या 80 से बढ़ कर 120 हो जाएगी। बिहार में 40 से बढ़ कर 70 हो जाएगी। सोचें, इससे इन राज्यों की राजनीतिक हैसियत कितनी बढ़ जाएगी? अगर ऐसा होता है तो ओवरऑल लोकसभा की सीटों में बड़ी बढ़ोतरी करनी होगी। वैसे नए संसद भवन में इसकी तैयारी पहले हो चुकी है। नए संसद भवन में निचले सदन यानी लोकसभा में 880 सांसदों के बैठने की व्यवस्था है। अगर संख्या इतनी नहीं भी बढ़ाएं तब भी आठ सौ तक संख्या जा सकती है।

सामाजिक समरसता के लिए लगातार सक्रिय संघ

संघ को संकुचित अर्थों में हिंदुत्व का समर्थक बताया जाता रहा है। ऐसा करते वक्त सावरकर के उस विचार को भुला दिया जाता है, जो यह बताता है कि भारत वर्ष में जो भी जन्मा है, वह हिंदू है। तीन देशों की सीमाओं में बंट चुके भारत में मौलिक रूप से कोई गैर हिंदू है ही नहीं।मौजूदा दौर में शासन की सबसे बेहतरीन व्यवस्था जिस संसदीय लोकतंत्र को माना गया है, उसकी एक कमजोरी है। वोट बैंक की बुनियाद पर ही उसका समूचा दर्शन टिका है, इसलिए समाज को बांटना और उसके जरिए भरपूर समर्थन जुटाना उसकी मजबूरी है। यही वजह है कि कभी वह जानबूझकर, तो कभी अनजाने में समाज को बांटने की कोशिश करती नजर आती है। राजनीति के इन संदर्भों पर जब गौर करते हैं तो उसके ठीक उलट वैचारिकी से आगे बढ़ता हुआ एक संगठन दिखता है। निश्चित तौर पर वह संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ है। शतकीय यात्रा की ओर बढ़ रहा संघ हिंदू समाज को एक रखने के ध्येय वाक्य से रंच मात्र भी पीछे नहीं हटा। लेकिन राजनीति को जब भी मौका मिलता है, वह संघ को अपने दायरे में खींचने और उसको सवालों के कठघरे में खड़ा करने की कोशिश करने लगती है। राजनीति को संघ को सवालों के घेरे में लाने का मौका हाल ही में मथुरा में दिए सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले के बयान से मिला है। दत्तात्रेय होसबोले ने हिंदू समाज को एक रखने के संदर्भ में योगी आदित्यनाथ के बयान 'कटोगे तो बंटोगे' का समर्थन किया है। योगी आदित्यनाथ ने पहली बार यह विचार अगस्त महीने में लखनऊ में कल्याण सिंह की याद में आयोजित एक कार्यक्रम में जाहिर किया था। उन दिनों बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार का तख्तापलट की घटना ताजा थी। उसके बाद वहां के अल्पसंख्यकों यानी हिंदुओं पर चौतरफा हमले और अत्याचार जारी थे। उसका हवाला देते हुए आदित्यनाथ ने हिंदू समाज को इस नारे के जरिए एक रहने का संदेश दिया था। चूंकि भारतीय राजनीति का एक बड़ा हिस्सा अब भी सेकुलरवाद के चश्मे से ही दुनिया को देखता है, लिहाजा उसके निशाने पर आदित्यनाथ का यह बयान आना ही था। आदित्यनाथ का यह बयान राजनीति की दुनिया के उनके विरोधियों को घोर सांप्रदायिक लगना ही था। और जब इस बयान का दत्तात्रेय होसबोले का भी साथ मिल गया तो सांप्रदायिकता के छद्म विचार के आवरण में राजनीति करने वाली ताकतों को मौका मिलना स्वाभाविक है।

संघ को संकुचित अर्थों में हिंदुत्व का समर्थक बताया जाता रहा है। ऐसा करते वक्त सावरकर के उस विचार को भुला दिया जाता है, जो यह बताता है कि भारत वर्ष में जो भी जन्मा है, वह हिंदू है। तीन देशों की सीमाओं में बंट चुके भारत में मौलिक रूप से कोई गैर हिंदू है ही नहीं। पाकिस्तान के पत्रकार वसीम अल्ताफ का ट्वीट दीपावली के दिन एक्स पर चर्चा में रहा। जिसमें उन्होंने लिखा था कि काश उनके भी पूर्वज कुछ और तनकर खड़े रहते तो उन्हें भी होली और दीपावली जैसे उत्साह वाले त्योहार मनाने को मिलते। अपने इस ट्वीट के जरिए एक तरह से वे जाहिर कर रहे थे कि उनके पूर्वज भी हिंदू ही थे। संघ इसी विचार को मानता है, भारतीय यानी हिंदू। भारतीय समाज को कभी सांप्रदायिकता के आवरण में बांटा गया तो कभी जाति की संकीर्ण सोच के बहाने। संघ अपने जन्म से ही दोनों ही वैचारिकी का विरोध करता रहा है। इसके बावजूद उस पर कभी ब्राह्मणवादी होने तो कभी कुछ का आरोप लगता रहा है। किसी भी संगठन के किसी भी व्यक्ति के निजी तौर पर अपने विचार हो सकते हैं, उसकी सोच का असर उसके व्यक्तित्व पर पड़ सकता है। लेकिन वैचारिक रूप से संघ में ऊंच–नीच, भेदभाव की सोच नहीं रही है। महात्मा गांधी ने भी संघ के 1934 के वर्धा के शिविर का दौरा किया था। संघ के उस शिविर में छुआछूत और ऊंचनीच का भाव न देखकर गांधी जी बहुत प्रभावित हुए थे। उन दिनों गांधी जी छुआछूत के खिलाफ अभियान चला रहे थे। उन्होंने तब माना था कि संघ के ऐसे प्रयास भारतीय समाज में बराबरी का भाव लाने में सफल हुए। राजनीति अक्सर महात्मा गांधी को लेकर संघ पर आरोप लगाती है कि वह महात्मा गांधी को नहीं मानता। संघ को सामाजिक रूप से बांटने को लेकर जब भी हमला किया जाता है, अक्सर गांधी विचार का ही सहारा लिया जाता है। हालांकि संघ ने कभी ऐसी कोई मंशा जाहिर नहीं की। उलटे गांधी संघ के समानता के विचारों से प्रभावित रहे। जिसकी तसदीक उनके द्वारा ही प्रकाशित हरिजन पत्रिका के 28 सितंबर 1947 के अंक में प्रकाशित एक रिपोर्ट करती है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, गांधी जी ने दिल्ली में सफाईकर्मियों की बस्ती में हुए संघ के एक कार्यक्रम में 16

सितंबर 1947 को हिस्सा लिया था। इस रिपोर्ट में लिखा है,'गांधी जी ने कहा कि वे कई साल पहले वर्धा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शिविर में गए थे, जब संस्थापक श्री हेडगेवार जीवित थे। स्वर्गीय श्री जमनालाल बजाज उन्हें शिविर में ले गए थे और वे (गांधी) उनके अनुशासन, अस्पृश्यता की पूर्ण अनुपस्थिति और कठोर सादगी से बहुत प्रभावित हुए थे। पहले कर्नाटक और बाद में बिहार में हुई जाति जनगणना के बाद राजनीति का एक हिस्सा पूरे देश में जाति जनगणना कराने को लेकर अभियान छेड़े हुए है। भारत में पहली बार जाति जनगणना 1931 में हुई थी। अंग्रेजों ने इसका इस्तेमाल भारत में अपने राज बचाने की कोशिश के रूप किया था। शायद दूसरे विश्व युद्ध और स्वाधीनता आंदोलन की तेजी की वजह से 1941 में जनगणना नहीं हुई। आजादी के बाद 1951 की जनगणना की जब तैयारी चल रही थी तो राजनीति के एक हिस्से ने जाति जनगणना की मांग रखी थी। लेकिन जनगणना के प्रभारी मंत्री के नाते तत्कालीन स्वराष्ट्र मंत्री सरदार पटेल ने इस मांग को खारिज कर दिया था। पटेल का मानना था कि जाति जनगणना से सामाजिक तनाव बढ़ेगा और अंततरू वह विखंडन को ही बढ़ावा देगा। कुछ ऐसी ही सोच संघ की भी है। हालांकि कुछ दिनों पहले संघ के प्रचार प्रमुख सुनील अंबेडकर ने जाति जनगणना का समर्थन किया था। जिससे माना गया था कि संघ भी जाति जनगणना के पक्ष में है। ऐसी सोच रखने वालों ने अंबेडकर के विचार के अगले हिस्से पर ध्यान नहीं दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि प्रशासनिक कार्यों के लिए ऐसे आंकड़े जुटाए जा सकते हैं, लेकिन उनका राजनीतिक दुरुपयोग नहीं होना चाहिए। गांधी जी के बाद संघ शायद अकेला संगठन है, जिसके कार्यक्रम नियमित रूप से वंचित और मलिन बस्तियों में होते रहते हैं। समाज के हाशिए पर पड़े व्यक्तियों और समुदायों से बिना किसी भेदभाव के संघ लगातार संवाद करता रहता है। मलिन और वंचित बस्तियों में रोजगार और शिक्षा के साथ ही सफाई को लेकर संघ और उसके कार्यकर्ता आए दिन जुटे रहते हैं। संघ परिवार और समाज को हर मुमकिन मौके पर जोड़ने की कोशिश करता है। 'कटेंगे तो बंटेंगे' के विचार को उसका समर्थन दरअसल उसकी इसी चिरंतन सोच का विस्तार है। इसे समझने के लिए दत्तात्रेय होसबोले के उस बयान को एक बार फिर देखना चाहिए। होसबोले ने कहा है कि 'कटेंगे तो बंटेंगे' मुहावरा हिंदू समाज की एकता के बारे में इसी भावना को व्यक्त करने का एक और तरीका है। महत्वपूर्ण बात यह है कि हिंदुओं का एकजुट होना सभी के लिए फायदेमंद होगा। हिंदुओं की एकता संघ की आजीवन प्रतिज्ञा है। हिंदू एकता व्यापक मानवीय एकता के लिए है। जो देश के सर्वोत्तम हित में है। लगे हाथों होसबोले ने चेतावनी भी दी कि हिंदुओं को विभाजित करने की कोशिश में कई ताकतें जुटी हैं, जिनको हटाने के लिए संघ और समाज सामूहिक रूप से कड़ी मेहनत कर रहे हैं। आखिर में नहीं भूलना चाहिए कि हिंदू एकता समाज और जन कल्याण का भी महत्वपूर्ण टूल है। अंतर सिर्फ इतना है कि राजनीति इस टूल को तोड़ने की कोशिश करती है और संघ इसे बचाने का।

आंखों के आगे इतिहास!

हां, आंखों देखा इतिहास! ऐतिहासिक मोड़ पर है मौजूदा सिरमौर सभ्यता अमेरिका। वह इस सप्ताह अपने हाथों अपनी सभ्यता का इतिहास बनाएगी। अमेरिकी मतदाता तय करेंगे कि वे अपने सभ्यतागत मूल्यों और सांचे की निरंतरता में कमला हैरिस को जिताते हैं या वैयक्तिक तानाशाही जिद वाले डोनाल्ड ट्रंप को जिताते हैं। डोनाल्ड ट्रंप का अर्थ अमेरिका में विभाजन, संस्थाओं के पतन की गारंटी है। और जब कोई सभ्यता घर में विभाजित होती है तो उसकी ताकत, एकता, बुद्धि सब धरी रह जाती है। दो खेमों में विभाजित देश फिर धर्म, नस्ल, धन और अहंकार की आपसी लड़ाई का अखाड़ा होता है। ज्योंहि ऐसा हुआ त्योंहि सभ्यता का खत्म करने की ताक में बैठी बर्बर नस्ल और धर्म के लिए मौका खुलता है।

आज इस मौके की ताक में चीन है तो पुतिन और इस्लाम भी है। इन तीनों के इरादे आंखों के आगे लाइव उपस्थित हैं। सोचें, जिस अमेरिका ने इस सदी के आरंभ में, 9\11 के बाद आतंकवाद (इस्लाम) के खिलाफ वैश्विक जंग का हुंकारा मारा था, वह भटका हुआ है और उसकी जगह वह इजराइल इस्लाम को ठोक रहा है, जिसके नेता नेतन्याहू बिना इस समझ के क्रूरता दर्शा रहे हैं कि वे बंकों को छुड़वा रहे हैं, बदला ले रहे हैं, देश को सुरक्षित बना रहे हैं या क्रूसेड है? मेरा मानना है इजराइल का ठोकना इस्लाम को और जिद्दी बनाना है? इसके नतीजे उलटे और उग्र होंगे। उस नाते यहूदियों और ईसाईयों दोनों की नासमझी है जो वे अपने जिद्दी भाई (अब्राहम की संतान, इस्लाम) को अपने मूल धर्म में लौटाने, उनकी घर वापसी की नहीं सोचते, बल्कि ठोक–ठोक कर तीसरे महायुद्ध, सभ्यतागत संघर्ष का पानीपत मैदान बना दे रहे हैं।

इस्लाम की लाइव दुकाई के फोटो इस्लाम को सुलगाने वाले हैं। निश्चित ही अतीत में इस्लाम की क्रूर तलवार और क्रूसेड्स के दृश्य आज के मुकाबले बेइंतहा खौफनाक थे। मगर पहले और दूसरे महायुद्ध के क्रम में यदि तीसरे महायुद्ध का सिनेरियो बन रहा है तो वह इस कारण पूरी पृथ्वी के लिए घातक होना है क्योंकि अब परमाणु हथियारों के जखीरे की वास्तविकता भी है।

इसलिए यहूदी बनाम मुसलमान, ईसाई बनाम इस्लाम, इजराइल बनाम ईरान, अमेरिका बनाम चीन, यूक्रेन बनाम रूस, उत्तर कोरिया बनाम दक्षिण कोरिया आदि की हकीकत का कुल सार आमने सामने की सीधी लड़ाई के पाले बनना है। हर पक्ष की जिद खूंखार होती हुई है। एक तरफ अमेरिका, पश्चिमी सभ्यता तथा ईसाई और यहूदी हैं तो दूसरी और चीन है। फिर इस्लाम (जो इजराइल की ठुकाई से चीन–रूस से जुड़ता हुआ है) है। चीनी नेता बोलते नहीं हैं। न राष्ट्रपति माओ, देंग शियाओ पिंग भड़भड़िया नेता थे और न शी जिनफिंग हैं। ये चीनी नेता अतीत के अपने गौरव हान सभ्यता की वैश्विक पताका में चीन की श्रीवृद्धि के राष्ट्रवादी हैं। इनके लिए याकि मौजूदा चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की ठोस पूंजी (रूसियों की तरह) क्रूर, कठोर, परिश्रमी चाइनीज जनता है। जिसका कभी भी लोकतंत्र, मानवीय मूल्यों, स्वतंत्रता से सरोकार नहीं रहा है। तभी माओ की क्रांति हो या देंग और शी जिनफिंग के वैश्विक कारखाने, अमीरतम बनने का मिशन, सभी में नेतृत्व, पार्टी और जनता ने एकनिष्ठता से काम किया है। उसके लिए असुरी महाशक्ति बनना मुश्किल नहीं था।

इसका लक्ष्य अब अमेरिका व पश्चिम सभ्यता की जगह अपने झंडे, अपनी व्यवस्थाओं में दुनिया को चलाना है। राष्ट्रपति शी जिनफिंग और उनके रणनीतिकारों ने चुपचाप बिसात बिछा दी है। चीन का लक्ष्य अमेरिका की जगह लेना है। एशिया का अधिपति होना है। चीन के लिए भारत, जापान, दक्षिण एशिया, ताइवान, आसियान देशों का जीरो अर्थ है। इसलिए क्योंकि ज्योंहि अमेरिका का पतन हुआ, दुनिया की उसकी चौधराहट छूटी या उसने छोड़ी तो पलक झपकते ये तमाम छोड़े हुए देश चीन की कॉलोनी होंगे। यों भी दक्षिण या तीसरी दुनिया के ये देश आर्थिक तौर पर चीन से बंधे, उस पर आश्रित हैं। उधर परोक्ष तौर पर चीन ने रूस या पाकिस्तान के मार्फत मध्य एशिया के सभी इस्लामी देशों के अलावा अफगानिस्तान के तालिबान, ईरान और उन सब मुस्लिम देशों का विश्वास जीत लिया है जो इजराइल के हाथों घायल हैं।

अपनी इस ग्रैंड योजना, वैश्विक बिसात में चीन किस शातिरता से फैसले करते हुए है इसका प्रमाण ब्रिक्स की हालिया शिखर बैठक थी। राष्ट्रपति शी जिनफिंग और पुतिन ने बैठक में तुर्की के उन राष्ट्रपति एर्दोआन को बुलाया जो उइगर मुसलमानों के उत्पीडन के हवाले चीन के खिलाफ बोलते थे। एर्दोआन को शी और पुतिन ने पटा लिया है। वे इनसे वैसे ही संतुष्ट हैं, जैसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत में यह हल्ला बनवाते हुए हैं कि कितनी बड़ी कूटनीतिक जीत हुई जो चीन ने लद्दाख में अपनी सेना पीछे की। भारत भी चीन के साथ बहुपक्षीय विश्व बनाने की ओर बढ़ता हुआ है। अर्थात भारत और चीन भाई भाई तथा अमेरिका, पश्चिमी सभ्यता की दादागिरी के खिलाफ विश्व राजनीति में हिंदू राष्ट्र की भी एक अलग स्वतंत्र ढपली व विश्व व्यवस्था। और हम दक्षिण ब्लॉक, गुटनिरपेक्ष जमाने के देशों और परंपरागत मित्र रूस तथा चीन के हमराही हैं!

बहरहाल, लाइव इतिहास फिलहाल अमेरिका बनाम चीन तथा यहूदी बनाम इस्लाम की जोर आजमाइश व परिवर्तनों का है। इसका एक अनहोना फोटो चीन और रूस द्वारा ठेठ यूरोप की सीमा पर बर्बर उत्तर कोरियाई सैनिकों को पहुंचा देना है। कल्पना करें डोनाल्ड ट्रंप जीते और उन्होंने यूक्रेन की मदद रोक कर रूस से समझौते का दबाव बनाया तो पुतिन के हौसले कितने बुलंद होंगे? रूसी–उत्तरी कोरियाई सेना के तब जश्न के फोटो यूरोपीय संघ पर कैसा प्रभाव बनाएंगे? ईरान के हौसले बुलंद होंगे या कम होंगे? हालांकि डोनाल्ड ट्रंप को ईरान विरोधी तथा नेतन्याहू परस्त माना जाता है लेकिन व्यक्तिवादी नेता ने यदि खुमैनी के घर जा कर पकौड़े खाने तथा अपने को अमनपरस्त बनाने की ठानी तो उसके गिरगिटी व्यवहार में रंग तो बदलते ही रहेंगे।

असल बात डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने से विभाजित अमेरिका, विभाजित पश्चिमी बिरादरी की है। इसके सिनेरियो में चीन के लिए स्वर्णिम मौका बनेगा। वह अमेरिका को रिप्लेस कर अपने को नई विश्व व्यवस्था, नई मौद्रिक वित्तीय व्यवस्था का संचालक बनने की ओर बढ़ेगा। पृथ्वी की धुरी होने के हान सभ्यता के इलहाम को वास्तविकता के पंख लगेंगे। आर्थिक–सैनिक–राजनीतिक ताकत में सिरमौर होने का मौका खुलेगा।

सो, आंखों के आगे तीसरे महायुद्ध व सभ्यताओं के संघर्ष की अग्रिम झांकी है वही पृथ्वी के इतिहास का मोड़ भी है। इस सप्ताह स्पेन के वेलेंसिया में आठ घंटे की बारिश का वीडियो दहला देने वाला था। जलवायु परिवर्तन और विनाश की ओर बढ़ती पृथ्वी की सेहत की वह झांकी थी। वेलेंसिया विकसित देश का संपन्न इलाका है। इसलिए जलवायु परिवर्तन, बाढ़ या सूखे के एक्स्ट्रीम अनुभव में वेलेंसिया के फोटो में पानी में बही कारों का जो अंबार व कबाड़ दिखा वह चेतावनी है कि इलाका कितना ही समर्थ क्यों न हो प्रकृति के विनाश में किसी के बचने के अवसर नहीं हैं। इस साल भारत, दक्षिण एशिया में भी अतिवर्षा, बाढ़, गर्मी का एक्स्ट्रीम था लेकिन हम क्योंकि आदि हैं तो दिल–दिमाग वैसे विचलित नहीं हुआ जैसे वेलेंसिया के अनुभव से यूरोप विचलित है। सभी देख–जान–समझ रहे हैं कि पृथ्वी ऐसी ही यदि गर्म होती गई तथा जलवायु परिवर्तनों के अनुभवों में मानवता का हर समय जूझते रहना पड़ा तो सदी के आखिर में कहां पहुंचे हुए होंगे, लेकिन बावजूद इसके गंभीर कोई नहीं है!

दूसरी तरफ यह लाइव

आज का राशिफल

मेष राशि–

आज आपका दिन नई उमंगों के साथ शुरू होगा। आपको आर्थिक रूप से अपने सगे संबंधियों की मदद मिलेगी। साथ ही लेन–देन के मामलों में.. आपको सावधानी बरतने की जरुरत है। करियर में भी आपको अपने गुरु का सहयोग प्राप्त होगा.. आप जीवन में आगे बढ़ेंगे।

वृष राशि–

आज आपका दिन उल्लास से भरा रहने वाला है। बिजनेस के किसी काम से आपको यात्रा करनी पड़ सकती है। आपका काम अच्छे से पूरा होगा। आज आप कुछ मौज मस्ती के मूड में भी रहेंगे 7 रोजमर्रा की जिंदगी में कुछ नयापन आ सकता है।

मिथुन राशि–

आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहने वाला है। नौकरी कर रहे लोगों के लिए आज का दिन लाभकारी है, उन्हें काम से जुड़ी कोई बड़ी खुशखबरी मिलेगी। सही योजना के तहत आप अपने करियर में बदलाव लाने में सफल होंगे।

कर्क राशि–

आज आपका दिन बेहतर साबित हो सकता है। आज नौकरी करने वाले लोगों की तनख्वाह में बढ़ोतरी होने की भी संभावना है। प्रॉपर्टी से जुड़ी समस्याओं के लिए... भागदौड़ के उपरांत काम बन जायेगा। सगे सम्बन्धियों से अच्छे तालमेल बनेंगे।

सिंह राशि–

आज का दिन व्यस्तता से भरा रहने वाला। मसालेदार खाना खाने से आपकी सेहत में उतार चढ़ाव होगा। आज आपके बड़े भाई आपसे किसी विषय पर चर्चा करेंगे। राजनीति से जुड़े लोगों का आज कोई विरोध कर सकता है।

कन्या राशि–

आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। परिवार में हर्षोल्लास का वातावरण रहेगा। दाम्पत्य जीवन में आपसी सामंजस्य बेहतर बना रहेगा। सेहत के लिहाज से आप चुस्त–दुरुस्त रहेंगे। विद्यार्थियों को अपने लक्ष्यप्राप्ति के लिए शिक्षकों का पूरा–पूरा सहयोग मिलेगा।

तुला राशि–

आज आपका दिन आपके परिवार के लिए नई खुशियां लाया है। वैवाहिक जीवन में मधुरता बढ़ेगी। आज राह चलते किसी अनजान व्यक्ति से बेवजह विवाद से बचें।

वृश्चिक राशि–

आज आपका दिन अनुकूल रहने वाला है। संतान के साथ रिश्ते में मजबूती आयेगी। आज आपको पैतृक सम्पत्ति मिल सकती है। पुराने स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्या से आपको छुटकारा मिलेगा। आज आपके सभी काम आसानी से पूरे होंगे।

धनु राशि–

आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। आज आप दूसरों की हरसंभव मदद करेंगे। पारिवारिक जीवन में ताल मेल बना रहेगा। आज के दिन परिवार के साथ बाहर डिनर करने का प्लान बनायेंगे।

मकर राशि–

आज आप अपने दिन की शुरुआत शांत मन से करेंगे। आपके धन–धान्य में वृद्धि होगी। दोस्तों के साथ कहीं घूमने की प्लानिंग करें। आज आपको फिजूल की बातों में पड़ने से बचना चाहिए।

कुंभ राशि–

आज आपकी दिनचर्या अच्छी रहेगी। आज आपके अंदर पोजिटिविटी बनी रहेगी, जिससे आपका मन...काम करने में लगा रहेगा 7 आपकी भौतिक सुख सुविधाएँ बनी रहेंगी।

मीन राशि–

आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें, किसी भी समस्या को नजरअंदाज न करें। समाज सेवा से जुड़े लोगों का समाज में प्रभाव बढेगा, लोगों का सहयोग मिलेगा। खुशखबरी मिलेगी।

मोदी सरकार की एंट्री, ट्रूडो गर्वनमेंट को दे दिया अहम मैसेज

विदेश मंत्रालय ने कहा कि हम कनाडा में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर बेहद चिंतित हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारतीयों और कनाडाई नागरिकों को समान रूप से सेवाएं प्रदान करने के लिए हमारे कांसुलर अधिकारियों की पहुंच को धमकी, उत्पीड़न और हिंसा से रोका नहीं जाएगा। कनाडा में खालिस्तानी समर्थकों ने हिंदू मंदिर पर हमला किया और वहां पर लोगों के साथ मारपीट की है। वहीं हिंदू मंदिर में तोड़फोड़ करने की भी कोशिश की गई है। अब इस मामले को लेकर मोदी सरकार की तरफ से बयान सामने आ गया है। ब्रैम्पटन, कनाडा में हिंसा के संबंध में मीडिया के सवालों के जवाब में प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा कि हम कल ओंटारियो के ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर में चरमपंथियों और अलगाववादियों द्वारा की गई हिंसा की निंदा करते हैं। हम कनाडा सरकार से यह सुनिश्चित करने का आह्वान करते हैं कि सभी पूजा स्थलों को ऐसे हमलों से बचाया जाए। हम यह भी उम्मीद करते हैं कि हिंसा में शामिल लोगों पर कार्रवाई की जाएगी। हम कनाडा में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर बेहद चिंतित हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारतीयों और कनाडाई नागरिकों को समान रूप से सेवाएं प्रदान करने के लिए हमारे कांसुलर अधिकारियों की पहुंच को धमकी, उत्पीड़न और हिंसा से रोका नहीं जाएगा। दूसरी तरफ ओटावा स्थित भारतीय उच्चायोग ने भी एक कड़ा बयान जारी कर हिंदू सभा मंदिर पर भारत विरोधी त्वों द्वारा हाल में किए गए हमले की निंदा की। इस घटना के कारण हिंदू सभा मंदिर और भारतीय वाणिज्य दूतावास द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक कार्यक्रम में बाधा उत्पन्न हो गई। उच्चायोग ने कहा कि हमने टोरंटो के पास ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर के साथ मिलकर आयोजित किए गए वाणिज्य दूतावास के एक शिविर के बाहर आज (तीन नवंबर को) हिंसक व्यवधान देखा जिसे भारत विरोधी तत्वों ने अंजाम दिया था। गौरतलब है कि कनाडा में हिंदू मंदिरों और हिंदुओं पर हमला देखने को मिल रहा है। एक तरफ खालिस्तानी उन्हें मारते हैं तो दूसरी तरफ कनाडा की पुलिस भी कुछ ऐसा ही करती नजर आती है। ऐसा इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि कनाडा से आई तस्वीरों में साफ तौर पर नजर आया कि कनाडा की पुलिस भारतीय समुदाय के साथ धक्का मुक्की उन्हें मारते हुए नजर आ रही है। उसके बाद वहां मौजूद लोगों ने जब पुलिस पर उंगली उठाई तो तमाम पुलिसवाले भारतीयों के खिलाफ हो गए। लेकिन उन्होंने एक बार भी खालिस्तानियों के खिलाफ कुछ नहीं बोला।

काश्मीर में सेना का ऐसा एक्शन, इजरायल में मना जश्न!

आतंकियों के इन दोनों ही कमांडर्स ने भारत और इजरायल की सेना पर भी कई हमले किए थे। मगर आप इसे कर्मों का फल ही कह सकते हैं। दोनों एक ही दिन मारे गए हैं। दोनों को एक ही जैसी मौत मिली है। भारत और इजरायल दोनों ने ही अपनी अपनी सफलता का जबरदस्त तरीके से ऐलान कर दिया है। भारत और इजरायल की सेना को एक ही दिन में एक ही समय पर ऐसी सफलता मिली, जिसे देखकर आपको यकीन नहीं होगा। भारत और इजरायल की सेना अलग अलग मिशन पर निकली थी। लेकिन दोनों ही सेनाओं को एक धमाकेदार खबर मिली। भारत और इजरायल ने एक ही दिन में आतंकी कमांडर को दबोच लिए जिनकी तलाश सालों से हो रही थी। भारतीय सेना ने कश्मीर में लश्कर–ए–तैयबा का एक शीर्ष पाकिस्तानी कमांडर उस्मान दबोच लिया। वहीं इजरायल डिफेंस फोर्स के हाथों हिजबुल्ला का एक शीर्ष कमांडर जाफर खादर फौर लग गया। लश्कर के उस्मान ने भारत और हिजबुल्ला के जाफर ने इजरायल में कई मासूम लोगों को मारा था। आतंकियों के इन दोनों ही कमांडर्स ने भारत और इजरायल की सेना पर भी कई हमले किए थे। मगर आप इसे कर्मों का फल ही कह सकते हैं। दोनों एक ही दिन मारे गए हैं। दोनों को एक ही जैसी मौत मिली है। भारत और इजरायल दोनों ने ही अपनी अपनी सफलता का जबरदस्त तरीके से ऐलान कर दिया है। आपको पहले बताते हैं कि कश्मीर में क्या हुआ। दरअसल, सेना को सूचना मिली की खानयार के इलाके में कोई बड़ा आतंकी इस घर में छिपा बैठा है। घनी आबादी वाले खानयार इलाके में घेराबंदी कर तलाश अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि इस दौरान आतंकवादियों ने सुरक्षाबलों पर गोलियां चलाईं, जिसके बाद सुरक्षा बलों ने भी जवाबी कार्रवाई की और तलाश अभियान मुठभेड़ में बदल गया। अभियान के दौरान जिस घर में आतंकवादी छिपे हुए थे वहां आग लग गई और आसमान में घना धुआं उठता देखा गया। अधिकारी ने कहा कि मुठभेड़ में उस्मान मारा गया। उस्मान कई वर्षों से घाटी में सक्रिय था और निरीक्षक मसरूर वानी की हत्या में भी शामिल था। अक्टूबर, 2023 में ईदगाह मैदान में क्रिकेट खेलते समय वानी की नजदीक से गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। दूसरी तरफ इजरायल ने दक्षिणी लेबनान के जौइया क्षेत्र में नासिर यूनिट के मिसाइल और रॉकेट एरे के कमांडर जाफर खादर फाउर को मार गिराया। फाउर पूर्वी लेबनान से किए गए आतंकवादी हमलों के लिए जिम्मेदार था। जहां से 8 अक्टूबर को इजरायली क्षेत्र की ओर पहला रॉकेट लॉन्च किया गया था।

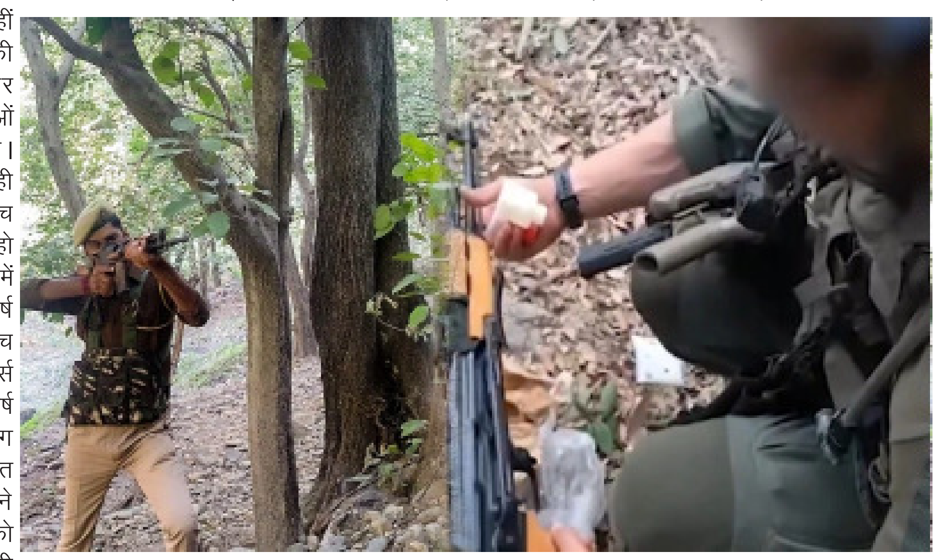

मैं एक ऐसा राष्ट्र देखती हूं जो नफरत, भेदभाव को खत्म करने के लिए दृढ़ संकल्पित है –हैरिस

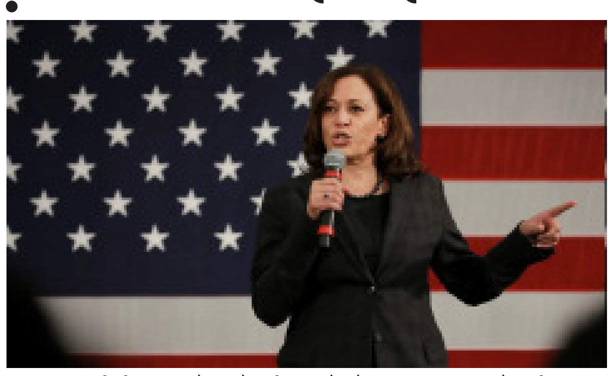

कमला हैरिस ने कहा कि पूरे देश में अपनी यात्रा के दौरान उन्होंने देखा कि लोग नफरत तथा भेदभाव को खत्म करने के लिए और आगे बढ़ने का नया रास्ता तैयार करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। अपने प्रचार अभियान में हैरिस ने कहा कि मैं देखती हूं कि हमारे यहां युवा पीढ़ी, युवा नेताओं की संख्या अच्छी खासी है।वाशिंगटन । अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार एवं उप राष्ट्रपति कमला हैरिस ने कहा कि पूरे देश में अपनी यात्रा के दौरान उन्होंने देखा कि लोग नफरत तथा भेदभाव को खत्म करने के लिए और आगे बढ़ने का नया रास्ता तैयार करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। हैरिस ने मिशिगन के डेट्रॉयट स्थित एक चर्च में अपने भाषण में कहा, ''जब मैं अपने खूबसूरत देश में एक राज्य से दूसरे राज्य और एक चर्च से दूसरे चर्च की यात्रा करती हूं तो मेरे मन को काफी सुकून मिलता है। मैं एक ऐसा राष्ट्र देखती हूं जो नफरत और भेदभाव को खत्म करने और देश को आगे बढ़ाने के लिए नया मार्ग तैयार के वास्ते दृढ़ संकल्पित है।''हैरिस ने कहा कि अपने प्रचार अभियान के दौरान उन्होंने देखा कि तथाकथित 'रेड स्टेट' (जहां मुख्य मतदाता एक तरफा रिपब्लिकन पार्टी को वोट देते हैं) और तथाकथित 'ब्लू स्टेट' (जहां मुख्य मतदाता एक तरफा डेमोक्रेटिक पार्टी को वोट देते हैं) के लोग इतिहास को बदलने के लिए तैयार हैं। अपने प्रचार अभियान के अंतिम चरण में हैरिस ने कहा, ''मैं देखती हूं कि हमारे यहां युवा पीढ़ी, युवा नेताओं की संख्या अच्छी खासी है। यह देखकर आपको प्रेरणा मिलेगी कि वे किस तरह बदलाव के लिए एकजुट हो रहे हैं। मुझे इस पीढ़ी के बारे में जो बात पसंद है, वह यह है कि वे हमेशा उत्सुक रहते हैं। जब मैं अपने देश की यात्रा करती हूं, तो मैं देखती हूं कि जो पड़ोसी कभी एक दूसरे के लिए अजनबी थे वे अब एक दूसरे की मदद कर रहे हैं।'' उन्होंने यह भी कहा कि कुछ लोग भेदभाव को बढ़ाना चाहते हैं, नफरत फैलाना चाहते हैं,

भय फैलाना चाहते हैं और अराजकता पैदा करना चाहते हैं लेकिन ''हमारे देश में यह चीज (लोगों की एकजुटता) दलीय राजनीति से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है।

खतरनाक वायु गुणवत्ता के कारण लाहौर में प्राथमिक स्कूल एक सप्ताह के लिए बंद

लाहौर में वायु गुणवत्ता की खतरनाक स्थिति के कारण अधिकारियों ने प्राथमिक स्कूलों को एक सप्ताह के लिए बंद कर दिया। यह कदम 1.4 करोड़ की आबादी वाले शहर में बच्चों को श्वसन संबंधी और अन्य बीमारियों से बचाने के बड़े प्रयास के तहत उठाया गया है। लाहौर में पिछले महीने से ही वायु गुणवत्ता खराब होने लगी थी। लाहौर । पाकिस्तान की सांस्कृतिक राजधानी लाहौर में वायु गुणवत्ता की खतरनाक स्थिति के कारण अधिकारियों ने प्राथमिक स्कूलों को एक सप्ताह के लिए बंद कर दिया। यह कदम 1.4 करोड़ की आबादी वाले शहर में बच्चों को श्वसन संबंधी और अन्य बीमारियों से बचाने के बड़े प्रयास के तहत उठाया गया है। भारत की सीमा से लगते पूर्वी पंजाब प्रांत की राजधानी लाहौर में पिछले महीने से ही वायु गुणवत्ता खराब होने लगी थी और विषैले धुएं से मुख्य रूप से बच्चों तथा बुजुर्गों समेत हजारों लोग बीमार होने लगे थे।सरकार ने कुछ इलाकों में निर्माण कार्य पर भी रोक लगा दी है और धुआं छोड़ने वाले वाहनों के मालिकों पर जुर्माना लगाया है। सरकारी अधिसूचना के अनुसार, प्रदूषण के कारण स्कूल एक सप्ताह तक बंद रहेंगे। पंजाब पर्यावरण संरक्षण विभाग ने बताया कि हवा में प्रदूषक तत्व पीएम 2.5 की सांद्रता 450 के करीब पहुंच गई है, जिसे खतरनाक माना जाता है। लाहौर को कभी बागों के शहर के रूप में जाना जाता था, जो 16वीं से 19वीं शताब्दी तक लगभग हर जगह देखने को मिलते थे। लेकिन तेजी से बढ़ते शहरीकरण और बढ़ती जनसंख्या वृद्धि की वजह से हरियाली के लिए बहुत कम जगह रह गई है।

खालिस्तानियों ने लांघी सीमा, हिंदुओं पर हमले के बाद भड़के सांसद ने कहा– रेड लाइन हो गई क्रास

कनाडा में जो रवैया सरकार का है वहीं रवैया पुलिस का भी है। खालिस्तानी इसका फायदा उठाकर हिंदू धर्म स्थलों को निशाना बना रहे हैं। कनाडा के ब्रैम्पटन में एक मंदिर पर कथित खालिस्तानी चरमपंथियों द्वारा लाठी डंडों से हमला किया गया। प्रदर्शनकारी खालिस्तान के समर्थन में बैनर पकड़े नजर आए। रिपोर्ट में कहा गया है कि वीडियो में लोग हाथापाई और एक–दूसरे पर डंडों से हमला करते हुए नजर आ रहे हैं और यह घटना हिंदू सभा मंदिर के आसपास के मैदान में होती प्रतीत हो रही है। कनाडा में हिंदुओं पर हुए हमले की अब पूरी दुनिया में निंदा हो रही है। कनाडा में हिंदू मंदिरों और हिंदुओं पर हमला देखने को मिल रहा है। एक तरफ खालिस्तानी उन्हें मारते हैं तो दूसरी तरफ कनाडा की पुलिस भी कुछ ऐसा ही करती नजर आती है। ऐसा इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि कनाडा से आई तस्वीरों में साफ तौर पर नजर आया कि कनाडा की पुलिस भारतीय समुदाय के साथ धक्का मुक्की उन्हें मारते हुए नजर आ रही है। उसके बाद वहां मौजूद लोगों ने जब पुलिस पर उंगली उठाई तो तमाम पुलिसवाले भारतीयों के खिलाफ हो गए। लेकिन उन्होंने एक बार भी खालिस्तानियों के खिलाफ कुछ नहीं बोला। कनाडा में जो रवैया सरकार का है वहीं रवैया पुलिस का भी है। खालिस्तानी इसका फायदा उठाकर हिंदू धर्म स्थलों को निशाना बना रहे हैं। कनाडा के ब्रैम्पटन में एक मंदिर पर कथित खालिस्तानी चरमपंथियों द्वारा लाठी डंडों से हमला किया गया। प्रदर्शनकारी खालिस्तान के समर्थन में बैनर पकड़े नजर आए। रिपोर्ट में कहा गया है कि वीडियो में लोग हाथापाई और एक–दूसरे पर डंडों से हमला करते हुए नजर आ रहे हैं और यह घटना हिंदू सभा मंदिर के आसपास के मैदान में होती प्रतीत हो रही है। कनाडा में हिंदुओं पर हुए हमले की अब पूरी दुनिया में निंदा हो रही है। कनाडा में भारतीय मूल के सांसद चंद्र आर्य ने इस हमले को लेकर कहा कि खालिस्तानियों ने अब रेड लाइन पार कर दी है। चंद्र आर्य ने कहा कि ब्रैम्पटन में एक मंदिर में हिंदू कनाडाई भक्तों पर हमला किया। ये हमला कोई रोड पर नहीं था बल्कि परिसर के भीतर घुसकर लाठी डंडों से मारा गया। चंद्र आर्य ने कहा कि ये बताता है कि कनाडा में खालिस्तानी हिंसक चरमपंथ कितना गहरा और बेशर्म हो गया है। मुझे लगने लगा है कि इन रिपोर्टों में सच्चाई है कि कनाडा के राजनीतिक तंत्र के अलावा खालिस्तानियों ने हमारी कानून प्रवर्तन एजेंसियों में भी घुसपैठ कर दी है। मैं लंबे समय से कह रहा हूं कि हिंदू कनाडाई लोगों को अपने समुदाय की सुरक्षा के लिए आगे आना चाहिए। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने ब्रैम्पटन में एक मंदिर पर कथित खालिस्तानी चरमपंथियों द्वारा किए गए हमले की निंदा करते हुए कहा कि प्रत्येक कनाडाई को अपनी आस्था का स्वतंत्र तरीके से और सुरक्षित माहौल में पालन करने का अधिकार है।

लास्ट मोमेंट कैंपेन में कमला हैरिस ने लगा दिया एड़ी से लेकर चोटी तक का जोर, अमेरिकी चुनाव इस बार जाएगा किस ओर ?

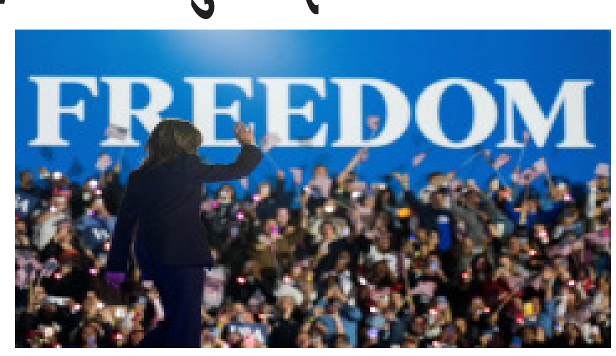

कमला हैरिस ने कहा कि मैं देखती हूं कि हमारे यहां युवा पीढ़ी, युवा नेताओं की संख्या अच्छी खासी है। यह देखकर आपको प्रेरणा मिलेगी कि वे किस तरह बदलाव के लिए एकजुट हो रहे हैं। मुझे इस पीढ़ी के बारे में जो बात पसंद है, वह यह है कि वे हमेशा उत्सुक रहते हैं। जब मैं अपने देश की यात्रा करती हूं, तो मैं देखती हूं कि जो पड़ोसी कभी एक दूसरे के लिए अजनबी थे वे अब एक दूसरे की मदद कर रहे हैं। हैरिस को मतदाताओं से कहा कि आइए याद रखें कि आपका वोट आपकी आवाज है और आपकी आवाज आपकी ताकत है। हैरिस के इतना कहते ही समारोह तालियों से गूंज उठा।अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव का काउंटडाउन शुरू हो चुका है। 5 नवंबर को अमेरिकी जनता अपना अगला राष्ट्रपति चुनने के लिए वोट डालेगी। रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प और डेमोक्रेटिक पार्टी का प्रतिनिधित्व करने वाली कमला हैरिस के बीच ये मुकाबला है। अपनी–अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए दोनों उम्मीदवार एड़ी से लेकर चोटी तक का जोर लगा रहे हैं। अमेरिकी उपराष्ट्रपति और डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस मिशिगन के डेट्रॉयट स्थित एक चर्च में अपने भाषण में कहा कि जब मैं अपने खूबसूरत देश में एक राज्य से दूसरे राज्य और एक चर्च से दूसरे चर्च की यात्रा करती हूं तो मेरे मन को काफी सुकून मिलता है। इस दौरान ब्रेंडन गुटेनश्वेगर द्वारा फिल्माए गए फुटेज में मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी में रैली में भीड़ को जयकार करते और ताली बजाते हुए सुना जा सकता है।कमला हैरिस ने कहा कि मैं देखती हूं कि हमारे यहां युवा पीढ़ी, युवा नेताओं की संख्या अच्छी खासी है। यह देखकर आपको प्रेरणा मिलेगी कि वे किस तरह बदलाव के लिए एकजुट हो रहे हैं। मुझे इस पीढ़ी के बारे में जो बात पसंद है, वह यह है कि वे हमेशा उत्सुक रहते हैं। जब मैं अपने देश की यात्रा करती हूं, तो मैं देखती हूं कि जो पड़ोसी कभी एक दूसरे के लिए अजनबी थे वे अब एक दूसरे की मदद कर रहे हैं। हैरिस को मतदाताओं से कहा कि आइए याद रखें कि आपका वोट आपकी आवाज है और आपकी आवाज आपकी ताकत है। हैरिस के इतना कहते ही समारोह तालियों से गूंज उठा। अमेरिका में वोटिंग के लिए एक ही दिन का समय बचा है। कमला हैरिस ने चुनाव प्रचार के आखिरी चरण में जीत के लिए एड़ी से लेकर चोटी तक का जोर लगा दिया है। पॉप सुपरस्टार बियॉन्से ने डेमोक्रेटिक उम्मीदवार कमला हैरिस के समर्थन में ह्यूस्टन में आयोजित रैली में शिरकत की थी।

इसके अलावा कई बड़े फिल्म स्टार्स और पॉप स्टार कमला हैरिस के समर्थन में खड़े हो गए हैं। कमला हैरिस की हर रैली में एक नया स्टार दिखई दे रहा है। ओबामा दंपति से लेकर हॉलिवुड स्टार्स उनकी रैलियों में पहुंच रहे हैं। कमला हैरिस हर रैली में वोटर्स को बता रही हैं कि उनके जीतने पर क्या बदलेगा और ट्रंप के जीतने पर क्या होगा?

इस देश में गुस्साए लोगों ने अपने राजा का किया गालियों से स्वागत, फेंके अंडे और कीचड़, वजह जानकर चौंक जाएंगे आप

आपको बता दें कि स्पेन अब तक की सबसे भयावह बाढ़ से जूझ रहा है। स्पेन में बाढ़ ने ऐसी तबाही मचाई है कि लोगों में गुस्सा पनप रहा है। 200 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है। इससे एक बड़ा इलाका प्रभावित हुआ है। कहा जा रहा है कि 1967 की बाढ़ के बाद ये यूरोप में आया बेहद ही खतरनाक बाढ़ है जिससे बड़ी संख्या में लोग प्रभावित हुए हैं। इसके लिए स्पेन की सरकार लगातार काम कर रही है। स्पेन के राजा फिलिप ट५ का विरोध उनकी ही जनता ने किया। स्पेन के राजा जब बाढ़ प्रभावितों से मिलने के लिए जब पेपोर्टा पहुंचे तो वहां पर लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। स्पेन के राजा पर मर्डरर–मर्डरर और गेट आउट–गेट आउट के साथ ही उन पर कई सारे समाना फेंके गए। अंडे, कीचड़ फेंकने के साथ ही उन्हें भद्दी–भद्दी गालियां भी दी गई। जब राजा ने लोगों से बात करने की कोशिश की तो लोग उन पर चिल्लाने लगे। पुलिस को उन्हें रोकने के लिए सामने आना पड़ा। कीचड़ से राजा को बचाने के लिए छाते खोले गए। स्पेन से आई इन तस्वीरों के बाद अब मिली–जुली प्रतिक्रिया सोशल मीडिया पर देखने को मिल रही है। पेपोर्टा के आम लोगों ने राजा का खूब विरोध किया। उन्हें बचाने के लिए उनके सिक्योरिटी गार्ड्स ने छातों का सहारा लिया। लेकिन उससे काम नहीं बना। इससे पहले कि किंग फिलिप और क्वीन लेतिजिया को यहां पर लोगों से हाथ मिलाते हुए देखा गया था। आपको बता दें कि स्पेन अब तक की सबसे भयावह बाढ़ से जूझ रहा है। स्पेन में बाढ़ ने ऐसी तबाही मचाई है कि लोगों में गुस्सा पनप रहा है। 200 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है। इससे एक बड़ा इलाका प्रभावित हुआ है। कहा जा रहा है कि 1967 की बाढ़ के बाद ये यूरोप में आया बेहद ही खतरनाक बाढ़ है जिससे बड़ी संख्या में लोग प्रभावित हुए हैं। इसके लिए स्पेन की सरकार लगातार काम कर रही है। पर लोगों के बीच जब स्पेन के राजा पहुंचे तो उनका गुस्सा उन पर फूट पड़ा। तस्वीरों में वो वहां से जाते हुए नजर आए। उनको उनके सिक्योरिटी गार्ड्स बचाने की कोशिश करते हैं लेकिन उन पर लगातार हमले होते हैं। उनके साथ मौजूद लोगों के साथ धक्का मुक्की होती है। यहां तक की एक व्यक्ति छड़ी से उन्हें मारने की कोशिश तक करता है। स्पेन के पूर्वी हिस्से में अचानक आई भीषण बाढ़ के तीन दिन बाद बचावकर्मी फंसी कारों और इमारतों में शवों की तलाश कर रहे थे। कई लोग अब भी लापता हैं। बाढ़ इतनी विनाशकारी थी कि यह रास्ते में आने वाली हर चीज को बहा ले गई।

lhfj;k e tehuh geyk djd bljku l tM lhfj;kbl ukxfjd dk idMk&bt jkby

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को लेबनान की सीमा का दौरा किया और कहा कि उनका ध्यान हिजबुल्ला को ईरान की तरफ से भेजे जा रहे हथियार हासिल करने से रोकने पर है। इजराइल की सेना ने रविवार को बताया कि उसने सीरिया में जमीनी हमला करके ईरान से जुड़े सीरियाई नागरिक को पकड़ा है। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध में ऐसा पहली बार हुआ है जब इजराइल ने सीरिया में अपने सैनिक भेजने की जानकारी दी है, हालांकि अभी सीरिया ने इसकी पुष्टि नहीं की। इजराइल ने लेबनान के चरमपंथी समूह हिज्बुल्ला के सदस्यों और ईरान के अधिकारियों को निशाना बनाने के लिए बीते एक साल सीरिया में कई बार हवाई हमले किए है। ईरान हिजबुल्ला और सीरिया दोनों का करीबी सहयोगी है। लेकिन इससे पहले उसने सीरिया में अपने किसी भी जमीनी हमले की जानकारी सार्वजनिक नहीं की। इजराइली सेना के एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि नौसेना के जवानों ने उत्तरी लेबनान के एक शहर में हमला करके एक व्यक्ति को पकड़ा है। उन्होंने पकड़े गए व्यक्ति को हिजबुल्ला का वरिष्ठ सदस्य बताया। इजराइली सेना रविवार को जारी बयान में यह नहीं बताया कि उसने सीरिया में कब और कहां हमला किया। इजराइल के अनुसार पकड़े गए व्यक्ति की पहचान अली सुलेमान अल–असी के रूप में हुई है। इजराइली सेना ने बताया कि वह दक्षिणी सीरिया के सेदा में रहता था और कई महीने से वह उस पर नजर रख रही थी। सेना ने बताया कि वह सीरिया की सीमा के पास इजराइल के कब्जे वाले गोलान हाइट्स के इलाकों को निशाना बनाने की ईरान की योजना में भी शामिल था। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को लेबनान की सीमा का दौरा किया ।

टीम इंडिया की शर्मनाक हार पर ये क्या कह गए डेविड वार्नर, फैंस के जले पर छिड़का नमक

भारत को घर पर न्यूजीलैंड के हाथों क्लीन स्वीप झेलने के बाद 22 नवंबर से ऑस्ट्रेलिया में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने भारतीय बल्लेबाजी को चिंता का विषय बता दिया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में सूपड़ा साफ होने के बाद

भारतीय टीम सवालों के घेरे में है। हर तरफ भारतीय बल्लेबाजी की कड़ी आलोचना हो रही है। ऋषभ पंत को छोड़कर कोई भी भारतीय बल्लेबाज कीवी गेंदबाजों के सामने नहीं टिक पाया। सरफराज खान ने 171 रन जरूर बनाए लेकिन वह पांच पारियों में फ्लॉप रहे। भारत को घर पर न्यूजीलैंड के हाथों क्लीन स्वीप झेलने के बाद 22 नवंबर से ऑस्ट्रेलिया में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने भारतीय बल्लेबाजी को चिंता का विषय बता दिया है। वहीं डेविड वॉर्नर ने भारतीय टीम के जख्म पर नमक छिड़कते हुए ऑस्ट्रेलिया दौरे को लेकर वॉर्निंग दी है। वॉर्नर ने फॉक्स स्पोर्ट्स से कहा कि, इससे ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को मदद मिलेगी। भारतीय खिलाड़ी 3–0 से हारने के बाद यहां आ रहे हैं। वे ऑस्ट्रेलिया टीम के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों में उतरेंगे, जिसके पास तीन वर्ल्ड क्लास तेज गेंदबाज और एक वर्ल्ड क्लास स्पिन गेंदबाज है। अगर मैं भारत के बल्लेबाजी क्रम में हू तो मैं भी नर्वस होता। हालांकि, वॉर्नर ने न्यूजीलैंड की फील्डिंग की सराहना की और उपमहाद्वीप में उनके प्रदर्शन को शानदार बताया। वॉर्नर ने कहा कि, मैं उनके पहले टेस्ट को देखूं तो उन्होंने कुछ बेहतरीन कैच पकड़े थे। इससे माहौल तैयार हो गया। अगर आप इस तरह के कैच लेते हैं और आप बढ़त हासिल करते हैं। सीरीज में 1–0 से आगे रहते हैं तो य बड़ी बात है। मुझे पता है कि भारत में जीतना कितना मुश्किल है। न्यूजीलैंड ने जो कारनामा किया है वो बेहतरीन है।

आस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को चारों खाने किया चित, सीरीज में 1–0 की बढ़त हासिल की

मेजबान ऑस्ट्रेलिया तीन मैचों की वनडे सीरीज में 1–0 की बढ़त हासिल कर ली है। कप्तान पैट कमिंस ने दो विकेट भी चटकाए और 32 रन बनाकर नाबाद लौटे। पाकिस्तान तीन–तीन मैचों की वनडे और टी20 सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर है। ऑस्ट्रेलिया ने मेहमान टीम पाकिस्तान को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर दो विकेट से हराकर हरा दिया। इसके साथ ही मेजबान ऑस्ट्रेलिया तीन मैचों की वनडे सीरीज में 1–0 की बढ़त हासिल कर ली है। कप्तान पैट कमिंस ने दो विकेट भी चटकाए और 32 रन बनाकर नाबाद लौटे। पाकिस्तान तीन–तीन मैचों की वनडे और टी20 सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर है। मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में खेले गए ये मुकाबला काफी ज्यादा रोमांचक स्थिति में पहुंचा। लो स्कोरिंग मैच में दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर हुई। एक समय ऑस्ट्रेलिया को 19 रनों की जरुरत थी, जबकि उसके महज दो ही विकेट बचे थे। इसके बाद कप्तान पैट कमिंस ने जिम्मा उठाया और मेजबान टीम को रोमांचक मैच में जीत दिलाई। पाकिस्तान 203 रनों पर सिमट गया जिसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने 33.3 ओवर में 8 विकेट पर 204 रन बनाकर पहला मुकाबला जीत लिया। 204 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत भी कुछ खास नहीं रही। ऑस्ट्रेलिया ने 28 रनों तक मैथ्यू शॉर्ट और जेक फ्रेजर मैकगर्क के विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद स्टीव स्मिथ और जोश इंग्लिश ने मिलकर स्कोर 113 रनों तक पहुंचाया। स्मिथ 44 रन बनाकर जबकि जोश 49 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद एक के बाद एक विकेट गिरते चले गए और ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 185 रनों पर आठ विकेट हो गया। कप्तान पैट कमिंस ने स्टार्क के साथ मिलकर टीम को दो विकेट से रोमांचक जीत दिलाई।

पाकिस्तान स्पिन ट्रैक पर भारत को... वसीम अकरम के बयान पर लग जाएगी भारतीय फैंस को मिर्ची

न्यूजीलैंड ने भारत को घर पर टेस्ट सीरीज में 3–0 से रौंदा। इस हार के बाद भारतीय टीम की निंदा पूरी दुनिया में हो रही है। ऐसे में पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान कहां पीछे रहने वाला है। पाकिस्तान के कई क्रिकेट एक्सपर्ट भारत की इस हार पर अपनी–अपनी राय दे रहे हैं। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में भारत को पहली बार घरेलू जमीं पर हार का सामना करना पड़ा है। न्यूजीलैंड ने भारत को घर पर टेस्ट सीरीज में 3–0 से रौंदा। इस हार के बाद भारतीय टीम की निंदा पूरी दुनिया में हो रही है। ऐसे में पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान कहां पीछे रहने वाला है। पाकिस्तान के कई क्रिकेट एक्सपर्ट भारत की इस हार पर अपनी–अपनी राय दे रहे हैं। ऐसे में पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने जो बयान दिया है उससे भारतीय फैंस के लिए पचा पाना मुश्किल होगा। दरअसल, वसीम अकरम ने कहा है कि अगर पाकिस्तान टीम स्पिन ट्रैक पर भारत के खिलाफ खेलती है तो वह जीत सकती है। ये बात उन्होंने ऑस्ट्रेलिया वर्सेस पाकिस्तान पहले वनडे के दौरान कमेंट्री करते हुए कही। ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के बीच तीन मैच की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला मेलबर्न में खेला जा रहा है। इस दौरान माइकल वॉन और वसीम अकरम एक साथ कमेंट्री कर रहे थे। उस दौरान वॉन ने भारत की हार पर चर्चा करते हुए कहा कि, मैं भारत और पाकिस्तान के बीच टेस्ट सीरीज देखना चाहता हूं। जिसके जवाब में वसीम अकरम बोले कि, ये बहुत बड़ी सीरीज होगी। ये खेल के लिए, क्रिकेट के दीवाने दो देशों के लिए अच्छा होगा। वॉन ने आगे कहा कि पाकिस्तान भारत को टर्निंग ट्रैक पर हरा सकता है। इसके जवाब में वसीम अकरम ने बोले कि, पाकिस्तान के पास अब स्पिनिंग ट्रैक पर भारत को टेस्ट में हराने का मौका है। न्यूजीलैंड ने उन्हें घरेलू मैदान पर 3–0 से हराया है। बता दें कि, पाकिस्तान ने हाल ही में घर पर इंग्लैंड के खिलाफ 2021 के बाद पहली घरेलू सीरीज जीती है। इस सीरीज के पहले मुकाबले में मेजबान टीम को बड़ी हार का सामना करना पड़ा था। जिसके बाद टीम मैनेजमेंट ने बड़े बदलाव करते हुए सीनियर खिलाड़ियों को रेस्ट दिया और कुछ स्पिनर्स को मौका दिया। अगले दो मैच पाकिस्तान अपने स्पिनर्स नोमान अली और साजिद खान के दम पर जीतने में कामयाब रहा। इन दोनों ने दो मैचों में 40 में से 39 विकेट झटके थे।

चार साल तक साल तक पानी पिलाने के बाद मौके का पूरा फायदा उठाया

न्यूजीलैंड की भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में 3–0 से जीत में अहम भूमिका निभाने वाले विल यंग ने चार साल तक रिजर्व बल्लेबाज के रूप में मैदान पर पानी पहुंचाने के बाद मिले इस मौके को अपनी खुद की पहचान बनाने के अवसर के रूप में देखा जिसमें वह सफल रहे। मुंबई । केन विलियमसन जैसे दिग्गज खिलाड़ी की जगह भरना आसान नहीं होता लेकिन न्यूजीलैंड की भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में 3–0 से जीत में अहम भूमिका निभाने वाले विल यंग ने चार साल तक रिजर्व बल्लेबाज के रूप में मैदान पर पानी पहुंचाने के बाद मिले इस मौके को अपनी खुद की पहचान बनाने के अवसर के रूप में देखा जिसमें वह सफल रहे। विलियमसन चोटिल होने के कारण तीनों टेस्ट मैच में नहीं खेल पाए जिससे यंग को अंतिम एकादश में जगह बनाने का मौका मिला जिसका उन्होंने पूरा फायदा उठाया। शीर्ष क्रम के इस बल्लेबाज ने बेंगलुरु में खेले गए पहले टेस्ट मैच में नाबाद 48 रन बनाकर संकेत दे दिया था कि वह खुद को साबित करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।यंग ने न्यूजीलैंड की ऐतिहासिक जीत के बाद पत्रकारों से कहा,"चार साल पहले पदार्पण करने के बाद मैं टीम से अंदर बाहर होता रहा। मैं वर्षों तक रिजर्व बल्लेबाज रहा इसलिए मैं मैदान पर पानी पहुंचाने की भूमिका निभाने वाले खिलाड़ी की भावना को अच्छी तरह से समझता हूं।' ' उन्होंने कहा,"जब मुझे मौका मिला तो मैं अपनी तरह से खेलने को लेकर अधिक उत्साहित था तथा मैंने केन की जगह लेने का प्रयास नहीं किया। मैंने अपना नैसर्गिक खेल खेला। मैंने इसे केन की जगह लेने के बजाय खुद के लिए बड़े मौके के रूप में देखा।''उन्होंने कहा कि भारत दौरे से पहले स्वदेश में अभ्यास सत्रों के दौरान विलियमसन ने खिलाड़ियों को भारतीय उपमहाद्वीप में खेलने को लेकर महत्वपूर्ण सलाह दी जिसका टीम को फायदा मिला। उन्होंने कहा, ''दुर्भाग्य से केन चोटिल होने के कारण टीम के साथ यहां नहीं आ पाया। वह बहुत अच्छा इंसान है जिससे आप पूछ सकते हैं कि मैच की इन परिस्थितियों के बारे में वह क्या सोचते हैं। हमने यहां आने से पहले तीन अभ्यास शिविर में भाग लिया था और वह इनमें मौजूद था।'' यंग ने तीन टेस्ट मैच में 244 रन बनाए। उन्होंने तीसरे टेस्ट मैच में 71 और 51 रन की दो शानदार पारियां खेली जिससे न्यूजीलैंड श्रृंखला में क्लीन स्वीप करने में सफल रहा।

श्रीलंका और भारत में टीम के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद Gautam Gambhir पर उठ रहे सवाल

न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला में अभूतपूर्व हार ने गौतम गंभीर को भारतीय टीम का मुख्य कोच नियुक्त होने के बमुश्किल तीन महीने बाद ही भारी दबाव में डाल दिया है। गंभीर को काफी धूमधाम से राष्ट्रीय टीम के कोच पद पर नियुक्त किया गया था। उन्हें ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए चयन समिति की बैठक में भी शामिल किया गया था। नयी दिल्ली । श्रीलंका और न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला में अभूतपूर्व हार ने गौतम गंभीर को भारतीय टीम का मुख्य कोच नियुक्त होने के बमुश्किल तीन महीने बाद ही भारी दबाव में डाल दिया है। गंभीर को काफी धूमधाम से राष्ट्रीय टीम के कोच पद पर नियुक्त किया गया था। उन्हें इसके साथ ही ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए चयन समिति की बैठक में भी शामिल किया गया था। राष्ट्रीय टीम के साथ उनके शुरुआती रिपोर्ट कार्ड से साफ पता चलता है कि भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज के लिए चीजें अच्छी नहीं दिख रही हैं।गंभीर को टीम चयन मामलों में भी काफी छूट दी गयी है और ऑस्ट्रेलिया दौरे पर अगर टीम के प्रदर्शन में बड़ा सुधार नहीं होता है तो आने वाले समय में टीम से संबंधित मुद्दों पर उतनी अहम भूमिका नहीं निभा पाएंगे।गंभीर के कमान संभालने के तुरंत बाद, भारत 27 वर्षों में पहली बार श्रीलंका से एकदिवसीय श्रृंखला हार गया और फिर न्यूजीलैंड ने रविवार को घरेलू टेस्ट में अपनी टीम का 3–0 से सफाया कर दिया। भारत का इससे पहले कभी भी तीन या उससे अधिक मैचों की श्रृंखला में सूपड़ा साफ नहीं हुआ था। टीम के साथ कोच केवल योजना ही बना सकता है लेकिन स्पिनरों के खिलाफ भारतीय बल्लेबाजों की कमजोरी जानने के बावजूद मुंबई में पूरी तरह से स्पिनरों की मददगार पिच के चयन करने पर उन पर सवाल उठ रहे हैं।गंभीर हर परिस्थिति में खिलाड़ियों से एक ही जैसा रवैया चाहते है, जिसे भारतीय क्रिकेट से करीब से जुड़े लोगों के लिए भी समझना मुश्किल है।

मोहम्मद शमी को लेकर आई बुरी खबर, रणजी के अगले 2 राउंड से बाहर हुए अनुभवी गेंदबाज

मोहम्मद शमी को एक्शन में देखने के लिए फैंस को अभी और इंतजार करना होगा। शमी जो रणजी ट्रॉफी में नजर आने वाले थे वह अगले दो राउंड के मुकाबलों से बाहर हो गए हैं। बंगाल के लिए खेलने वाले ये तेज गेंदबाज के लिए बड़ा झटका है।टीम इंडिया से बाहर चल रहे मोहम्मद शमी को एक्शन में देखने के लिए फैंस को अभी और इंतजार करना होगा। शमी जो रणजी ट्रॉफी में नजर आने वाले थे वह अगले दो राउंड के मुकाबलों से बाहर हो गए हैं। बंगाल के लिए खेलने वाले ये तेज गेंदबाज के लिए बड़ा झटका है। 34 साल के शमी ने अपना पिछला मैच वनडे वर्ल्ड कप में खेला गया था। अहमदाबाद में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ फाइनल मैच के बाद से मैदान पर नजर नहीं आए हैं। उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के लिए चुना नहीं गया था। वह बंगाल के पहले दो राउंड के मुकाबलों के लिए टीम का हिस्सा नहीं होंगे। बंगाल को पहला मैच बेंगलुरु और दूसरा मैच इंदौर में खेलना है। इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक बंगाल के कोच लक्ष्मी रत्न शुक्ला ने कहा था कि शमी ऑस्ट्रेलिया के दौरे के लिए खुद को तैयार कर रहे थे। ऐसा करने से पहले वह रणजी ट्रॉफी खेलने चाहते हैं ताकि उन्हें मैच टाइम मिले। कोच को इस बात की भी खुशी थी कि टीम के चार खिलाड़ी इंडिया और इंडिया ए के लिए खेलते हैं। हालांकि, फिलहाल ये संभव होता नहीं दिख रहा है।

शादी से पहले मुंहासों से छुटकारा पाने के लिए अपनाएं ये नुस्खे, त्वचा भी निखरेगी

शादी का दिन दुल्हनों के जीवन का सबसे यादगार दिन होता है, जिस दौरान उन्हें त्वचा की खास देखभाल करनी होती है।हालांकि, त्वचा की देखभाल करने के बावजूद भी कई बार चेहरे पर मुंहासे आ जाते हैं, जो आत्मविश्वास को कम कर देते हैं।ऐसे में दुल्हनों को शादी से पहले मुंहासों से सुरक्षित रहने के लिए कुछ घरेलू उपचार अपनाने चाहिए।आज के शादी के टिप्स में जानिए होने वाली दुल्हनें मुंहासों से छुटकारा कैसे पा सकती हैं।

केमिकल एक्सफोलिएशन का लें सहारा

जब हमारी त्वचा अंदरूनी तौर पर अस्वस्थ होती है, तभी चेहरे पर मुंहासे निकलते हैं। ऐसे में त्वचा को स्वस्थ बनाने के लिए कई तरह के ट्रीटमेंट उपलब्ध होते हैं, जिनमें से आप केमिकल एक्सफोलिएशन का चुनाव कर सकती हैं।इसके लिए आपको सैलिसिलिक एसिड या ग्लाइकोलिक एसिड जैसे उत्पादों का इस्तेमाल करना होगा।ये तत्व त्वचा में प्रवेश करके मृत त्वचा कोशिकाओं को हटाते हैं

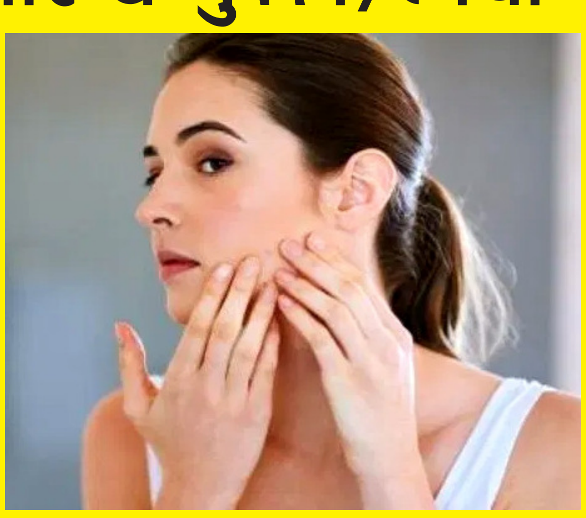

और मुंहासों की उपस्थिति को कम करके आपकी त्वचा को साफ करते हैं।

सेब के सिरके का करें इस्तेमाल

आप मुंहासों को दूर करने के लिए अपने चेहरे पर सेब का सिरका भी लगा सकती हैं।यह एक प्रभावी प्राकृतिक और घरेलू उपचार है, जिसके जरिए मुंहासे उत्पन्न करने वाले बैक्टीरिया का खात्मा हो जाता है।सेब के सिरके में साइट्रिक एसिड जैसे कार्बनिक तत्व मौजूद होते हैं, जो त्वचा को साफ करके मुंहासों से छुटकारा दिला सकते हैं।इस सिरके को पानी में मिलाकर चेहरे पर लगाएं और फिर मुंह धो लें।

भूलकर भी न फोड़ें मुंहासे

अक्सर लोग चेहरे पर निकलने वाले दानों व मुंहासों को बिना सोचे–समझे फोड़ देते हैं। हालांकि, ऐसा करना खतरनाक हो सकता है, जिससे और मुंहासे निकलने की संभावना बढ़ जाती है।ऐसे में होने वाली दुल्हनों को भूलकर भी चेहरे पर निकले मुंहासों को फोड़ना नहीं चाहिए।इसके बजाय आप घरेलू नुस्खों का पालन कर सकती हैं, ट्रीटमेंट करवा सकती हैं या पिंपल पैच लगा सकती हैं।शादी से पहले दुल्हनें इन तरीकों से त्वचा की देखभाल कर सकती हैं।

टी–ट्री तेल से दूर होंगे दाग

टी ट्री तेल एक तरह का एसेंशियल ऑयल है, जिसके जरिए आप मुंहासों के दाग मिटा सकती हैं। अध्ययनों से सामने आया है कि इस तेल को त्वचा पर लगाने से मुंहासों का उपचार होता है।इसे इस्तेमाल करने के लिए एक कटोरी में टी ट्री तेल और पानी को मिलाएं। अब रुई की मदद से इसे मुंहासों पर लगाएं और कुछ देर सूखने दें।जब यह तेल सूख जाए, तो चेहरे को पानी से धो लें।

तनाव और चिंता को कम करें

शादी से पहले सभी दुल्हनों को तनाव और चिंता का अनुभव जरूर होता है। हालांकि, मानसिक शांति न होने पर स्वास्थ्य भी प्रभावित होता है और चेहरे पर मुंहासे निकलने लगते हैं।ऐसे में अगर आप शादी के दिन चमकती

यूरिन की कुछ बूंदों से कैसे लगता है प्रेग्नेंसी का पता, ये वाला केमिकल होता है रिलीज

गर्भावस्था के दौरान टॉयलेट टेस्ट के नमूने में ह्यूमन कोरियोनिक गोनाडोट्रोपिन (एचसीजी), गर्भावस्था के दौरान एक खास तरह का हार्मोन बनता है कि इसके जरिए का पता गर्भावस्था का पता लगा सकते हैं. गर्भावस्था टेस्ट का उपयोग करते समय कुछ बातों पर ध्यान देना चाहिए. आप अपने पेशाब या खून में एचसीजी पा सकते हैं. एचसीजी को आपके शरीर में बनने में समय लगता है. गर्भावस्था के शुरुआती दिनों में हर दिन आपका शरीर ज़्यादा एचसीजी बनाएगा. जैसे–जैसे सप्ताह बीतते जाएंगे, आपके शरीर में ज़्यादा से ज़्यादा एचसीजी बनता जाएगा. जिससे प्रेगनेंसी टेस्ट के पॉज़िटिव आने की संभावना बढ़ जाएगी.

परीक्षण कब करें

गर्भावस्था के शुरुआती दिनों में शरीर में एचसीजी की मात्रा तेजी से बढ़ती है, हर 2–3 दिनों में दोगुनी हो जाती है. सटीक परिणाम की संभावना बढ़ाने के लिए, परीक्षण करने के लिए मासिक धर्म छूटने के एक या दो दिन बाद प्रतीक्षा करें.सटीकतागलत नकारात्मक संभव है, लेकिन असंभव है, जब तक कि टॉयलेट टेस्ट की शोषक पट्टी पर है. यदि आप छूटे हुए परिणाम के बारे में चिंतित हैं, तो आप एक और परीक्षण कर सकते हैं. ओव्यूलेशन का समय, अनियमित मासिक धर्म चक्र, और जब एक निषेचित अंडा प्रत्यारोपित होता है, गर्भावस्था परीक्षण की सटीकता को प्रभावित कर सकता है.

गर्भावस्था का पता लगाने के लिए कुछ प्राकृतिक तरीकों में शामिल हैंगेहूं और जौ परीक्षण

सुबह में गेहूं और जौ के अलग–अलग कंटेनरों में टॉयलेट डालें, और अंकुरित होने के लिए कुछ दिनों के लिए छोड़ दें. अगर अनाज अंकुरित हो जाए, तो पारंपरिक तौर पर माना जाता है कि यह गर्भावस्था का संकेत है.एक गिलास में एक बड़ा चम्मच एंटीसेप्टिक तरल डालें और उसमें तीन बड़े चम्मच मूत्र डालें. पांच से सात मिनट तक निरीक्षण करें.ब्लाइन परीक्षणटॉयलेट को एक साफ कंटेनर में इकट्ठा

अल्लू अर्जुन ने किया धमाका, पुष्पा 2 द रूल का नया धांसू पोस्टर जारी, श्रीवल्ली संग शेयर किया धांसू अपडेट

अर्जुन ने अपने फैंस को शानदार तोहफा दिया है. उन्होंने अपनी श्रीवल्ली यानि रश्मिका मंदाना के साथ पुष्पा 2 का एक नया धांसू पोस्टर शेयर किया है. पुष्पा 2 का फैंस लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं. वहीं टीजर के बाद से फैंस के बीच बहुत ज्यादा एक्साइटमेंट बढ़ गई है. पहले फिल्म की रिलीज डेट 6 दिसंबर थी अब हाल ही में मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट चेंज करते हुए 5 दिसंबर कर दी है. पुष्पा 2रू द रूल अब 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हाने जा रही है.सुपरस्टार अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना ने अपने नए पुष्पा 2रू द रूल पोस्टर के साथ आतिशबाजी शुरू कर दी है, जिसे फैंस के साथ दिवाली मनाने के लिए शेयर किया गया है. पोस्टर में अल्लू अर्जुन अपने पुष्पा राज के किरदार में और रश्मिका अपने श्रीवल्ली अवतार में नजर आ रही हैं. बैकग्राउंड में लग रहा है कि दोनों किचन में हैं और एक–दूसरे की आंखों में देख रहे हैं. नए पोस्टर के आने के साथ ही फैंस के बीच एक्साइटमेंट बढ़ गया है. नए पोस्टर के साथ उन्होंने कैप्शन लिखा– हैप्पी दिवाली.सुकुमार द्वारा निर्देशित यह फिल्म 2021 की ब्लॉकबस्टर पुष्पारू द राइज को दर्शकों और क्रिटीक्स ने खूब सराहा था वहीं अब सीक्वल का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है. क्योंकि अल्लू एक अलग ही अवतार में नजर आने वाले हैं टीजर में उनके लुक को देखकर फैंस काफी एक्साइटेड हो गए हैं. पोस्टर रिलीज करते ही फैंस ने कमेंट सेक्शन में खूब कमेंट किए. एक ने लिखा– अब हुई ना दिवाली सेलिब्रेट. एक ने

कमेंट किया– वाह क्या तोहफा है मेरे फेवरेट अल्लू अर्जुन और श्री वल्ली.पुष्पा द राइज में सामंथा का ऊ अंटावा काफी पॉपुलर हुआ था. वहीं रिपोर्ट्स के मुताबिक पुष्पा 2 में अब स्त्री 2 एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर का स्पेशल डांस होगा. हालांक इस बारे में कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं हुआ है. इस बीच, वर्कफ्रंट की बात करें तो रश्मिका की हाल ही में हॉरर कॉमेडी थामा अनाउंस हुई है जिसमें वे आयुष्मान खुराना के साथ नजर आने वाली हैं. यह फिल्म दिवाली 2025 में रिलीज होगी.

जूनियर एनटीआर की देवरा अब ओटीटी पर मचाएगी धमाल, 8 नवंबर से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम

जूनियर एनटीआर, जाह्नवी कपूर और सैफ अली खान स्टारर देवरारू पार्ट 1, 27 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. इस फिल्म का काफी बज था और इसने बॉक्स ऑफिस पर ध् ामाकेदार शुरुआत भी की थी लेकिन इसके बाद इसकी कमाई का ग्राफ गिरता चला गया. ओवरऑल देवरारू पार्ट 1 उम्मीद के मुताबिक बॉक्स ऑफिस पर परफॉर्म नहीं कर पाई. इस बीच, देवरा अब ओटीटी पर रिलीज के लिए तैयार है. चलिए जानते हैं ये फिल्म ओटीटी पर कब और कहां दस्तक देगी?

जूनिएयर एनटीआर की देवरारू पार्ट 1 को जो लोग थिएटर में नहीं देख पाए उनके लिए गुड न्यूज है. दरअसल ये फिल्म थिएट्रिकल रिलीज के बाद अब ओटीटी प्रीमियर की तैयारी कर रही है. बता दें कि देवरारू पार्ट 1 8 नवंबर से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होने जा रही है. स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म ने सभी भाषाओं में फिल्म के डिजिटल राइट्स हासिल कर लिए हैं, इस प्रकार, यह हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम में डिजिटल रूप से स्ट्रीमिंग होगी.

देवरारू पार्ट 1 काफी उम्मीदों के साथ सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. और इसने इसने सभी भाषाओं को मिलाकर करीब 74 करोड़ रुपये के कलेक्शन के साथ बंपर ओपनिंग भी की थी. जिसके बाद लग रहा था कि ये फिल्म टिकट खिड़की पर सारे रिकॉर्ड ब्रेक कर देगी. हालांकि दूसरे ही दिन से फिल्म की कमाई में गिरावट आती चली गई और इसी के साथ ये फिल्म कमाई के मामले में काफी पिछड़ गई. देवरारू पार्ट 1 ने बॉक्स ऑफिस पर औसत कारोबार

किया है.हालांकि इस फिल्म को उसकी भव्यता, ट्रीटमेंट और वीएफएक्स के लिए काफी सराहा गया है. फिल्म के एक्टर्स की काफी तारीफ हुई लेकिन देवरारू पार्ट 1 की बॉक्स ऑफिस परफॉर्मेंस निराशाजनक रही. फिल्म का अब तक का कुल कलेक्शन 343 करोड़ रुपये है.आरआरआर के बाद यह एनटीआर की पहली सोली रिलीज थी. वहीं जूनियर एनटीआर ने देवरा को अच्छा रिस्पॉन्स ना मिलने पर दर्शकों को जिम्मेदार ठहराया था. बता दें कि

जूनियर एनटीआर अब रितिक रोशन और कियारा आडवाणी के साथ वॉर 2 से बॉलीवुड में डेब्यू करेंगे.

अनुष्का सेन ने समझाया फैशन का मतलब है अभिव्यक्ति

अभिनेत्री अनुष्का सेन के लिए फैशन के मायने स्?टाइलिश कपड़ों से कहीं बढ़कर है। उनके हिसाब से यह खुद को व्?यक्?त करने का तरीका है।

नव्या नंदा के एंटरप्रेनारी और अबू संदीप के गुलाबो द्वारा आयोजित फैशन शो में अनुष्का ब्लैक एंड व्हाइट आउटफिट में नजर आईं। उन्?होंने अपने लुक को फ्री–फ्लोइंग बोहेमियन श्रग से पूरा किया।

अनुष्का ने कहा, मैं एंटरप्रेनारी बाय नव्या नंदा और गुलाबो बाय अबू संदीप शोकेस के लिए पहली बार रैंप पर चलने को लेकर उत्साहित थी और इनकी आभारी भी हूं। मेरे लिए फैशन कपड़ों से इतर है। यह अपने आप को व्?यक्?त करने का अच्?छा तरीका है यानि ये बताने का कि हम कौन हैं।

अभिनेत्री ने कहा कि वह सही अवसर और पल का इंतजार कर रही थीं।

उन्होंने कहा, यह कार्यक्रम एक सपने के सच होने जैसा था, खासकर इसलिए क्योंकि यह महिला उद्यमियों की मदद करने के लिए था। इसका एक और कारण भी था और वो था

अबू जानी संदीप खोसला के लिए वॉक करना, जो मेरे पसंदीदा डिजाइनर्स हैं।

अनुष्का ने अमिताभ बच्चन की पोती नव्या के साथ अपनी मुलाकात को एक शानदार अनुभव बताया।

मैंने पूरे दिल से उस पल को अपनाया और उस अद्भुत अवसर के लिए मैं आभारी हूं। नव्या से मिलना मेरे लिए एक शानदार अवसर था। इस महीने की शुरुआत में अनुष्का ने सोशल मीडिया पर दुर्गा पूजा से एक शानदार फोटो शेयर की थी। वह साड़ी और बड़े झुमके में बहुत खूबसूरत लग रही थीं।

उन्होंने साड़ी में अपनी कई तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसका शीर्षक था, दुर्गा पूजा 2024।

अनुष्का सेन एक भारतीय टेलीविजन अभिनेत्री हैं, जिन्हें बाल कलाकार के तौर पर काफी लोकप्रियता मिली। उन्हें हाल ही में दक्षिण कोरियाई पर्यटन के लिए आधिकारिक ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया गया है।

उन्होंने 2009 में भारतीय टेलीविजन पर यहाँ मैं घर घर खेली शो से अपने करियर की शुरुआत की। उन्होंने देवों के देव... महादेव में बाल पार्वती की भूमिका निभाई थी।

2012 में, उन्होंने टीवी शो बालवीर में मेहर के अपने किरदार से लोगों का दिल जीत लिया था।इसके अलावा, उन्होंने खूब लड़ी मर्दानी

– झांसी की रानी थी में मणिकर्णिका का किरदार निभाया।अनुष्का वेब सीरीज दिल दोस्ती डिलेमा में भी नजर आ रही है।

यह तीन दोस्तों की जिंदगी की कहानी है, जो प्राइम वीडियो पर भी स्ट्रीम हो रही है।

उन्होंने हाल ही में क्रश नामक एक अंतर्राष्ट्रीय प्रोजेक्ट पर काम किया, जिसमें उन्होंने ओलंपिक रजत पदक विजेता किम ये जी के साथ अभिनय किया है।

सिंघम अगेन पर मां लक्ष्मी की हुई कृपा, बंपर हुई ओपनिंग, अजय देवगन की हाईएस्ट ओपनर बनी फिल्म

इस दिवाली रोहित शेट्टी ने अपने कॉप यूनिवर्स की मोस्ट अवेटेड किस्त सिंघम अगेन रिलीज की. अजय देवगन, करीना कपूर खान, रणवीर सिंह, दीपिका पादुकोण, अर्जुन कपूर और अन्य सितारों से सजी इस मल्टी–स्टारर फिल्म का कार्तिक आर्यन की हॉरर कॉमेडी फिल्म भूल भुलैया 2 से क्लैश हुआ है. हालांकि सिंघम अगेन को दर्शकों से भरपूर प्यार मिल है और दिवाली के मौके पर रिलीज इस फिल्म पर लक्ष्मी मां ने भी अपनी पूरी कृपा बरसाई है. इसी के साथ फिल्म की जबरदस्त शुरुआत हुई है. चलिए यहां जानते हैं सिंघम अगेन ने रिलीज के पहले दिन कितना कलेक्शन किया है.नौ स्टार्स की पावर और जबरदस्त एक्शन सीक्वेंस वाली फिल्म सिंघम अगेन का रिलीज से पहले ही काफी हाईप क्रिएट हो गया था. फिर टीम और स्टार कास्ट ने भी इसके

प्रमोशन में कोई कोर– कसर नहीं छोड़ी जिसके चलते फैंस में फिल्म को लेकर जबरदस्त क्रेज था और इसी के साथ इसकी धुआंधार एडवांस बुकिंग हुई थी. फिल्म ने प्री टिकट सेल में गी 15 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन कर लिया था. वहीं दिवाली के मौके पर रिलीज इस फिल्म के सिनेमाघरों में दस्तक देते ही इसे देखने के लिए दर्शकों की भीड़ भी उमड़ पड़ी और इसकी के साथ सिंघम अगेन ने बंपर ओपनिंग की है. वहीं अब फिल्म की रिलीज के पहले दिन की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं.सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक सिंघम अगेन ने रिलीज के पहले दिन 43.50 करोड़ रुपये की भारी कमाई की है. हालांकि ये शुरुआती आंकड़े हैं ऑफिशियल नंबर्स आने के बाद इनमें फेरबदल हो सकता है. इन आंकड़ों के साथ ये फिल्म अजय देवगन के करियर की अब तक की सबसे बड़ी ओपनर बन गई है. इस फिल्म ने फ्रेंचाइजी की सिंघम रिटर्न्स (2014) को पीछे छोड़ दिया है, जिसने पहले दिन 32.09 करोड़ रुपये कमाए थे.रामायण–थीम वाली कहानी पर बेस्ड ये फिल्म रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स के दिग्गजों को एक साथ लाती है. उनके सबसे बड़े पुलिस वाले – सिंघम के रूप में अजय देवगन, सिम्बा के रूप में रणवीर सिंह, और सूर्यवंशी के रूप में अक्षय कुमार को साथ देखना किसी ट्रीट से कम नहीं है. वहीं दीपिका पादुकोण और टाइगर श्रॉफ कॉप ड्रामा में एक फ्रेशनेस लाते हैं. फिर चुलबुल पांडे के किरदार में सलमान खान के कैमियो ने तो थिएटर में तालियों और सीटियां बजवा दी. फिल्म में अर्जु कपूर भी पहले कभी नहीं देखा गये अवतार में नजर आए हैं. ओवरऑल फिल्म को दर्शकों से पहले दिन शानदार रिस्पॉन्स मिला है. और वीकेंड पर इसके कलेक्शन में और ज्यादा इजाफा होने की उम्मीद है.

लाल लाल खून और लाखों गुनाह... डेंजर हूं मैं, क्या समझ रहा है तू ? शरद केलकर की मराठी फिल्म रान्टी का टीजर रिलीज

इस साल आई फिल्म किल में हिंसक दृश्य कूट–कूटकर भरे गए। एक्शन, मारधाड़ और खून–खराबे वाले दृ श्यों को लेकर इसकी खूब चर्चा रही। अब इससे भी एक कदम आगे की एक फिल्म आ रही है। हालांकि, यह मराठी फिल्म है और नाम है, रान्टी। शरद केलकर अभिनीत इस फिल्म का टीजर जारी हो चुका है, जिसे संजय दत्त ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से जारी किया है।संजय दत्त ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से टीजर शेयर किया है। इसके साथ लिखा है, फिल्म रान्टी का आधिकारिक टीजर। इस दशक में रिलीज हुई यह

मराठी सिनेमा की सबसे दमदार फिल्म है। टीजर में शरद केलकर एक्शन अवतार में नजर आ रहे हैं। मारध ाड़ इतनी है कि सब एक–दूसरे का खून बहाते नजर आ रहे हैं। शरद केलकर ने भी फिल्म का टीजर जारी किया है और कैप्शन में लिखा है, लाल लाल खून और लाखों गुनाह... डेंजर हूं मैं, क्या समझ रहा है तू? टीजर में दिखाया गया है कि यह पातालपुर की कहानी है। जहां का सिर्फ एक ही नियम है, मारना या मर जाना। इस फिल्म का निर्देशन समित कक्कड़ ने किया है। फिल्म 22 नवंबर को रिलीज होगी।फिल्म का टीजर दर्शकों को पसंद आया है और सोशल मीडिया पर वे प्रतिक्रिया दर्ज करा रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, टीजर तो धांसू है और साफ पता चल रहा है कि ये जरूर देखे जाने लायक फिल्म है। एक यूजर ने लिखा, एक्शन पैक गैंगस्टर फिल्म है। फिल्म की कहानी भी टीजर जितनी धांसू होनी चाहिए। वहीं, कुछ लोग शरद के एक्शन की तारीफ करते दिख रहे हैं।

भूल भुलैया 3 पहले दिन ही हुई खूब मालामाल, बाक्स आफिस पर बम्पर शुरुआत

इस साल कई शानदार हॉरर–कॉमिडी फिल्मों की लिस्ट में अब एक और फिल्म शामिल हो गई है। साल के आखिर महीनों में दिवाली पर रिलीज हुई भूल भुलैया 3 ने बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार शुरुआत की है।मुंज्या और स्त्री 2 जैसी फिल्मों के बाद अब तीसरी फिल्म भूल भुलैया 3 भी सिनेमाघरों में काफी धमाल मचाने जा रही है। इस फ्रैंचाइजी की दोनों फिल्मों को लोगों ने खूब पसंद किया है। पहली भूल भुलैया में मंजुलिका का किरदार निभा चुकीं विद्या बालन दूसरी सीरीज में नजर नहीं आई थीं। अब वह इस तीसरी फिल्म में एक बार फिर से लोगों के दिलों पर राज कर रही हैं। कहा जा रहा है कि मंजुलिका ही इस फिल्म की जान हैं।सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, इस फिल्म ने शानदार एडवांस बुकिंग की। दिवाली के दिन फाइनली जब फिल्म रिलीज हुई तो इसने करीब–करीब 35.50 करोड़ रुपये की धमाकेदार कमाई कर डाली है। ये कलेक्शन भूल भुलैया की पिछली दोनों फिल्मों की तुलना में काफी ज्यादा है।वर्ल्डवाइड कलेक्शन की बात करें तो ये आंकड़े अभी आने में कुछ समय बाकी है। इस फिल्म को डरावना बनाने के लिए वीएफएक्स पर अच्छा काम किया गया है। रूह बाबा बने कार्तिक दर्शकों का मनोरंजन करने में पूरी तरह से सफल दिख रहे हैं। वैसे तो माध

ुरी दीक्षित गेस्ट अपीयरेंस में हैं, लेकिन पहली बार फिल्म में उनका ग्रे शेड्स दिखा है जो लोगों को पसंद भी आ रहा। इस फिल्म में छोटे पंडित के रूप में राजपाल यादव, पंडिताइन के रोल में अश्विनी कालसेकर और बड़े पंडित के रोल में संजय मिश्रा की तिकड़ी ने दर्शकों को जमकर मनोरंजन किया है। बताया जा रहा है कि ये फिल्म करीब 150 करोड़ रुपये के बजट में बनी फिल्म है। यहीनन, यदि ये फिल्म पहले वीक में बम्पर कमाई लगातार कर लेती है तो ये हिट फिल्म साबित हो सकती हैं।

सुर्ख लाल साड़ी पहन शिवांगी जोशी ने दिवाली पार्टी में लगाया ग्लैमर का तड़का, एक्ट्रेस की हाटनेस देखकर दीवाने हुए फैंस

टीवी एक्ट्रेस शिवांगी जोशी आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। ये रिश्ता क्या कहलाता है सीरियल में एक्ट्रेस ने अपनी अदाकारी से फैंस को इस कदर दीवाना बनाया था कि लोग उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं। हाल ही में प्रोड्यूसर निखिल द्विवेदी ने दिवाली पार्टी होस्ट की थी जिसमें शिवांगी जोशी ने रेड कलर की स्टाइलिश साड़ी पहनकर पार्टी में शिरकत की थी। इस दौरान उनका लेटेस्ट लुक इंटरनेट पर पोस्ट होते ही तबाही मचाने लगा।एक्ट्रेस शिवांगी जोशी हमेशा अपने बोल्ड और स्टनिंग लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर छाई हुई रहती हैं। उनका बोल्ज लुक सोशल मीडिया पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है।

अब हाल ही में एक्ट्रेस शिवांगी जोशी ने अपने लेटेस्ट लुक्स की फोटोज शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।बता दें कि एक्ट्रेस शिवांगी जोशी ने रेड कलर की शिमरी लुक में साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक पोज दे रही हैं।बालों की हाई पोनीटेल बांधकर और साथ ही लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस शिवांगी जोशी ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।

गले में नेकलेस, कानों में इयररिंग्स और चेहरे पर प्यारी सी स्माइल देकर एक्ट्रेस शिवांगी जोशी ने अपने इस लुक पर चार चांद लगा दिए हैं।एक्ट्रेस शिवांगी जोशी सोशल मीडिया लवर हैं और इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहती हैं। वहीं, इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है।

आई वांट टू टाक का नया पोस्टर जारी, तोंद के बारे में खुलकर बात करते दिखे अभिषेक बच्चन

अभिनेता अभिषेक बच्चन ने निर्देशक शूजित सरकार के साथ मिलकर अपनी आगामी फिल्म आई वांट टू टॉक बनाई है। नवंबर 2024 में रिलीज होने वाली इस फिल्म का पोस्टर 25 अक्तूबर को जारी किया गया। फिल्म के पोस्टर में अभिषेक अपने बढ़े हुए पेट को सामान्य बताते नजर आए।

आई वांट टू टॉक के पोस्टर में अभिषेक बच्चन ने लॉन्ग कोट और कार्टून प्रिंटेड पैंट पहनी थी, जो आमतौर पर घर पर पहनी जाती है। हालांकि, पहली बार अभिनेता को एक मोटी तोंद दिखाते हुए देखा गया। इस पर सर्जरी के निशान थे। अभिषेक ने

पोस्टर साझा करते हुए लिखा, बोलने के लिए तो बहुत कुछ है, लेकिन फिर भी एक तस्वीर हजार शब्द बोलती है। आई वांट टू टॉक सिनेमाघरों में 22 नवंबर को आएगी।

दो दिन पहले अभिषेक ने फिल्म में क्या–क्या होगा, इसकी एक झलक साझा की थी। इसे साझा करते हुए उन्होंने लिखा, हम सभी एक ऐसे व्यक्ति को जानते हैं, जो बात करने के लिए जीता है। यह एक ऐसे व्यक्ति की कहानी है, जो हमेशा जीवन के उज्जवल पक्ष को देखता है, चाहे जीवन में उसके सामने कोई भी चुनौती क्यों न आए। उस व्यक्ति को टैग करें, जिसे आप जानते हैं कि वह बात करने के लिए जीता है।

जारी हुए नए पोस्टर पर प्रशंसक भी अपनी प्रतिक्रिया साझा कर रहे हैं।

कई लोगों ने फिल्म के रिलीज होने को लेकर उत्साह साझा किया। राइजिंग सन फिल्म्स और किनो वर्क्स द्वारा निर्मित आई वांट टू टॉक फिल्म 22 नवंबर को दुनिया भर में रिलीज होने वाली है। पहले इसे 15 नवंबर को रिलीज किया जाना था। अभिषेक बच्चन की बात करें तो उन्हें आखिरी बार घूमर में देखा गया था।

तहसील समाधान कार्यक्रम का किया गया आयोजन

ब्यूरो सिद्धार्थनगर–

शासन के मंशा के अनुरूप तहसील नौगढ़ में जिलाधिकारी की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह की उपस्थिति में तहसील समाधान दिवस का कार्यक्रम का आयोजन किया गयातहसील नौगढ़ में आयोजित सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस के आयोजन के अवसर पर राजस्व, विकास, शिक्षा, पूर्ति एवं अन्य विभागों के शिकायतों की सुनवाई जिलाधिकारी उपजिलाधिकारी नौगढ़ तथा पुलिस विभाग से सम्बंधित शिकायतों की सुनवाई पुलिस अधीक्षक द्वारा किया गया। जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर द्वारा तहसील समाधान दिवस में पिछले समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों के आख्या का अवलोकन किया गया अवलोकन के पश्चात जिलाधिकारी द्वारा तत्काल जिला स्तरीय टीम बनाकर मौके का जांच कराने का निर्देश दिया जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि भूमि से संबधित विवाद मौके पर जाकर निरीक्षण कर निस्तारण कराये। जिलाधिकारी ने सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस नौगढ़ में उपस्थित सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि तहसील समाधान दिवस में प्राप्त हो रही

शिकायतों एवं आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों का समय से एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाये। इसके साथ ही शिकायतकर्ता एवं विपक्षी दोनों के समक्ष जांच कर कार्यवाही किया जाये जिलाधिकारी ने कानूनगो एवं लेखपालों को निर्देश दिया कि भूमि संपत्ति रजिस्टर एवं भूमि विवाद रजिस्टर अवश्य बना ले किसी भी विभाग का तहसील दिवस का कोई भी प्रकरण लम्बित नही होना चाहिए यदि किसी भी विभाग का प्रकरण लम्बित पाया जायेगा तो सम्बन्धित के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी लेखपाल एवं कानूनगो मौके पर जाकर शिकायत के निस्तारण से पूर्व निरीक्षण कर उसके बाद की आख्या लगायेगे इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही नही होनी चाहिए। सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस के आयोजन के अवसर पर कुल 65 प्रार्थना पत्र प्रस्तुत हुए जिसमें राजस्व–45, पुलिस विभाग से सम्बन्धित–03, विकास–09, विद्युत–01, पूर्ति–02, स्वास्थ्य–02, चकबन्दी–02, नगर पालिका–01 प्रार्थना–पत्र प्रस्तुत हुए राजस्व के 11 प्रार्थना–पत्रों का निस्तारण करा दिया गया तहसील दिवस में प्राप्त शेष शिकायती प्रार्थना पत्रों को तीन दिवस के अन्दर शत–प्रतिशत निस्तारण की कार्यवाही सम्बन्धित विभाग के अधिकारी को सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया। सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस कार्यक्रम के इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 रजत कुमार चौरसिया, पी0डी0 नागेन्द्र मोहन राम त्रिपाठी, डीडीओ गोपाल प्रसाद कुशवाहा, उपकृषि निदेशक अरविन्द कुमार विश्वकर्मा, जिला विद्यालय निरीक्षक सोमारू प्रधान, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी देवेन्द्र कुमार पाण्डेय, डीएसओ देवेन्द्र प्रताप सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी पवन कुमार, तहसीलदार नौगढ़, तहसील नौगढ़ क्षेत्र के अन्तर्गत समस्त थानाध्यक्ष एवं खण्ड विकास अधिकारी तथा अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने किया नौगढ़ तहसील के निरीक्षण

ब्यूरो सिद्धार्थनगर–

जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर द्वारा तहसील नौगढ़ का निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा तहसीलदार न्यायिक कोर्ट, नायब तहसीलदार के कोर्ट केस पत्रावली में 05 वर्ष व 03 वर्ष से अधिक समय से लम्बित प्रकरणो पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए शीघ्र निस्तारण कराये जाने हेतु निर्देश दिया धारा 34 के 05 वर्ष से पुराने प्रकरणो को शीघ्र निस्तारित कराने का निर्देश दिया धारा–67 का मौके पर जाकर निस्तारण कराने तथा कब्जा भी दिलाये जाने का निर्देश दिया पारिवारिक सदस्यता प्रमाण–पत्र, पट्टा, आर.सी. वसूली, ई.डब्ल्यू.एस. प्रमाण–पत्र आदि पत्रावली का गहनता से जांच किया गया 2020 के बाद से कोई पट्टा नही हुआ है पट्टेदार को पट्टा कब्जा प्रमाण पत्र नही दिया जा रहा है जिस पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए सम्बधिंत पटल सहायक को प्रतिकूल प्रविष्टि

देने का निर्देश दिया ग्राम सभा आवास स्थल भूमि आवंटन रजिस्टर पूर्ण नही पाया गया मत्स्य पट्टा का रजिस्टर मांगने पर आर0के0 अरूण कुमार श्रीवास्तव द्वारा रजिस्टर नही दिखाये जाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए जब तक रजिस्टर पूर्ण नही होता तब वेतन नही देने का निर्देश दिया कृषि पट्टा आवंटन रजिस्टर में पट्टेदार का फोटो नही लगा था तथा रजिस्टर पूर्ण नही पाया गया जिलाधिकारी ने सभी रजिस्टर 15 दिवस में पूर्ण करने का निर्देश दिया इसके पश्चात अभिलेखागार, भूलेख, संग्रह अभिलेखागार, नजारत, खतौनी कक्ष, डाक डिसपैच रजिस्टर, आर0के0पटल, आदि विभिन्न पटलो का निरीक्षण किया गया धारा 66 के अन्तर्गत मुकदमों का न्यायालय में सुनवाई कर निस्तारित कराये लेखपाल एवं राजस्व निरीक्षक की सेवा पुस्तिका, जी.पी.एफ. पुस्तिका का अवलोकन किया गया जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि कर्मचारियों की सेवा पुस्तिका जी.पी.एफ. पुस्तिका जो कमिय है उन्हें पूर्ण करा ले जिलाधिकारी द्वारा तहसील परिसर की साफ–सफाई व्यवस्था ठीक कराने का निर्देश दिया इस अवसर पर उपजिलाधिकारी नौगढ़ ललित कुमार मिश्र, तहसीलदार नौगढ़, नायब तहसीलदार नौगढ़, राजस्व निरीक्षक लेखपाल, नाजिर व अन्य संबधित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे

डीएम एवं एसपी ने छठ पूजा के दृष्टगत किया हनुमान मंदिर, सोमनाथ मंदिर, गायत्री मंदिर एवं परमार्थी पोखरा का निरीक्षण, दिए आवश्यक निर्देश

ब्यूरो देवरिया

देवरिया सोमवार को जिलाधिकारी श्रीमती दिव्या मित्तल एवं पुलिस अधीक्षक श्री संकल्प शर्मा ने शहर के विभिन्न छठ पूजा स्थलों का निरीक्षण कर श्रद्धालुओं की सुविधा के दृष्टिगत आवश्यक दिशा निर्देश दिये। डीएम ने कहा कि छठ पूजा स्थलों पर आने–जाने का रास्ता स्पष्ट होना चाहिए। इसके लिए आवश्यकता अनुसार बैरिकेडिंग की जाये। तालाबों की साफ–सफाई, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल सुविधा, गोताखोर की उपलब्धता के संबन्ध में डीएम ने आवश्यक निर्देश दिए।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सदर तहसील में सम्पन्न हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस

ब्यूरो देवरिया

देवरिया। जिलाधिकारी श्रीमती दिव्या मित्तल ने देवरिया सदर तहसील सभागार में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता की और प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के लिए राजस्व विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस का मुख्य उद्देश्य नागरिकों की शिकायतों का त्वरित समाधान करना और उनकी संतुष्टि सुनिश्चित करना है, ताकि वे किसी भी सरकारी सेवा या कल्याणकारी योजना से वंचित न रहें। जिलाधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि लाभार्थीपरक योजनाओं, जैसे वृद्धावस्था पेंशन, निर्विवाद वरासत और कागजात दुरुस्ती जैसे मामलों का तत्काल और प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि कोई भी पात्र व्यक्ति किसी भी सरकारी योजना से वंचित न रह जाए। कानून एवं व्यवस्था से संबंधित शिकायतों की सुनवाई पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा ने की। उन्होंने सभी पुलिस अधिकारियों और थानाध्यक्षों को निर्देशित किया कि हर शिकायत पर मौके पर जाकर प्रभावी कार्रवाई करें और यह सुनिश्चित करें कि पीड़ित को न्याय मिले। सदर तहसील में आयोजित इस सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 53 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। इनमें से सबसे अधिक 30 शिकायतें राजस्व विभाग से संबंधित थीं, जबकि 10 पुलिस विभाग, 5 विकास विभाग, और 8 अन्य विभागों से जुड़ी थीं। इनमें से 6 शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया, जबकि शेष 47 शिकायतों को समाधान के लिए संबंधित विभागों को सौंपा गया, जिसमें निस्तारण की दिशा में तुरंत कदम उठाने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के जनपद स्तरीय अधिकारी, खंड विकास अधिकारी और थानाध्यक्ष उपस्थित रहे।

डीएम ने छठ पर्व को सकुशल और शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए अधिकारियों को मजिस्ट्रेट के रूप में नामित किया

छठ पूजा के लिए 57 मजिस्ट्रेट तैनात

ब्यूरो देवरिया

देवरिया। जिला मजिस्ट्रेट श्रीमती दिव्या मित्तल ने छठ पर्व को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के उद्देश्य से 57 अधिकारियों की ड्यूटी मजिस्ट्रेट के रूप में लगाई है। उन्होंने कहा कि जिन अधिकारियों की ड्यूटी लगी है, वे अपने ड्यूटी स्थल पर समय से पहुँचे और ड्यूटी वाले दिन से पहले अपने स्थान पर जाकर वहां की स्थिति और व्यवस्थाओं का अवलोकन कर लें। जिला मजिस्ट्रेट ने बताया कि छठ पर्व को देखते हुए नगरीय क्षेत्रों में संबंधित अधिशासी अधिकारी और ग्रामीण क्षेत्रों में संबंधित बीडीओ एवं एडीओ (पंचायत) आवश्यक व्यवस्थाओं को सुनिश्चित कराने के प्रभारी होंगे। इन व्यवस्थाओं में प्रकाश, पेयजल, गहरे पानी में जाने से बचाव के लिए बैरीकेडिंग, सफाई, नदी या तालाबों के पास छठ के आयोजन स्थलों पर नाव एवं गोताखोर की व्यवस्था, सीसीटीवी कैमराध्ड्रोन कैमरा, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, फ्लेक्सी बैनर युक्त पंडाल जैसी सुविधाएं शामिल हैं। पंडाल में संबंधित अधिकारी का नाम, पदनाम, और मोबाइल नंबर अंकित होना चाहिए। इसके अलावा स्वास्थ्य टीम, एंबुलेंस और डॉक्टर की उपलब्धता भी सुनिश्चित करनी होगी। त्योहार को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए तहसील सदर के लिए अपर जिला मजिस्ट्रेट (प्रशासन), तहसील सलेमपुर और भाटपार रानी के लिए अपर जिला मजिस्ट्रेट (वित्त एवं राजस्व), तथा तहसील बरहज और रुद्रपुर के लिए मुख्य राजस्व अधिकारी को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। सभी उप जिला मजिस्ट्रेट और क्षेत्राधिकारी को निर्देशित किया गया है कि वे अपने–अपने क्षेत्र में आने वाले सभी छठ पूजा स्थलों पर समन्वय स्थापित करें और सौहार्दपूर्ण वातावरण में छठ पूजा का आयोजन सुनिश्चित करें। नगर पालिका परिषद देवरिया, गौरा बरहज, नगर पंचायत रामपुर कारखाना, रुद्रपुर, सलेमपुर, भटनी, लार, मझौलीराज, भाटपाररानी और बरियारपुर में विभिन्न घाटों और पूजा स्थलों पर मजिस्ट्रेट नामित किए गए हैं,

जो वहां की व्यवस्थाओं का पर्यवेक्षण करेंगे। इसके अलावा, ग्रामीण क्षेत्र के पूजा स्थलों पर भी मजिस्ट्रेट नामित किए गए हैं, जो सभी आवश्यक व्यवस्थाओं का ध्यान रखेंगे। जिला मजिस्ट्रेट ने 10 अतिरिक्त रिजर्व मजिस्ट्रेट भी तैनात किए हैं ताकि आपात स्थिति में सहायता की जा सके।

बुन्देली सेना के जिलाध्यक्ष ने की नाविको की समिति बनाने की मांग

–पुलघाट में हवन पूजन सामग्री विसर्जन कुण्ड का निर्माण शुरु

चित्रकूट (आरएनएस)। नगर पालिका ने पुल घाट कर्वी में हवन पूजन सामग्री विसर्जन कुण्ड के निर्माण का काम शुरु करा दिया है। इस कुण्ड के बनने से नदी में सीधे फेंके जाने वाली विसर्जन सामग्री अब कुण्ड में फेंकी जायेगी। बाद में एकत्रित सामग्री का निस्तारण होगा।बुंदेली सेना के जिलाध्यक्ष अजीत सिंह ने बताया कि हवन पूजन सामग्री विसर्जन कुण्ड की मांग लगातार गंगा समिति की बैठकों में उठाई गई। इसके अलावा मुख्यमंत्री पोर्टल में भी मांग किया गया। अब नगर पालिका ने पुल घाट किनारे ईंटगारे का पक्का विसर्जन कुण्ड बनवाना शुरु कर दिया है। पुल घाट के अलावा राजा घाट इंटेकवेल के पास भी ऐसे ही विसर्जन कुण्ड की दरकार है। नगर के सैकड़ों लोग ऐसी अपेक्षा करते आए थे कि हवन पूजन सामग्री नदी किनारे फेंकने का कोई स्थल चिन्हित होना चाहिए। नगरवासियों की भावना के दृष्टिगट बुंदेली सेना ने यह मांग तेज कर दी थी। अब जिम्मेदार लोग विसर्जन कुण्ड में ही विसर्जन की सामग्री फेंकेंगे। अजीत सिंह ने लोगों से अपील की है कि पुल के ऊपर से पालीथिन में भरकर पूजन सामग्री फेंकना बंद करें। इसके अलावा पुल के ऊपर लगी जाली को कुछ अराजकतत्वों ने तोड़ दिया है। जाली की मरम्मत कराने और शहर के गंगा जी रोड में ब्रह्मचर्य स्कूल के पास से नदी में गिर रहे नाले को भी टैप कराने का जिलाधिकारी से मांग की है। कहा कि रामघाट के नाविकों की समिति बनाने का कार्य भी नगर पालिका जल्द पूरा करे। ताकि रामघाट के आसपास नदी स्वच्छ रखी जा सके। बुंदेली सेना जिलाध्यक्ष अजीत सिंह ने बताया कि तत्कालीन जिलाधिकारी अभिषेक आनंद के समक्ष उन्होंने नाविको की कमेटी बनाने की मांग रखी थी। लगभग डेढ़ से दो सौ नावे रामघाट में संचालित हैं। यदि एसडीएम की अध्यक्षता मे नाविकों की समिति बन जाए तो साप्ताहिक या पाक्षिक नदी की सफाई होती रहेगी। इस पर नगर पालिका ईओ ने बताया था कि उन्होंने नाविकों के रजिस्ट्रेशन का कार्य शुरु कर दिया है। तीन महीने से ज्यादा का समय बीत गया लेकिन सरकारी योजना अभी धरातल पर नहीं उतर पाई।

संत मोरारी बापू ने तुलसी जन्मस्थली के विकास की उपेक्षा पर जताई चिंता

–तुलसी जन्मकुटीर पहुंच की पूजा अर्चना

राजापुर (चित्रकूट) (आरएनएस)। रामकथा के प्रख्यात कथाकार मोरारी बापू तुलसी जन्मस्थली में नगर पंचायत के प्राँगण में स्थापित सन्त गोस्वामी तुलसीदास की प्रतिमा की पूजा अर्चना व माल्यार्पण कर तुलसी जन्मकुटीर में बने सन्त निवास पहुँचे। जहाँ माँ कालिन्दी की पूजा अर्चना किया। रामकथा मर्मज्ञ मोरारी बापू ने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास का जन्म कालिन्दी के तट राजापुर में हुआ था। यमद्वितीया के अवसर पर जो व्यक्ति दरस परस अरु मज्जन पाना माँ कालिन्दी की कृपा से दैहिक, दैविक और भौतिक तीनों सन्ताप से दूर हो जाता है। रात्रि प्रवास के दौरान सन्त मोरारी बापू ने कहा कि सनातन अनुयायी प्रदेश सरकार के मुखिया योगी आदित्यनाथ के शासन काल में भी राजापुर का विकास नहीं हुआ। लगभग 50 वर्षों से ज्यों का त्यों तुलसी जन्मस्थली को देख रहा हूँ। जबकि रामचरितमानस के रचयिता गोस्वामी तुलसीदास के द्वारा अयोध्या के राजा राम को मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम बनाने का श्रेय तुलसीदास महाराज को जाता है और आज अयोध्या का विकास अपनी चरम सीमा पर है। राजापुर के विकास की उपेक्षाएं की जा रही हैं। पूर्व में भी सन्त मोरारी बापू ने योगी सरकार को तुलसी जन्मस्थली राजापुर के विकास के लिए पत्र लिखने की बात कही थी और आज फिर पत्र लिखने की चर्चा की। सन्त मोरारी बापू के सूत्रों के हवाले से जानकारी मिली है कि सन्त तुलसीदास महाराज के जन्मकुटीर के पास भव्य श्रीराम मंदिर बनवाने की योजनाएं बनाई जा रही हैं।

नगर पंचायत अध्यक्ष संजीव मिश्रा ने संत मोरारी बापू से अपील किया कि एक बार फिर से रामकथा यज्ञ करें। जिस पर बापू ने कहा कि कथा रामकृपा पर आधारित है।

डीएम शिवशरणप्पा जी.एन. व एसपी अरुण कुमार सिंह द्वारा जनता की समस्याएं सुनीं गई

चित्रकूट (आरएनएस)। डीएम शिवशरणप्पा जीएन एवं एसपी अरुण कुमार सिंह की उपस्थिति में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन तहसील सभागार कर्वी में संपन्न हुआ। डीएम ने संपूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त समस्याओं के निस्तारण रजिस्टर का परीक्षण करते हुए निस्तारण आख्या को देखा। संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन समस्याओं का निस्तारण किया जाता है उन समस्याओं के निस्तारण से समस्याग्रस्त व्यक्ति को भी अवगत कराया जाए। निर्धारित समय सीमा के अंदर त्वरित निस्तारण शासन की मंशा के अनुरूप व गुणवत्तापूर्ण कराना सुनिश्चित करें। इस मौके पर आई 47 शिकायती पत्रों में सात प्रार्थना पत्रों का निस्तारण किया गया। भूमि संबंधी मामलों पर राजस्व, चकबंदी एवं पुलिस की संयुक्त टीम बनाकर प्राथमिकता पर निस्तारण के निर्देश दिए। इस दौरान सदर एसडीएम पूजा साहू, सीओ सिटी राज कमल, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी सुभाषचंद्र, जिला कार्यक्रम अधिकारी पीडी विश्वकर्मा, अधिशासी अभियंता विद्युत दीपक सिंह, अधिशासी अभियंता प्रान्तीय खंड संतोष कुमार सिंह, तहसीलदार कर्वी वॉचस्पति सिंह, पीआरओ प्रवीण सिंह आदि मौजूद रहे।

पारदर्शिता के साथ निस्तारित करें मामले– सीडीओ

राजापुर (चित्रकूट) (आरएनएस)। मुख्य विकास अधिकारी अमृतापाल कौर व उप जिलाधिकारी न्यायिक फूलचंद यादव की मौजूदगी में तहसील समाधान दिवस राजापुर के सभागार में संपन्न हुआ। इस दौरान 19 फरियादियों की समस्याएं सुनकर पांच शिकायती पत्रों का मौके पर निस्तारण किया गया। अन्य मामलों के निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। तहसील दिवस में सबसे अधिक राजस्व विभाग की शिकायतें प्राप्त हुई हैं। ग्राम पंचायत गुरगौला के शिकायतकर्ता चंद्रपाल पुत्र रामेश्वर ने पत्र के माध्यम से अवगत कराया कि घर के सामने आमरास्ता गया हुआ है। जिसमें पड़ोस के दबंगो के द्वारा जबरन कब्जा कर लेने से रास्ता बंद हो गया है। जिसे बहाल कराने की मांग की है। ग्राम पंचायत चोरहा के चंद्रकांत शुक्ला पुत्र कन्हैयालाल ने शिकायत किया कि आम रास्ते में पड़ोसियों के द्वारा जानवर बांध देने से लोगों को आने जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। संपूर्ण समाधान दिवस के बाद पूर्व की शिकायतों की समीक्षा करते हुए सीडीओ ने कहा कि बिना भेदभाव के समस्याओं का निस्तारण किया जाए जिससे शिकायतकर्ता तहसील दिवस व थाना दिवस के चक्कर न काटे।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया

स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।

सम्पादक–शील कुमार शुक्ला

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।